डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सप्ताह की प्रकाशित, भोपाल से 20 जन.2022 से 2022 वर्ष-19 अंक-01 मूल्य ₹ 00.00

मां, बहन और बेटियों के सशक्तिकरण के लिए काम करना मेरे जीवन का मिशन - मुख्यमंत्री

भोपाल, यदि काम करने की तड़प हो तो बहनें चमत्कार कर सकती हैं। माता, बहन, बेटियां अभाव और गरीबी में रहने तथा ताने सुनने के लिए पैदा नहीं हुई हैं। महिलाओं को जो सम्मान मिलना चाहिए वह अभी तक नहीं मिला है। बेटा-बेटियों में भेद किया जाता है। मां, बहन, बेटी के सशक्तिकरण के लिए काम करना मेरे जीवन का मिशन है, यह मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने जो योजनाएं बनाई उनका उद्देश्य ग्राम स्तर तक महिला सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना रहा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में ग्रामीण राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में गठित स्व-सहायता समूह के सदस्यों को बैंक ऋण वितरित करने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ग्रामीण आजीविका मिशन में गठित स्व-सहायता समूह के सदस्यों को संबोधित करते हुये।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आरंभ करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाओं के जन्म से लेकर जीवन पर्यंत उनके सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से व्यवस्था की गई है। प्रदेश में संबल योजना भी क्रियान्वित है। गर्भवती माताओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में, बेटी के जन्म होने पर लाड़ली लक्ष्मी योजना, बेटी स्कूल जाए तो निःशुल्क पुस्तकें और स्कूल यूनिफार्म, बेटी दूसरे गांव में पढ़ने जाए तो निःशुल्क सायकिल, बेटी बारहवीं कक्षा में अच्छे नंबरों से पास हो तो गांव की बेटी योजना का लाभ, बेटी कॉलेज जाए तो प्रतिभा किरण योजना के लाभ की व्यवस्था है। साथ ही बेटियों का घर ठीक से बस जाए इसके लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 40 लाख से अधिक बेटियां लाड़ली लक्ष्मी बनी हैं। राज्य सरकार लाड़ली लक्ष्मी-दो योजना शीघ्र ही क्रियान्वित करने वाली है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्व-सहायता समूह के सदस्यों को 300 करोड़ रुपये के बैंक ऋण सिंगल क्लिक से वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों के स्व-सहायता समूह के सदस्यों से वर्चुअली संवाद भी किया। देवास जिले की जागरूकता आजीविका स्व-सहायता समूह की श्रीमती रूबीना बी ने बताया कि वे मजदूरी करती थीं। इसके बाद समूह से जुड़कर उन्होंने गांव में ही कपड़े की दुकान लगाना आरंभ किया।

धार के जागृति आजीविका समूह की श्रीमती ममता सोनगरा ने बताया कि वे गांव में साड़ी की दुकान के साथ ब्यूटी पार्लर का संचालन करती हैं।

शहडोल जिले की कपिल आजीविका स्व-सहायता समूह की श्रीमती आशा राठौर ने स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद सेन्ट्रिंग कार्य के लिए प्लेटें किराए पर देने का कार्य आरंभ किया।

मुख्यमंत्री ने स्व-सहायता समूह के अध्यक्ष/सचिवों को प्रतीक स्वरूप ऋण राशि का वितरण किया।

महिलाओं के लिये आर्थिक सशक्तिकरण जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण आत्म-सम्मान और आत्म- विश्वास के लिए जरूरी है। महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हों, बहनों की आमदनी बढ़े, यह महिलाओं के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है। आजीविका मिशन में जुड़ी प्रत्येक महिला की न्यूनतम दस हजार रुपये प्रतिमाह आय हो, इस दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्यरत है। बैंकों से सहज और सरल रूप से महिलाओं को ऋण प्राप्त हो, इस उद्देश्य से प्रतिमाह बैंकों के साथ सघन बैठकें की जा रही हैं।

सामाजिक सशक्तिकरण में सरकार मददगार

श्री चौहान ने कहा कि आर्थिक के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी महिलाओं की सक्रियता से बदलाव आ रहे हैं। महिला स्व-सहायता समूहों को नशामुक्ति, बाल विवाह की रोकथाम, स्वच्छता, पोषण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों में सामाजिक व्यवहार में सकारात्मक बदलाव के लिए भी निरंतर प्रयास करने चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं रुपये-पैसे के डिजिटल लेन-देन के तरीकों को अपनाएं।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा

कक्षा 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल जारी

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षिक सत्र 2021-22 की कक्षा 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया गया है।

संचालक लोक शिक्षण श्री के.के. द्विवेदी ने बताया कि प्रदेश के सभी शासकीय हाई और हायर सेकेंडरी विद्यालयों में कक्षा 9वीं और 11वीं की परीक्षा सुबह 8:30 से 11:30 के बीच आयोजित की जाएंगी। कक्षा नौवीं की परीक्षा 16 मार्च से 12 अप्रैल 2022 तक और कक्षा 11वीं की परीक्षा 15 मार्च से 13 अप्रैल 2022 तक आयोजित की जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षाओं के संचालन के संबंध में सभी संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और विद्यालयों के प्राचार्य को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

सभी विद्यालयों में प्रश्न पत्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद् द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। परीक्षा केंद्र पर सभी परीक्षार्थियों को सुबह 8 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में सुबह 8:15 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

परीक्षा केंद्र पर सभी परीक्षार्थियों को कोविड-19 सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। परीक्षा शुरू होने के 10 मिनट पहले विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका और 5 मिनट पहले प्रश्न पत्र दिए जाएंगे।

सभी श्रेणी के दिव्यांग विद्यार्थियों को 20 मिनट प्रति घंटे के हिसाब से अतिरिक्त समय और लेखक की सुविधा प्रदान की जाएगी।

खास खबर

विशेष अभियान चलाकर स्कूल और आंगनवाड़ी ऊर्जीकृत

भोपाल, मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के बड़वानी के अधिकारियों, कर्मचारियों ने विशेष अभियान चलाकर जनवरी माह में 1100 स्कूलों और आंगनवाड़ियों में बिजली पहुंचाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया है। मप्रपक्षेविविकं के बड़वानी अधीक्षण यंत्री श्री संतोष पाटिल ने बताया कि जनवरी में आंगनवाड़ी, स्कूलों में कनेक्शन जारी करने के लिए अभियान चलाया गया। प्रत्येक विकासखंड की सूची बनाकर दैनिक लक्ष्य तयकर विधिवत कनेक्शन जारी किए गए।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

सफलता की कहानी

एल.ई.डी दीदी के नाम से रीना ने बनाई पहचान

भोपाल, कभी अभावों के अंधेरे में रहने वाली श्रीमती रीना अहिरवार के जीवन में आजीविका मिशन ने ऐसा उजाला किया कि अब वे एल.ई.डी. वाली दीदी कहलाने लगी हैं। भोपाल जिले की बैरसिया पंचायत के मजीदगढ़ की श्रीमती रीना अहिरवार पति श्री धूरीलाल बताती हैं कि स्व-सहायता समूह में जुड़ने से पहले उनके पति मजदूरी का काम करते थे। परिवार का पालन-पोषण पति की कमाई पर ही निर्भर था, जो कि माह में 4 हजार से 5 हजार तक ही हो पाती थी। वे कुछ कार्य करने की इच्छा के बावजूद पैसा नहीं होने से कुछ नहीं कर पा रही थीं।

वे मां दुर्गा आजीविका स्व-सहायता समूह से जुड़ गईं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में एलईडी बल्ब का प्रशिक्षण लेकर बल्ब बनाने लगीं। समूह द्वारा बैंक से एक लाख रुपये का ऋण लेकर अपना व्यापार शुरू किया गया। रीना ने एल.ई.डी. बल्ब बनाकर लगभग 2 लाख रुपये का व्यापार कर लिया है और खुशहाल जिंदगी बिता रही हैं। अब रीना हर महीने 10 हजार रुपये तक कमाने लगी हैं। एल.ई.डी. बल्ब के उपयोग से लोगों का बिजली का बिल कम हुआ है। तो दूसरा घरों में ज्यादा रोशनी होने से बच्चों की पढ़ाई भी बड़े आराम से होने लगी है।

रामानुजाचार्य ने वर्ग-विभेद को समाप्त कर समानता के सेतु बनाए - मुख्यमंत्री

हैदराबाद, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हैदराबाद में रामानुज सहस्त्राब्दी समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने श्रीरामनगरम, जीवा कैम्प्स में रामानुजाचार्य की प्रतिमा के दर्शन किए और पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह भी उपस्थित थीं। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित इस 216 फीट (66 मीटर) ऊंची प्रतिमा की स्थापना का कार्य वर्ष 2014 में प्रारंभ हुआ था। इस प्रतिमा को समानता की मूर्ति नाम दिया गया है। करीब एक हजार वर्ष पूर्व 11वीं सदी में हुए वैष्णव संत भगवत रामानुज की यह मूर्ति चिन्ना जियर ट्रस्ट में स्थित है। ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गत सप्ताह प्रतिमा का अनावरण किया है। पंचधातु से निर्मित इस विशिष्ट प्रतिमा को स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तेलंगाना प्रवास में साधु संतों को मध्यप्रदेश में बनने वाली 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' परियोजना की जानकारी भी दी। समारोह को श्री मोहन भागवत ने भी संबोधित किया।

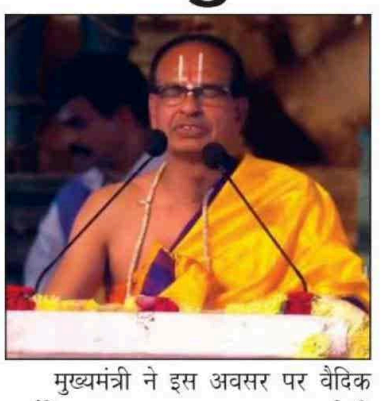

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर वैदिक दार्शनिक, समाज सुधारक रामानुजाचार्य जी का स्मरण करते हुए कहा कि तमिलनाडु के श्री पेरम्बदूर में जन्मे रामानुजाचार्य ने भक्ति आंदोलन को पुनर्जीवित किया। उनकी शिक्षाओं से अन्य भक्ति विचारधाराएं भी पनपीं। अन्ना आचार्य, भक्त रामदास, कबीर, मीराबाई जैसे संतों, कवियों को भी प्रेरणा मिली। एक हजार वर्ष बाद आज भी उनके संदेश प्रासंगिक हैं। उनका सम्पूर्ण दर्शन अपने आप में एक विराट संसार है जो समता, समानता और बंधुत्व की मजबूत नींव पर स्थापित है। उन्होंने समाज में वर्ग विभेद को समाप्त कर समानता के सेतु बनाने का प्रबल आग्रह किया। वे सिर्फ धर्म प्रचारक या संत ही नहीं थे, बल्कि स्वयं शेषावतार थे, जिन्होंने अपनी शिक्षाओं और कार्यों से भारतीय परम्परा के शाश्वत मूल्यों को उद्घाटित किया था।

मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर में शंकराचार्य जी की 108 फीट ऊंची विशाल बहु धातु प्रतिमा, शंकर संग्रहालय और आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान के निर्माण को मध्यप्रदेश सरकार ने मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गत माह देश के प्रमुख साधु संत भी आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के न्यासी मंडल की बैठक में भोपाल आये थे, तब ओंकारेश्वर में प्रारंभ प्रकल्प के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा हुई थी। आचार्य शंकर के सम्पूर्ण जीवन दर्शन से परिचित कराने, उनके अद्वैत वेदांत की अभिव्यक्ति, नई पीढ़ी के चरित्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, विश्व कल्याण और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव के साथ ओंकारेश्वर को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के रूप में विकसित करने के लिए बजट प्रावधान के साथ विभिन्न एजेंसियों का निर्धारण कर लिया गया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

5 फरवरी

स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थगित की नीट पीजी-2022 परीक्षा

● केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी-2022 परीक्षा को टाल दिया है। यह परीक्षा 12 मार्च को आयोजित होनी थी। यह परीक्षा अब 21 मई को आयोजित की जायेगी। इस संबंध में जारी एक आदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक ने लिखा कि नीट पीजी-2022 परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने के संबंध में बहुत सारे आवेदन प्राप्त हो रहे थे। उसी अवधि में अन्य परीक्षाएं होने के कारण कई इंटर्न मई 2022 तक पीजी काउंसलिंग में शामिल नहीं हो पायेंगे। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुये मंत्रालय ने नीट पीजी-2022 परीक्षा को टालने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि नीट पीजी परीक्षा को टालने के लिये कई विद्यार्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की है।

● भारतीय सेना चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के मध्य और पूर्वी क्षेत्र में अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर के-9 वज्र होवित्जर तोप तैनात करेगी। सेना की ओर से बताया गया कि लद्दाख सेक्टर में के-9 वज्र होवित्जर तोपों की तैनाती सफल रही है। इन तोपों को अब एलएसी क्षेत्र में भी तैनात किया जायेगा। इसके लिये 200 के-9 वज्र होवित्जर तोप और खरीदी जायेंगी। इन तोपों को उत्तराखंड सहित मध्य क्षेत्र के ऊंचाई वाले क्षेत्र में और सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वी इलाकों में तैनात करने की योजना है। के-9 वज्र होवित्जर तोपों की मारक क्षमता 38 किलोमीटर है, लेकिन ये पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में 16 हजार फीट ऊंचाई वाले पहाड़ों में 50 किलोमीटर के लक्ष्य पर सफलतापूर्वक निशाना साध रही हैं।

6 फरवरी

स्पूतनिक की सिंगल डोज वैक्सीन को मिली आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी

● केंद्र सरकार ने रूस दवा कंपनी स्पूतनिक की सिंगल डोज कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक लाइट के आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी प्रदान की है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने स्पूतनिक लाइट वैक्सीन के इस्तेमाल की अनुमति दी है। अब देश में कोरोना रोधी वैक्सीन की संख्या नौ हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत की दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज ने स्पूतनिक वी के क्लीनिकल ट्रायल के लिये और भारत में इस वैक्सीन के वितरण के लिये रसियन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) के साथ सितम्बर, 2020 में करार किया था। डीसीजीआई की सब्जेक्ट कमेटी ने कुछ दिन पहले ही इस सिंगल डोज वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल की सिफारिश की थी।

● यूक्रेन और रूस के बीच चल रही तनातनी के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि रूस ने यूक्रेन पर हमले की 70 प्रतिशत तैयारी पूरी कर ली है। अमेरिका ने कहा कि रूस यूक्रेन पर हमला करने से कुछ ही कदम दूर है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार फरवरी के मध्य से यूक्रेन की सीमा तक अतिरिक्त रसद, भारी उपकरण और हथियार पहुंचाने के लिये स्थितियां अनुकूल होने पर रूस यूक्रेन पर हमला करेगा। रूस के एक लाख से ज्यादा सैनिक पहले से ही यूक्रेन सीमा पर तैनात हैं। वहीं दूसरी ओर रूस ने हमले की तैयारी वाली रिपोर्ट को नकारते हुये कहा कि उसके सैनिक वहां अभ्यास कर रहे हैं। इसी बीच रूस ने अपने सहयोगी बेलारूस में लंबी दूरी के परमाणु सम्पन्न बमवर्षक विमानों को गश्त पर भेजा है।

7 फरवरी

देश में सौ नये सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिये ई-काउंसलिंग की तैयारी

● सैनिक स्कूल सोसायटी देश में 100 नये सैनिक स्कूलों में प्रवेश पाने के इच्छुक विद्यार्थियों को ऑनलाइन काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये स्वचलित प्रणाली विकसित कर रही है। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ई-काउंसलिंग के लिये स्वचलित दाखिले की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जायेगी। ई-काउंसलिंग प्रणाली किफायती और सभी हितधारकों-विद्यार्थियों और विद्यालयों के लिये इस्तेमाल करने में आसान होगी। इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिये विद्यार्थी को एक वेब पोर्टल पर दिये गये लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण करना होगा और अपनी जानकारी सत्यापित करनी होगी। विद्यार्थी को आवंटन के लिये 10 स्कूलों का चयन करना होगा। इसके बाद स्कूल का आवंटन विद्यार्थियों की रैंकिंग और चयन किये गये स्कूल के मद्देनजर स्वचलित प्रणाली से होगा तथा परिणाम की घोषणा ई-काउंसलिंग पोर्टल के जरिये की जायेगी।

● एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने गत वर्ष (2021) में भारत को रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर का कर्ज दिया है। यह जानकारी एक बहुपक्षीय वित्त पोषण एजेंसी ने दी है। एजेंसी के अनुसार एडीबी ने वर्ष 2021 में भारत को 17 ऋणों में रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर का कर्ज दिया है, इनमें से 1.8 अरब डॉलर कोरोना महामारी से निपटने के उपायों के लिये दिया गया है। इस राशि में से 1.5 अरब डॉलर टीके की खरीद के लिये हैं, जबकि 30 करोड़ डॉलर शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिये दिये गये हैं।

8 फरवरी

कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिये अनिवार्य नहीं है आधार

● कोरोनारोधी टीकाकरण के लिये कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के लिये आधार कार्ड का होना अनिवार्य नहीं है। यह जानकारी केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ को बताया कि टीकाकरण के लिये पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र और राशन कार्ड सहित नौ पहचान दस्तावेजों में किसी भी एक का होना अनिवार्य है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिये आधार कार्ड को अनिवार्य बनाने पर जोर दिया जा रहा है। सरकार के स्पष्टीकरण के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया है।

● आयकर विभाग के नये ई-फाइलिंग पोर्टल पर लगभग 6.17 करोड़ करदाताओं ने आयकर रिटर्न दाखिल किया है। वहीं 19 लाख मेजर टैक्स ऑडिट रिपोर्ट्स भी इस नये पोर्टल पर दाखिल की जा चुकी हैं। आयकर विभाग ने बताया कि 6 फरवरी 2022 तक की स्थिति में 2021-22 आकलन वर्ष में 6.17 करोड़ आयकरदाताओं ने आयकर रिटर्न दाखिल किया, इनमें 2.97 करोड़ आईटीआर-1 है, जो कुल आईटीआर का 48 प्रतिशत है। वहीं 56 लाख आईटीआर-2 फॉर्म भरे गये हैं। इसी तरह 81.6 लाख आईटीआर-3, 1.65 करोड़ आईटीआर-4, 10.9 लाख आईटीआर-5, 4.84 लाख आईटीआर-6 तथा 1.32 लाख आईटीआर-7 फॉर्म भरे गये हैं।

9 फरवरी

अमेरिका ने ताइवान के साथ मिसाइल समझौते को दी मंजूरी

● अमेरिका ने ताइवान के साथ 10 करोड़ डॉलर (लगभग 2750 करोड़ रुपये) के मिसाइल समझौते को मंजूरी दी है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर मिसाइल समझौते को मंजूरी मिलने की जानकारी दी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार ताइवान इस समझौते के तहत मिली राशि का उपयोग अपनी मिसाइल रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने में करेगा। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इस समझौते को मंजूरी देने के लिये बाइडेन प्रशासन का शुक्रिया अदा किया है। ताइवान ने कहा कि यह समझौता ताइवान को उसकी वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली और उन्नत अमेरिकी मिसाइलों को तैनात करने में मदद करने के लिये है। वहीं चीन ने इस समझौते पर कड़ी आपत्ति जताई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि चीन इस समझौते का कड़ा विरोध करता है। अमेरिका को इस समझौते को तुरंत वापस लेना चाहिये।

● रूस और यूक्रेन के बीच लगातार तनाव बना हुआ है। इस बीच यूक्रेन संकट को देखते हुये अमेरिका ने अपने नागरिकों को यूक्रेन छोड़ने की सलाह दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस में जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि रूस के सैन्य खतरे के बीच आवश्यक राजनयिकों को छोड़कर अन्य अमेरिकी नागरिकों के लिये यूक्रेन छोड़ देना समझदारी होगी। इसके अलावा अमेरिका ने यूक्रेन में तैनात अपने गैर जरूरी कर्मियों को वापस अमेरिका लौटने की अनुमति भी दी है।

10 फरवरी

सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं की टर्म-2 परीक्षाओं की तारीखें कीं घोषित

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं और बारहवीं बोर्ड की टर्म-2 परीक्षाओं की तारीखें घोषित कर दी हैं। सीबीएसई ने एक नोटिस जारी कर कहा कि टर्म-2 परीक्षाएं 26 अप्रैल 2022 से शुरू होंगी। बोर्ड ने कहा कि परीक्षा की तारीखों का विस्तृत शेड्यूल जारी किया जायेगा। सीबीएसई ने कहा कि ये परीक्षाएं ऑफलाइन मोड में होंगी। बोर्ड के अनुसार टर्म-2 परीक्षा में बचे हुए 50 प्रतिशत सिलेबस से प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा में ऑब्जेक्टिव और सब्जेक्टिव दोनों तरह के प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि 2 घंटे की होगी। इसके अलावा सीबीएसई ने कहा कि टर्म-1 परीक्षा का परिणाम जल्द घोषित किया जायेगा। यह परीक्षा नवम्बर-दिसम्बर 2021 में आयोजित की गई थी।

● देश में कोरोना के इलाज के लिये ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल लिमिटेड ने एक नेजल स्प्रे लॉन्च किया है, जिसका नाम नाइट्रिक ऑक्साइड है। ग्लेनमार्क ने कनाडा की दवा कंपनी सानोटिज के साथ मिलकर यह दवा तैयार की है। भारत में इस दवा को फैबीस्प्रे नाम से लॉन्च किया गया है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया पहले ही इस दवा को मंजूरी प्रदान कर चुका है। ग्लेनमार्क कंपनी के अनुसार नाइट्रिक ऑक्साइड आधारित यह नेजल स्प्रे नाक की ऊपरी सतह पर कोरोना वायरस को प्रभावी ढंग से खत्म करने के लिये काम करता है। इस दवा के माइक्रोबियल गुणों ने यह साबित किया है कि जब इस स्प्रे को नाक के म्यूकस पर छिड़का जाता है, तो यह वायरस को शरीर में बढ़ने से रोकता है।

11 फरवरी

रेलवे ने आठ ग्रुप सर्विसेज को मिलाकर बनाया इंडियन रेलवे मैनेजमेंट सर्विस

● भारतीय रेलवे ने आठ अलग-अलग ग्रुप सर्विसेज को मर्ज कर एक नया सर्विस ग्रुप इंडियन रेलवे मैनेजमेंट सर्विस (आईआरएमएस) बनायी है। रेलवे ने इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी किया है। रेलवे ने कहा कि अलग-अलग आठ विभागों में भर्ती के लिये आठ अलग-अलग परीक्षाएं होती थीं, लेकिन अब एक ही परीक्षा के जरिये कर्मचारियों की भर्ती होगी। रेलवे ने स्पष्ट किया कि आईआरएमएस से अधिकारियों की वरिष्ठता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रेलवे ने कहा कि महाप्रबंधक के 27 पदों को अपग्रेड कर ऊपरी ग्रेड दिया जायेगा। नोटिफिकेशन के अनुसार आईआरएमएस के अधिकारी ही रेलवे बोर्ड के चेयरमैन/कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी सदस्य बनने के योग्य होंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Join Capsule Course
10th 12th (PCMB) Term 2
CMAT CET CLAT
NEET/ नर्सिंग
बालाजी® ट्यूटोरियल्स (Since 2004)
221 वेदा बिल्डिंग, भँवरकुआ इन्दौर
98930-53653
Sarah
R-46632/2022

PEOPLE'S UNIVERSITY
(Established by M.P. Act No. 18 of 2011 & approved u/s 2 (f) of UGC act 1956)
ADMISSION OPEN
Limited Seats
PARAMEDICAL

MPT	Masters of Physiotherapy - (Ortho'/ Neuro'/ Cardio' & Sports) 2 yrs PG Degree Program, Eligibility : BPT	
BPT	Bachelor of Physiotherapy*	4½ yrs Degree Course
BMLT	Bachelor of Medical Lab Technology*	3 yrs Degree Course
DMLT	Diploma in Medical Lab Technology*	2 yrs Diploma Course
DDT	Diploma in Dialysis Technology*	2 yrs Diploma Course

*Eligibility : 12th with Physics, Chemistry & Biology
0755-400 5203, 9538500200
People's Campus, Bhanpur, Bhopal (M.P.)
Shreeram
R-46617/2022

वर्ष 39, अंक 07 14.02.2022 से 20.02.2022
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश की स्टार्टअप पॉलिसी जल्दी आयेगी

युवाओं द्वारा उद्यमी भावना के साथ शुरू किये गये स्टार्टअप देश में क्रांति ला रहे हैं। मध्यप्रदेश शीघ्र ही नई स्टार्टअप पॉलिसी तैयार कर इसे लागू करेगा। इसके अलावा ग्लोबल स्टार्टअप इन्वेस्टर्स समिट के विचार को भी जमीन पर उतारा जायेगा। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल में स्टार्टअप एक्सपो 2022 के शुभारंभ सत्र को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गत 7 वर्ष में देश में स्टार्टअप को दिये गये प्रोत्साहन के फलस्वरूप युवा शक्ति का उदय हुआ है। मध्यप्रदेश में स्टार्टअप गतिविधियां बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुये कहा कि मैंने बचपन में कविता पढ़ी थी- 'तू जो चाहे पर्वत, पहाड़ों को तोड़ दे, तू जो चाहे नदियों के मुंह को भी मोड़ दे, तू जो चाहे माटी से अमृत निचोड़ दे, अमर तेरे प्राण, मिला तुझको वरदान, तेरी आत्मा में स्वयं भगवान हैं, मनुष्य तू खड़ा महान है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि इन काव्य पंक्तियों में यह भाव समाहित है कि यदि हम कोई बात ठान लें और एक लक्ष्य लेकर आगे बढ़े, साथ ही परिश्रम की पराकाष्ठा और प्रयत्नों की परिसीमा करें तो ब्रह्मांड पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने एक बार कहा था कि 'भारत माता एक बार फिर से आंखें खोल रही हैं, महा निशा का अंत निकट है, मैं ये देख रहा हूं कि भारत फिर से एक बार अंगड़ाई लेकर खड़ा हो रहा है और विश्वगुरु के पद पर अधिष्ठित हो रहा है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यहां प्रतिभाओं की कमी कभी नहीं रही। साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में आज नहीं हजारों साल पहले भी भारत ने बहुत कुछ दिया है। जीरो के बारे में सभी लोग जानते हैं। हमारा बहुत गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। भारत के विकास का फिर से स्वर्णिम युग आया है। जब दुनिया के विकसित देशों में सभ्यता के सूर्य का उदय नहीं हुआ था, तब हमारे यहां वेदों की ऋचाएं रच दी गई थीं। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय हजारों साल पहले भारत में विद्यमान थे, जिसमें पढ़ने दुनियाभर के छात्र आते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम मध्यप्रदेश को स्टार्टअप हब के रूप में विकसित करना चाहते हैं। प्रदेश में स्टार्टअप के लिये नीति तैयार की जा रही है। इसके लिये कोई सुझाव हो, तो युवा साझा करें। इंदौर के युवा चाहते हैं कि इंदौर को स्टार्टअप की राजधानी बनाया जाये। भोपाल भी इस क्षेत्र में पीछे नहीं है। इस साल मध्यप्रदेश में स्थापित स्टार्टअप में से कम से कम दो स्टार्टअप को यूनिकॉर्न स्टार्टअप का दर्जा दिलाने के प्रयास किये जायेंगे। एक बिलियन डॉलर से अधिक मार्केट वैल्यू से यूनिकॉर्न बनते हैं। देश में इस समय 80 से अधिक यूनिकॉर्न बन गये हैं और हमारा देश शीघ्र इसकी सेंचुरी की तरफ बढ़ रहा है। एक कदम आगे बढ़ते हुये डेकाकॉर्न कंपनियां भी स्थापित होने लगी हैं। डेकाकॉर्न दस मिलियन डॉलर से अधिक की मार्केट वेल्यू से संभव होता है। राज्य सरकार युवाओं की हरसंभव सहायता करने के लिये तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को बड़ा सपना देखना चाहिये। बड़े सपने ही उसे सच करने के संकल्प को बल देते हैं। मध्यप्रदेश में लगभग 1800 स्टार्टअप स्थापित हो चुके हैं। इसमें उल्लेखनीय यह है कि इनमें 40 प्रतिशत हमारी बेटियों और बहनों ने स्थापित किये हैं। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी बचपन से इनोवेट करने पर जोर देती हैं। देश में अटल टिंकरिंग लैब्स इसी उद्देश्य से स्थापित किये गये हैं।

जलवायु परिवर्तन दिमाग पर बुरा असर डालता है

आज के दौर में जलवायु परिवर्तन चर्चा का एक विषय है। जलवायु परिवर्तन को लेकर पर्यावरणविद् समय-समय पर चिंता भी व्यक्त करते हैं। इस पर अनेक देशों में निरन्तर शोध भी हो रहे हैं। हाल ही में हुये एक शोध में दावा किया गया है कि हीट डोम और जलवायु परिवर्तन का असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को लेकर चिंता जताई गई है। हीट डोम जलवायु की वह स्थिति है, जो असाधारण मानी जाती है। इसकी वजह से तापमान में तेजी से इजाफा होता है। मानसिक स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन गठबंधन के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि जलवायु परिवर्तन का मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ता है। जटिल जलवायु परिवर्तन से संबंधित मौसम की घटनाओं के प्रभाव को बेहतर ढंग से समझने के लिये जलवायु परिवर्तन की निरंतर निगरानी की आवश्यकता है। अध्ययन में 16 वर्ष से अधिक आयु के 850 लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। हीट डोम के बाद ब्रिटिश कोलंबियाई लोगों में जलवायु परिवर्तन की चिंता का औसत स्तर लगभग 13 प्रतिशत बढ़ गया। प्रतिभागियों ने बताया कि वह हीट डोम के बाद मौसम में परिवर्तन को लेकर बहुत अधिक चिंतित थे। शोधकर्ताओं ने बताया कि अध्ययन में करीब 17 फीसदी लोगों ने माना कि वह हीट डोम को लेकर प्रभावित हुये। एमएचसीपीए के निर्देशक प्रोफेसर किफर कार्ड ने बताया कि हमारा शोध 21वीं सदी की दो सबसे अधिक दबाव वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों (मानसिक स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन) के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की खोज करता है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व रेडियो दिवस | 13 फरवरी

रेडियो की भूमिका को रेखांकित करता है यह दिवस

तेरह फरवरी को प्रतिवर्ष पूरी दुनिया में विश्व रेडियो दिवस मनाया जाता है। विश्व रेडियो दिवस पहली बार वर्ष 2012 में मनाया गया था। एक सामुदायिक श्रव्य माध्यम के रूप में रेडियो की एक निर्विवाद और महत्वपूर्ण भूमिका हमेशा से रही है। शिक्षा के प्रसार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक बहस में रेडियो की भूमिका को रेखांकित करने के लिए ही 'यूनेस्को' (संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा पहली बार वर्ष 2012 में 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाया गया था। फरवरी की 13 तारीख को ही विश्व रेडियो दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि 13 फरवरी सन् 1946 को ही संयुक्त राष्ट्र रेडियो द्वारा अपने रेडियो प्रसारण की शुरुआत की गई थी। अगर रेडियो की पहुंच की बात की जाए तो पूरी दुनिया की पिन्च्यानवे प्रतिशत जनसंख्या तक इसकी पहुंच है। रेडियो की पहुंच दूर-दराज के समुदायों और छोटे-छोटे समूहों तक कम लागत पर पहुंचाने वाला संचार का सबसे सस्ता और सुगम साधन है। आरम्भ में बड़े आकार के लकड़ी के कैबीनेट में संयोजित होने से रेडियो की संवहन क्षमता कम थी मगर सतत् अनुसंधान के बाद जब रेडियो का अवतरण 'ट्रांजिस्टर' के स्वरूप में हुआ तो प्लास्टिक के आसानी से लाने-ले जाने वाले स्वरूप के कारण रेडियो की पहुंच और भी व्यापक हुई और अब तो रेडियो की घर-घर पहुंच मोबाइल और वाई-फाई के जरिए विस्तारित होकर हाथों-हाथ तक पहुंच गई है, जो एक बड़ी सार्वकालिक प्रौद्योगिकी उपलब्धि मानी जाती है।

भारत में रेडियो का हमेशा से गौरवशाली इतिहास रहा है

वर्ष 1936 में भारत में सरकारी 'इम्पीरियल रेडियो ऑफ इंडिया' की शुरुआत हुई थी। देश के आजाद होने के बाद यह प्रसारण 'ऑल इंडिया रेडियो' के नाम से जाना गया जिसे 'आकाशवाणी' भी कहते हैं। देश में वर्ष 1947 में आजादी के बाद आकाशवाणी के पास गिने-चुने रेडियो स्टेशन थे और उसकी पहुंच लगभग ग्यारह प्रतिशत आबादी तक ही थी। वर्तमान समय में इसी आकाशवाणी के पास 200 से ज्यादा रेडियो स्टेशन हैं और उसकी पहुंच लगभग 99.5 फीसदी भारतीयों तक है। सरकार ने वर्ष 2002 में शिक्षण संस्थाओं को कैंपस रेडियो स्टेशन खोलने की अनुमति दी थी और 16 नवम्बर, 2006 को स्वयंसेवी संस्थाओं को रेडियो स्टेशन खोलने की इजाजत सरकार द्वारा दे दी गई थी। जैसा कि देशवासी जानते हैं देश को वर्ष 1947 में जब 15 अगस्त को आजादी मिली तो उस ऐतिहासिक खबर को भी लोगों ने रेडियो पर ही सुनी थी। एक सशक्त श्रव्य माध्यम के रूप में रेडियो का महत्व टेलीविजन के प्रसार के बावजूद यथावत है। सूचना और मनोरंजन के साथ ही शिक्षा के प्रसार का भी यह एक सशक्त माध्यम है और रेडियो केन्द्र का दस्तावेजीकरण का प्रभाग इतना प्रभावी और सम्पूर्ण है कि देश का सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक इतिहास आज तक रेडियो केंन्द्र के 'आर्काइव' में संरक्षित है। देश की विरासत को लेखबद्ध और स्वरबद्ध करने में रेडियो की अहम् भूमिका रही है।

यूनेस्को को श्रेय प्राप्त है इस उपयोगी और प्रेरक आयोजन का

यूनेस्को यानी संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक और संगठन को विश्व रेडियो दिवस के आयोजन का श्रेय प्राप्त है, क्योंकि यूनेस्को ही प्रतिवर्ष विभिन्न ब्रॉडकास्टर्स, संस्थाओं एवं समुदायों के साथ मिलकर विश्व भर में इसका आयोजन करता है। इस दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाता है, जिसमें रेडियो

को सूचना और संचार के माध्यम के अतिरिक्त इसका दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार में भी इसके महत्व को बताया जाता है। यूनेस्को ने 3 नवम्बर, 2011 को यूनेस्को ने 36वीं आमसभा में 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाये जाने की घोषणा की थी। पहला विश्व रेडियो दिवस वर्ष 2012 में 13 फरवरी को मनाया गया था। इसका आयोजन संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्ष 1946 में पहले ब्रॉडकास्ट को भी याद करते हुए किया जाता है। विश्व में रेडियो प्रसारण के विस्तार को संयुक्त राष्ट्र अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम के रूप में भी देखता है और इस माध्यम से हम विश्व शांति के संदेश को भी सहजता से विश्व के इस कोने से उस कोने तक पलक झपकते पहुंचा सकते हैं। सूचनाओं के संवहन में भी रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और सूचनाओं की विश्वसनीयता पर यदि प्राधिकृत सरकारें निगरानी रखें तो समूचे विश्व को सूचना क्रांति से लाभान्वित किया जा सकता है। यूनेस्को ने इस दिशा में कई राष्ट्रों को खासकर तीसरी दुनिया के देशों को अपने दैनिक प्रसारण की अधोसंरचना के विकास सम्बन्धी जरूरतों के लिए सहायता भी प्रदान की है।

ऑनलाइन पढ़ाई में नेटवर्क का उपयुक्त विकल्प बना रेडियो

कोरोना संक्रमण में लॉकडाउन के कारण जब स्कूल-कॉलेज बन्द हो गये थे और इस कारण यहां पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई बाधित हो गई थी तब हालांकि, स्कूल प्रबंधन ने ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था मोबाइल के माध्यम से की थी लेकिन कई क्षेत्रों में नेटवर्क नहीं रहने के कारण बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती थी। ऐसे में केन्द्र सरकार ने दूरदर्शन और रेडियो के माध्यम से पढ़ाई की व्यवस्था की, ताकि छात्र रेडियो के माध्यम से पढ़ सकें।

देश में सुदूरवर्ती गांवों में विकास तो काफी हुआ, लेकिन मोबाइल नेटवर्क न होने से बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित थी। ऐसे में सरकार ने अब रेडियो और दूरदर्शन के माध्यम से पढ़ाई की व्यवस्था की है। यद्यपि नेटवर्क के विकल्प के रूप में रेडियो के साथ टेलीविजन की भी व्यवस्था थी मगर रेडियो की पहुंच टेलीविजन से ज्यादा थी, अतः इसे बेहतर विकल्प माना और रेडियो ने इस आपात स्थिति में अपनी भूमिका का सफलता से निर्वाह कर बच्चों की पढ़ाई के नुकसान को रोका। इतना ही नहीं इस संक्रमण काल में सभी सामुदायिक रेडियो केंद्रों ने भी मनोरंजन की तुलना में पढ़ाई को तरजीह दी।

विश्व रेडियो दिवस पर होता है महिलाओं की स्थिति पर विमर्श

बदलते वक्त के साथ प्रसारण जगत में महिला पेशेवरों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है और अध्ययन बताते हैं कि महिलाएं इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। प्रसारण के प्रतिष्ठापूर्ण पेशे से जुड़ीं इन पेशेवर महिलाओं ने वर्ष 1949 में रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारण से जुड़ी महिलाओं का एक संगठन है आईएडब्ल्यू आरटी (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वूमेन इन रेडियो एण्ड टेलीविजन) इस एक वैश्विक संगठन के सहयोग से अब प्रतिवर्ष विश्व रेडियो दिवस पर प्रसारण में महिलाओं की स्थिति पर भी व्यापक विमर्श होता है। आईएडब्ल्यूआरटी का मिशन महिलाओं के विचारों और मूल्यों को सुनिश्चित करने की पहल को मजबूत करना और मीडिया प्रोग्रामिंग में महिलाओं की भूमिका को सुनिश्चित करना है। यह संगठन संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) के साथ परामर्श की भूमिका का निर्वाह करता है। यह संगठन विश्व रेडियो दिवस पर सम्मेलनों और कार्यान्वयन परियोजनाओं का आयोजन करता है और प्रसारण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को चलाता है और मीडिया संगठनों के साथ सहयोग करता है। यह अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा प्रबंधित किया जाता है, जो कई स्थानीय आयोजनों और सदस्य गतिविधियों के लिए धन की पहल की देखरेख भी करता है। यह संगठन विश्व रेडियो दिवस पर महिला पेशेवरों की स्थिति की समीक्षा भी करता है।

यूनेस्को से आरम्भ हुई थी 'रेडियो उत्सव' की परम्परा

विश्व रेडियो दिवस को विशिष्ट आयोजन बनाने के लिए यूनेस्को ने एक और अभिनव प्रयास 'रेडियो उत्सव' मनाने के रूप में आरम्भ किया। नई दिल्ली में यूनेस्को हाउस में भारत का पहला रेडियो उत्सव गत वर्ष 13 फरवरी, 2018 को आयोजित किया गया। यह संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के साथ साझेदारी में रेडियो और टेलीविजन में महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईएडब्ल्यूआरटी) द्वारा आयोजित किया गया था। रेडियो उत्सव के आयोजन का उद्देश्य रेडियो प्रसारण से जुड़े पेशेवरों, कार्यक्रम प्रसारणकर्ताओं (ब्रॉडकास्टर्स) और अन्य डिजिटल ऑडियो प्रोग्रामर को एक साथ एक मंच पर लाने का है। इसमें विशेषज्ञ पैनल, प्रदर्शनी और लाइव प्रदर्शनों की चर्चा शामिल है। इसकी चर्चा विश्व रेडियो दिवस 2018 के विषय पर आधारित थी 'रेडियो और खेल'। उत्सव में सामाजिक परिवर्तन के लिए एक मंच के रूप में खेल की क्षमता की जांच और खेल प्रसारण को और भी रोचक और प्रतिस्पर्धी बनाना था। रेडियो उत्सव में प्रसारण के दोनों स्वरूप टेलीकॉस्टिंग और ब्रॉडकास्टिंग में अपनाई जा रही नई प्रौद्योगिकीयों पर विमर्श किया जाता है। पहले रेडियो उत्सव की इस सफलता से उत्साहित यूनेस्को ने इस श्रृंखला को आगे भी जारी रखने का निश्चय किया है।

इंटरनेट रेडियो

इंटरनेट रेडियो (जिसे वेब रेडियो, नेट रेडियो, स्ट्रीमिंग रेडियो और ई-रेडियो के नाम से भी जाना जाता है) इंटरनेट के द्वारा प्रसारित एक ध्वनि सेवा है। इंटरनेट पर संगीत की स्ट्रीमिंग को सामान्यतः वेबकास्टिंग कहा जाता है, क्योंकि इसे मोटे तौर पर बेतार की मदद से प्रसारित नहीं किया जाता है। इंटरनेट रेडियो में मीडिया की स्ट्रीमिंग होती है, सुनने वालों को अनवरत ध्वनि का प्रवाह मिलता है जिसे रोका या पुनः बजाया नहीं जा सकता है, ये इस तरह से मांग पर प्रसारित फाइल की प्रस्तुतीकरण की सेवा से भिन्न होता है। इंटरनेट रेडियो पॉडकास्टिंग से भी भिन्न है, जिसमें स्ट्रीमिंग के बजाय डाउनलोडिंग होती है। कई इंटरनेट रेडियो सेवाएं समरूपी पारंपरिक (स्थलीय) रेडियो स्टेशन रेडियो तंत्र से जुड़ी होती हैं। सिर्फ इंटरनेट रेडियो स्टेशन इस तरह के जुड़ावों से स्वतंत्र हैं। सामान्यतः इंटरनेट रेडियो सेवाएं दुनिया में किसी भी स्थान से सुगम हैं। इंटरनेट रेडियो प्रवासियों और उन सुनने वालों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। इंटरनेट रेडियो सेवाएं समाचार, खेल और संगीत की विभिन्न शैलियाँ और हर वो स्वरूप उपलब्ध करवाती हैं, जो पारम्परिक रेडियो स्टेशनों पर उपलब्ध है।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कार्यालय, प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान

(साइन्स हिल्स, मैनिट के पीछे, कोलार-नेहरू रोड, भोपाल 462003)
Website : www.klsgaci.edu.in, E-mail : principal@klsgaci.nic.in
दूरभाष क्र. - 0755-2970310

क्रमांक/2022/योजना/203 भोपाल, दिनांक : 04.02.2022

साइन्टिफिक ऑफिसर, लैब टेक्नीशियन एवं लैब असिस्टेंट हेतु विज्ञापन

पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल (म.प्र.) द्वारा, मेडिसिनल प्लांट्स के ज्ञान का डाक्यूमेन्टेशन प्रोजेक्ट (SISAMP) अंतर्गत रिसर्च कार्य हेतु योग्य अभ्यर्थियों से प्रोजेक्ट अवधि के लिए अनुबंध हेतु निम्नांकित शर्तों के अनुरूप आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र.	पद	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव	अधिकतम आयु	मानदेय	संख्या
1.	साइन्टिफिक ऑफिसर	विधि द्वारा स्थापित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बायोटेक्नोलॉजी/फार्मोकोग्नोसी/फार्मास्युटिकल केमेस्ट्री में स्नातकोत्तर उपाधि। पी.एच.डी. धारी को अधिमानता।	45 वर्ष	45000/-	01
2.	लैब टेक्नीशियन	विधि द्वारा स्थापित किसी मान्यता प्राप्त संस्था/विश्वविद्यालय से बायोटेक्नालॉजी/फार्माकोग्नोसी/फार्मास्युटिकल केमेस्ट्री में स्नातक उपाधि। **वांछनीय** - संबंधित प्रयोगशाला में रिसर्च कार्यानुभव।	45 वर्ष	30000/-	01
3.	लैब असिस्टेन्ट	माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल अथवा किसी बोर्ड से भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान विषय के साथ उच्चतर माध्यमिक (10+2) अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण एवं विधि द्वारा स्थापित किसी मान्यता प्राप्त संस्था/विश्वविद्यालय से लैब टेक्नीशियन डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण एवं मध्यप्रदेश पैरामेडिकल परिषद में रजिस्ट्रीकरण। **वांछनीय** - संबंधित विषय में कार्यानुभव।	45 वर्ष	25000/-	01

नोट :- 1) आवेदन संबंधित प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें, आवेदन प्रपत्र सहित संस्थान की वेबसाइट **www.klsgaci.edu.in** पर उपलब्ध है।
2) आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि :- **22.02.2022**
3) किसी भी प्रकार का संशोधन केवल संस्थान की वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जावेगा।

प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद, महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल
मोबाइल नं. - 9425373046

जी-22395/46598/2022

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जिला उज्जैन (म.प्र.)

कोठी पैलेस, उज्जैन
ई-मेल : dcoujjain@gmail.com

क्रमांक/निर्वा/स्थापना/निविदा/2022/151 उज्जैन, दिनांक : 08.02.2022

संक्षिप्त निविदा सूचना

म.प्र. शासन विधि और विधायी (निर्वाचन) कार्य विभाग, म.प्र. का पत्र फा.नं. 4/1/स्था/2009/विनियां/160-61 दिनांक 07.06.2016 एवं मुनिप का पत्र फा क्र.4/1/स्था./2009/11625 भोपाल दिनांक 21.12.2016 के निर्देशानुसार जिला उज्जैन में जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों के लिए स्थायी रूप से कलेक्टर दर पर आउटसोर्स पर स्वीकृत कुल 32 पदों के लिए मानव संसाधन (आउटसोर्स कर्मी) उपलब्ध कराये जाने संबंधी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा की अंतिम तिथि 24.02.2022 नियत है**। निविदाकार ई-निविदा दिनांक 24.02.2022 के समय प्रातः 11.00 बजे तक निविदा में भाग ले सकता है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्रमांक	टेंडर क्रमांक	जिला	कार्य का विवरण	ईएमडी की राशि	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
01	2022_DC_183627	उज्जैन	जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों के लिए स्थायी रूप से कलेक्टर दर पर आउटसोर्स पर स्वीकृत कुल 32 पदों के लिए मानव संसाधन (आउटसोर्स कर्मी) उपलब्ध कराये जाने संबंधी।	100000/-	01 वर्ष (एक वर्ष)

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। ई-निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 24.02.2022 प्रातः 11.00 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।
निविदा में प्राप्त होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। मूल ई.एम.डी. की राशि एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाइन ही प्राप्त किए जावेंगे।

जी-22459/46609/2022 उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला उज्जैन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड दमोह (म.प्र.)

क्रमांक 416/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खंड दमोह दिनांक : 03.02.2022
निविदा सूचना क्रमांक - 69, 70, 73, 79/2021-22 दिनांक 03.02.2022 प्रकाशन बाबत।

(तृतीय आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से दमोह जिले के विभिन्न विकासखण्डों के अंतर्गत शासकीय स्कूलों/आंगनवाड़ी में पेजयल व्यवस्था कार्य हेतु प्रपत्र "2.10" प्रतिशत दर पर लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में 'सी' अथवा उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित है।

नि.क्र.	ई-नि.क्र.	एन.आई.टी. क्रमांक	ब्लाक का नाम	मात्रा नग में	अनुमा. लागत रु. लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
1.	2021-22_PHED_164284	69/21-22	दमोह 1	1	147.93	147900	12500	1 माह
2.	2021-22_PHED_164286	70/21-22	दमोह 2	1	153.53	153500	12500	1 माह
3.	2021-22_PHED_164289	7321-22	हटा 1	1	63.97	63900	10000	1 माह
4.	2021-22_PHED_164296	79/21-22	जवेरा 1	1	143.13	143100	12500	1 माह

कोरे निविदा प्रपत्र केवल **ऑनलाइन दिनांक 16.02.2022 तक** कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदाएं दिनांक 16.02.2022 को 17.30 बजे तक प्राप्त की जावेगी। प्राप्त समस्त ऑनलाइन सीलबंद निविदाएं दिनांक 18.02.2022 को लिफाफा अ पूर्वान्ह 11.00 बजे एवं वित्तीय बिड दिनांक 18.02.2022 अपरान्ह 13.30 बजे खोली जावेगी। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं विस्तृत जानकारी **http://www.mptenders.gov.in** एवं विभागीय वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर भी उपलब्ध है। निविदा की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने की उपरांत ही कार्यादेश किये जावेंगे। एवं आवश्यकतानुसार कार्य घटाया बढ़ाया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
जी-22472/46606/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खंड दमोह**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय कार्यपालन यंत्री, संभाग-ग्वालियर

माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003
नि.आ.सू. क्र.-07/2021-22/986 भोपाल, दिनांक : 28.01.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-ग्वालियर की ओर से निम्नलिखित जिलों के विभिन्न विकासखण्डों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवनों एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों एवं ड्रग स्टोर से निर्माण कार्यों हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 03 लिफाफा एवं 02 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों एवं ड्रग स्टोर की संख्या	अनुमानित लागत राशि रु. लाख में
1.	2022_DHS_181706	श्योपुर	श्योपुर	01	164.93
2.	2022_DHS_181707	मुरैना	सबलगढ़	01	164.93
3.	2022_DHS_181709	मुरैना	मुरैना	01	164.93
4.	2022_DHS_181710	भिण्ड	रौन	01	164.93
5.	2022_DHS_181711	भिण्ड	रौन	01	164.93
6.	2022_DHS_181712	भिण्ड	अटेर	01	164.93
7.	2022_DHS_181713	शिवपुरी	शिवपुरी	01	164.93
8.	2022_DHS_181714	दतिया	दतिया	01	164.93
9.	2022_DHS_181715	अशोकनगर	अशोकनगर	01	164.93
10.	2022_DHS_181716	गुना	गुना	01	165.60
11.	2022_DHS_181717	दतिया	दतिया	03	131.64
12.	2022_DHS_181718	ग्वालियर	मुरार	01	37.84
13.	2022_DHS_181720	मुरैना	सबलगढ़	01	37.84
14.	2022DHS_181721	मुरैना	नूराबाद	01	37.84
15.	2022_DHS_181722	भिण्ड	अटेर	01	37.84
16.	2022_DHS_181724	शिवपुरी	पोहरी	01	37.84
17.	2022_DHS_181725	गुना	बीनागंज	02	75.68

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 01.02.2022 से 17.02.2022 समय 17.30 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-22385/46599/2022 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-ग्वालियर**

शासकीय स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय रतलाम
द्वारा संचालित पैरामेडिकल पाठ्यक्रम

कार्यालय दूरभाष नंबर :- 07412-284226, ईमेल - deanratlam@gmail.com,
वेबसाइट - www.gmcratlam.org
सैलाना रोड, ग्राम बंजली, रतलाम (म.प्र.) 457001

क्रमांक/1818/जी.एम.सी./2022 रतलाम, दिनांक : 08.02.2022

विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में (अंतरिम) प्रवेश हेतु विज्ञापन वर्ष 2021-22

शासकीय स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय, रतलाम के अंतर्गत सत्र 2021-22 के लिए विभिन्न स्ववित्तीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदक को 12वीं (10+2) परीक्षा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्था से बायोलॉजी/बायोटेक्नोलॉजी व्यावसायिक पाठ्यक्रम विषय से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्र, बायोलॉजी विषयों में प्राप्त अंकों की मैरिट (प्रावीण्य सूची) के आधार पर दिए जाएंगे। आवेदक की उम्र 31 दिसंबर 2021 की स्थिति में 17 वर्ष से अधिक एवं 25 वर्ष से कम होनी चाहिए। पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी विवरणिका में उपलब्ध होगी।
विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट	पाठ्यक्रम अवधि	उपलब्ध सीट
1.	बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नीशियन	डिग्री	03 वर्ष	20
2.	मेडिकल लैब टेक्नीशियन	डिप्लोमा	02 वर्ष	20
3.	ऑप्टोमेट्रिस्ट रिफ्रेक्शन	डिप्लोमा	02 वर्ष	10
4.	एनेस्थीसिया टेक्नीशियन	सर्टिफिकेट	01 वर्ष	10
5.	ओ.टी. टेक्नीशियन	सर्टिफिकेट	01 वर्ष	10
6.	ऑर्थो टेक्नीशियन	सर्टिफिकेट	01 वर्ष	10
7.	हेल्थ इन्सपेक्टर	सर्टिफिकेट	01 वर्ष	10
8.	सायटो टेक्नीशियन	सर्टिफिकेट	01 वर्ष	05
	कुल सीटों की संख्या			**95**

उपरोक्त पाठ्यक्रमों में उपलब्ध सीटों पर आरक्षण का लाभ म.प्र. शासन के नियमानुसार (केवल म.प्र. के मूल निवासी को ही देय होगी)। प्रत्येक वर्ग में क्षैतिज रूप से 33 प्रतिशत सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होगी। पाठ्यक्रमों हेतु उपलब्ध सीटों में आरक्षित श्रेणीयों के आवेदकों हेतु अनुसूचित जनजाति-20 प्रतिशत, अनुसूचित जाति-16 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग-27 प्रतिशत, EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग)-10 प्रतिशत सीट आरक्षित है। ऐसे दिव्यांग अभ्यर्थी, जो मध्यप्रदेश राज्य के स्थानीय निवासी हैं, उनके लिए तीन प्रतिशत (3%) सीट नियमानुसार आरक्षित हैं। यह आरक्षण क्षैतिज (हॉरिजोन्टल) होगा। नियमित सेवारत शासकीय कर्मचारियों को पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 10 प्रतिशत सीट आरक्षित रहेगी।
उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विस्तृत प्रवेश विवरणिका मय आवेदन पत्र शासकीय स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय, रतलाम की वेबसाइट **www.gmcratlam.org** पर दिनांक 08.02.2022 से उपलब्ध होंगे। प्रवेश एवं काउंसलिंग से संबंधित समस्त जानकारी का अवलोकन समय-समय पर कॉलेज की वेबसाइट www.gmcratlam.org पर उपलब्ध रहेगा। पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन पत्र मय संलग्नकों के एवं देय शुल्क राशि रुपये 500/- (सामान्य वर्ग) एवं रुपये 300/- (आरक्षित वर्ग) डिमांड ड्राफ्ट जमा कर डिमाण्ड ड्राफ्ट की मूल प्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। डिमाण्ड ड्राफ्ट New Government Medical college Autonomous Society Ratlam के नाम जो की State Bank of India Government Medical college Ratlam Branch IFSC Code - SBIN0061542 में देय होगा। बैंक डिमाण्ड ड्राफ्ट की मूल प्रति संलग्न नहीं होने पर आवेदन-पत्र निरस्त कर दिया जावेगा। **आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18 फरवरी 2022, सायं 05.00 बजे तक निर्धारित है**, उक्त समयावधि पश्चात आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

नोट :-
1. वरीयता सूची एवं काउंसलिंग कार्यक्रम की जानकारी विवरणिका में उपलब्ध रहेगी।
2. उपरोक्त पाठ्यक्रम में से किसी भी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या कम ज्यादा का अधिकार संस्था का रहेगा।
3. यदि अपरिहार्य कारणों से काउंसलिंग की तिथियां परिवर्तित/स्थगित होती है तो उसकी सूचना वेबसाइट/महाविद्यालय केनोटिस बोर्ड पर उपलब्ध रहेगी।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जी-22460/46608/2022 **शा.स्व. चिकित्सा महाविद्यालय रतलाम (म.प्र.)**

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल द्वारा संचालित
विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश वर्ष 2021-22

क्रमांक 6146/एम.सी./पेरा/22 **भोपाल, दिनांक : 10.02.2022**

(डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट)

स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों **डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट** हेतु निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

वर्ष 2021-22 के लिये विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रम

स.क्र.	विभाग का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	डिप्लोमा/सर्टिफिकेट	अवधि
1.	रेस्पीरेटरी मेडिसिन	बैचलर ऑफ रेस्पीरेटरी थेरापिस्ट	डिग्री	3 वर्ष
2.	रेस्पीरेटरी मेडिसिन	डिप्लोमा पी.एफ.टी. टेक्नीशियन	डिप्लोमा	2 वर्ष
3.	पैथालॉजी	मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नीशियन	डिप्लोमा	2 वर्ष
4.	कार्डियोलॉजी	केथ लैब टेक्नीशियन	डिप्लोमा	2 वर्ष
5.	रेडियोडायग्नोसिस	एक्स-रे रेडियोग्राफर टेक्नीशियन	डिप्लोमा	2 वर्ष
6.	ओप्थेल्मोलाजी	पैरामेडिकल ओप्थेल्मोलाजी असिस्टेन्ट	डिप्लोमा	2 वर्ष
7.	मेडिसिन	डायलेसिस टेक्नीशियन	डिप्लोमा	2 वर्ष
8.*	कार्डियोथेरेसिक सर्जरी	पी.जी. डिप्लोमा इन परफ्यूजनिस्ट टेक्नोलाजी	डिप्लोमा	2 वर्ष
9.	रेडियोडायग्नोसिस	एक्स-रे रेडियोग्राफर टेक्नीशियन	सर्टिफिकेट	1 वर्ष
10.	सर्जरी	ओ.टी. टेक्नीशियन	सर्टिफिकेट	1 वर्ष
11.	पी.एस.एम.	हेल्थ इन्सपेक्टर	सर्टिफिकेट	1 वर्ष

आवेदन पत्र पाठ्यक्रम पुस्तिका के साथ रु. 500/- नगद कैश काउन्टर पर जमा करवाकर अथवा 500/- रुपये का बैंक ड्राफ्ट **मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल** के नाम से देय तथा साथ में स्वयं का पता लिखा लिफाफा (30x12cm) जिसमें 50/- रुपये का डाक टिकिट लगा हो (स्पीड पोस्ट हेतु) भेजकर प्राप्त किया जा सकता है।

आवेदन पत्र दिनांक 15.02.2022 से 21.02.2022 तक बिना विलंब शुल्क के साथ प्राप्त एवं जमा किये जा सकते हैं तथा दिनांक 22.02.2022 से दिनांक 24.02.2022 तक रु. 300/- विलंब शुल्क के साथ कार्यालय समय में प्राप्त एवं जमा कर सकते हैं।

आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों की स्वप्रमाणित छायाप्रति के **साथ जमा करने की अंतिम तिथि 24.02.2022 सायं 5.00 बजे तक** तथा विलंब शुल्क 300/- रुपये सहित दिनांक 25.02.2022 तक सायं 5.00 बजे तक जमा कर सकते हैं।

उक्त जानकारी गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल की वेबसाइट **www.gmcbhopal.net.** पर उपलब्ध है।

***नोट** :- परफ्यूजनिस्ट कार्डियक सर्जरी टेक्नीशियन के लिये पृथक से आवेदन फार्म भरना अनिवार्य है। (पी.जी. डिप्लोमा)

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जी-22526/46613/2022 **गांधी चिकित्सा महाविद्याल, भोपाल**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

PHONE No. 07162-243214, E-mail : pwdpiu12cwa@gmail.com

एनआईटी नं. - 04/2022/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/पी.आई.यू./व.ले.लि. **छिन्दवाड़ा, दिनांक : 01.02.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. तहसील विछुआ, जिला छिन्दवाड़ा में विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत शास. डिग्री महाविद्यालय में बिस्तारीकरण नवीनीकरण एवं वैरियर फ्री निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी।	90 प्रतिशत अविवादित एम. ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2022_PWPIU_182615_1	छिन्दवाड़ा	407.50	407500/-	15000/-	14 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. छिन्दवाड़ा के अंतर्गत परफारमेंस गारंटी के अंतर्गत जोनल निविदा बावत्। (चतुर्थ आमंत्रण)

2022_PWPIU_182617_1	छिन्दवाड़ा	90.00	90000/-	10000/-	12 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. जिला छिन्दवाड़ा में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 03 नग प्रयोगशाला का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_182776_1	छिन्दवाड़ा	83.55	83550/-	10000/-	10 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास डुंगरिया/जुन्नारदेव भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183003_1	छिन्दवाड़ा	607.80	607800/-	20000/-	16 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास चांवलपानी/झिरपा भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183004_1	छिन्दवाड़ा	597.59	597590/-	20000/-	16 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास रातामाटी/बटकाखापा भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183006_1	छिन्दवाड़ा	605.11	605110/-	20000/-	16 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास कुण्डा/छिन्दवाड़ा/मुजावर (मोरडोंगरी) भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183007_1	छिन्दवाड़ा	1184.23	1184230/-	30000/-	24 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 03.02.2022 समय 09.00 से दिनांक 18.02.2022 समय 18.00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजा यंत्री
जी-22471/46607/2022 **लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. छिन्दवाड़ा**

कार्यालय संभागीय संयुक्त
संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग, सागर संभाग सागर

क्र./451/म.बा.वि./2021-22 **सागर, दिनांक : 8.02.2022**

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पद हेतु विज्ञापन

सागर संभाग में संचालित एकीकृत बाल विकास परियोजनाओं में 79 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, 143 आंगनवाड़ी सहायिकाओं एवं 04 मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पूर्णतः अस्थाई एवं मानदेय आधारित पदों के लिये पात्र महिला अभ्यर्थियों से निम्नानुसार आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र.	जिला का नाम	परियोजना का नाम	आं.वा. कार्यकर्ता के रिक्त पदों की संख्या	आं.वा. सहायिका के रिक्त पदों की संख्या	मिनी आं.वा. कार्यकर्ता के रिक्त पदों की संख्या
1.	दमोह	दमोह ग्रामीण	0	2	0
		हटा	7	2	0
		पटेरा	0	6	0
		पथरिया	2	2	0
		बटियागढ़	0	3	0
		जबेरा	1	3	0
		तेन्दूखेड़ा	0	2	0
		योग :-	**10**	**20**	**0**
2.	पन्ना	पन्ना शहरी	0	1	0
		पन्ना ग्रामीण	2	4	0
		पवई	5	2	1
		गुन्नौर	7	2	0
		शाहनगर	0	2	0
		अजयगढ़	0	7	0
		योग :-	**14**	**18**	**1**
3.	सागर	सागर शहरी 1	2	3	0
		सागर शहरी 2	0	2	0
		सागर ग्रामीण 1	2	6	0
		सागर ग्रामीण 2	1	2	0
		बीना शहरी	0	1	0
		बीना ग्रामीण	0	5	0
		देवरी	1	4	0
		केसली	2	2	0
		गढ़ाकोटा	0	4	0
		मालथौन	2	4	0
		राहतगढ़	0	0	1
		खुरई	5	9	0
		रहली	0	3	0
		शाहगढ़	2	2	0
		जैसीनगर	2	12	1
		बण्डा	2	5	0
		योग :-	**29**	**71**	**2**
4.	टीकमगढ़	टीकमगढ़ शहरी	1	0	0
		टीकमगढ़ ग्रामीण	1	1	0
		पलेरा	3	6	0
		जतारा 1	1	2	0
		जतारा 2	1	2	0
		योग :-	**7**	**11**	**0**
5.	निवाड़ी	निवाड़ी	3	2	0
		पृथ्वीपुर	5	4	0
		योग :-	**8**	**6**	**0**
6.	छतरपुर	छतरपुर शहरी	0	1	0
		छतरपुर ग्रामीण	3	2	0
		ईसानगर 2	1	2	0
		विजावर	0	2	0
		बक्स्वाहा	0	0	1
		नौगांव 2	2	2	0
		राजनगर 1	1	2	0
		बड़ामलहरा 1	1	1	0
		बड़ामलहरा 2	1	2	0
		गौरीहार	2	3	0
		योग :-	**11**	**17**	**1**

उपरोक्त चार्ट अनुसार आंगनवाड़ी केन्द्रों की नामवार एवं नियम, निर्देश, शर्तें आवेदन का प्रारूप एवं अन्य अर्हतायें संबंधित जिला कार्यालय एवं संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। जिस ग्राम/वार्ड में रिक्त पद की पूर्ति हेतु विज्ञप्ति जारी की गई है, आवेदिका ग्रामीण क्षेत्र में उसी राजस्व ग्राम, शहरी क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होना चाहिये, संबंधित महिला आवेदक अपने पूर्णतः भरे आवेदन पत्र मय आवश्यक सहपत्रों सहित संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में **कार्यालयीन दिवस एवं समय में दिनांक 25.02.2022 तक जमा कर** निर्धारित प्रारूप में प्राप्ति अभिस्वीकृत प्राप्त कर सकते हैं।

संभागीय संयुक्त संचालक
जी-22530/46614/2022 **महिला एवं बाल विकास सागर संभाग सागर**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी (म.प्र.)

एनआईटी नं.-04/2022/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/ **जबलपुर, दिनांक : 01.02.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. जिला मुख्यालय डिण्डौरी में नवीन सीनियर बालक, विशेष पिछड़ी जनजाति कन्या एवं विशेष पिछड़ी जनजाति बालक छात्रावास भवनों का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2022_PWPIU_18313_1	डिण्डौरी	931.68	931680/-	20000/-	18 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. ग्राम किसलपुरी वि.ख. अमरपुर जिला डिण्डौरी में सीनियर बालक छात्रावास एवं ग्राम बोंदर वि.ख. बजाग जिला डिण्डौरी में सीनियर कन्या छात्रावास भवनों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183316_1	डिण्डौरी	664.37	664370/-	20000/-	16 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. ग्राम गोपालपुर वि.ख. करंजिया जिला डिण्डौरी में विशेष पिछड़ी जनजाति बालक एवं कन्या छात्रावास भवनों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183319_1	डिण्डौरी	660.41	660410/-	20000/-	18 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. मेंहदवानी वि.ख. मेंहदवानी जिला डिण्डौरी में उत्कृष्ट बालक छात्रावास भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183321_1	डिण्डौरी	330.33	330330/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. ग्राम खरगहना वि.ख. बजाग जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183324_1	डिण्डौरी	453.84	453840/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. ग्राम सिधौली मोहगांव वि.ख. अमरपुर जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183327_1	डिण्डौरी	407.79	407790/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. ग्राम सक्का वि.ख. अमरपुर जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183330_1	डिण्डौरी	384.89	384890/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 8. ग्राम कमकोमोहनिया वि.ख. अमरपुर जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183332_1	डिण्डौरी	412.55	412550/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 9. ग्राम बटौंधा वि.ख. डिण्डौरी जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183333_1	डिण्डौरी	411.49	411490/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 10. ग्राम धुर्रा वि.ख. डिण्डौरी जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183335_1	डिण्डौरी	407.29	407290/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 11. ग्राम नेवसा पोड़ी वि.ख. डिण्डौरी जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य।

2022_PWPIU_183336_1	डिण्डौरी	394.60	394600/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 12. ग्राम रयपुरा वि.ख. डिण्डौरी जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183337_1	डिण्डौरी	392.44	392440/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 13. ग्राम विक्रमपुर वि.ख. डिण्डौरी जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183338_1	डिण्डौरी	381.66	381660/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 14. ग्राम अझवार वि.ख. डिण्डौरी जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183339_1	डिण्डौरी	365.27	365270/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 15. ग्राम शाहपुर वि.ख. डिण्डौरी जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183341_1	डिण्डौरी	355.40	355400/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 16. ग्राम किसलपुरी वि.ख. अमरपुर जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183343_1	डिण्डौरी	361.58	361580/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 17. ग्राम मेढ़ाखार वि.ख. करंजिया जिला डिण्डौरी में नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183344_1	डिण्डौरी	396.60	396600/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 18. ग्राम मौहतरा वि.ख. करंजिया जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183360_1	डिण्डौरी	243.52	243520/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 19. ग्राम सैलवार वि.ख. बजाग जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183361_1	डिण्डौरी	242.26	242260/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 20. ग्राम पण्डरपानी वि.ख. करंजिया जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यलाय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183362_1	डिण्डौरी	241.70	241700/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 21. ग्राम सारसडोली वि.ख. मेंहदवानी जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183363_1	डिण्डौरी	233.22	233220/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 22. ग्राम कनेरी वि.ख. मेंहदवानी जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183366_1	डिण्डौरी	234.94	234940/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 23. ग्राम रयपुरा वि.ख. शहपुरा जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183367_1	डिण्डौरी	238.61	238610/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 24. ग्राम मझगाव वि.ख. समनापुर जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड दमोह (म.प्र.)

क्रमांक 417/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खंड दमोह **दिनांक : 03.02.2022**

निविदा सूचना क्रमांक - 95, 97, 98, 99/2020-21 दिनांक 03.02.2022 प्रकाशन बाबत्।

(द्वितीय आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से दमोह जिले के विभिन्न विकासखण्डों में पेयजल व्यवस्था कार्य के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के नलकूपों पर स्थापित हैंड पम्पों के संधारण कार्य हेतु प्रपत्र "2.10" प्रतिशत दर पर, लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में "सी" अथवा उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित है।

नि. क्र.	ई-नि.क्र.	एन.आई.टी. क्रमांक	ग्राम का नाम	मात्रा नग में		अनुमानित लागत रु. लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
				मेजर	माइनर				
1.	2021-22_PHED_168359	95/20-21	दमोह	1417	608	17.77	36000	5000/-	12 माह
2.	2021-22_PHED_168366	97/20-21	हटा	1081	270	14.19	28000	2000/-	12 माह
3.	2021-22_PHED_168368	98/20-21	पटेरा	1135	284	14.90	30000	2000/-	12 माह
4.	2021-22_PHED_168372	99/20-21	बटियागढ़	970	243	12.74	25000	2000/-	12 माह

कोरे निविदा प्रपत्र केवल **ऑनलाइन दिनांक 16.02.2022 तक** कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदाएं दिनांक 16.02.2022 को 17.30 बजे तक प्राप्त की जावेगी। प्राप्त समस्त ऑनलाइन सीलबंद निविदाएं दिनांक 18.02.2022 को लिफाफा अ पूर्वान्ह 11.00 बजे एवं वित्तीय बिड दिनांक 18.02.2022 अपरान्ह 13.30 बजे खोली जावेगी। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं विस्तृत जानकारी **http://www.mptenders.gov.in** एवं विभागीय वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर भी उपलब्ध है।

निविदा की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के उपरांत ही कार्यादेश किये जावेंगे एवं आवश्यकतानुसार कार्य घटाया बढ़ाया जा सकता हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-22497/46610/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खंड दमोह**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.1 जबलपुर

निविदा सूचना क्र. 26 वर्ष 2021-22 एसएसी **जबलपुर, दिनांक : 07.02.2022**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों की निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. रानी दुर्गावती चिकित्सालय जबलपुर में 12 बिस्तर वाले आई.सी.यू./एच.डी.यू. वार्ड का निर्माण कार्य।

ई-टेण्डर क्रमांक	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ईएमडी टेण्डर फीस एवं निविदा से संबंधित अन्य अभिलेख जमा करने हेतु
2022_PWDRBBR_181390_1	द्वितीय	44.77	50000/-	5000/-	3 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. रानी दुर्गावती चिकित्सालय जबलपुर में डेडिकेटेड बच्चा वार्ड (12 बिस्तर हाईब्रिड आई.सी.यू./एच.डी.यू.) वार्ड का निर्माण कार्य।

2022_PWDRBBR_181391_1	द्वितीय	71.79	71790/-	10000/-	3 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
कुल योग -		**116.56**				

टीप :- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने की **प्रारंभिक तिथि 07.02.2022, 10.30 से अंतिम तिथि 14.02.2022, 17.30 बजे तक** है। अन्य तिथियां एवं विस्तृत विवरण व संशोधन ऑनलाइन वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा। संशोधन सूचना कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-22490/46611/2022 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.1 जबलपुर**

2022_PWPIU_183368_1	डिण्डौरी	235.07	235070/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 25. ग्राम सरई वि.ख. समनापुर जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183369_1	डिण्डौरी	236.43	236430/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 26. ग्राम चौबीसा वि.ख. मेंहदवानी जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183370_1	डिण्डौरी	235.07	235070/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 27. ग्राम कठौतिया वि.ख. मेंहदवानी जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 12 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183372_1	डिण्डौरी	246.60	246600/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 28. ग्राम गौराकन्हारी वि.ख. समनापुर जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIUU_183373_1	डिण्डौरी	236.07	236070/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 29. ग्राम कोहानीदेवरी वि.ख. शहपुरा जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183374_1	डिण्डौरी	237.52	237520/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 30. ग्राम गुतलवाह वि.ख. शहपुरा जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183375_1	डिण्डौरी	236.70	236700/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 31. ग्राम झगरहटा वि.ख. शहपुरा जिला डिण्डौरी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 10 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2022_PWPIU_183376_1	डिण्डौरी	236.50	236500/-	15000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mpeproc.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 08.02.2022 समय 09.00 से दिनांक 22.02.2022 समय 18.00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-22486/46612/2022 **लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.) डिण्डौरी, (म.प्र.)**

कार्यालय अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम् मण्डल होशंगाबाद

Office Email ID : seresnarmda@mp.gov.in, Office Phone No. : 07574-250166

क्र. 114/निविदा/ग्रायांसे/2022 होशंगाबाद, दिनांक : 01.02.2022

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 05/2021-22 (प्रथम आमंत्रण)

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से ऑनलाइन मोहरबंद प्रतिशत दर पर निविदायें फार्म "ए" (Appendix 2.10) पर ग्रायांसे संभाग बैतूल जिला बैतूल की म.प्र. लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत सी श्रेणी ठेकेदारों से 2 कवर पद्धति से **ग्रायांसे में प्रचलित एस.ओ.आर. दिनांक 04.01.2019 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) दर** के आधार पर अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम मंडल होशंगाबाद के कार्यालय में ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निविदा की अनु. लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित (माह में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	2022_RES_181132	वेयर हाउस निर्माण कार्य, ग्राम-कुण्डी, ग्राम पंचायत-कुण्डी, वि.ख.-शाहपुर, जिला बैतूल	4007161/-	50000/-	06 माह	5000/-
	योग -		4007161/-	शब्दों में चालीस लाख सात हजार एक सौ इकसठ रुपये मात्र		

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रण की निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की जाती हैं :-

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1.	निविदा ऑनलाइन प्रकाशित होने की तिथि	07.02.2022	17:30
2.	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभिक तिथि	09.02.2022	17:30
3.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	10.02.2022	17:30
4.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	17.02.2022	13:30
5.	ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि	18.02.2022	13:30

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन प्रकाशित एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाऐंगे। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

अधीक्षण यंत्री

जी-22340/46596/2022 ग्रामीण विकास सेवा नर्मदापुरम् मण्डल होशंगाबाद

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, संभाग-जबलपुर

द्वितीय तल सतपुड़ा भवन भोपाल
भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू. क्र.-06/2021-22/577 भोपाल, दिनांक : 02.02.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग- जबलपुर की ओर से निम्नलिखित जिलों में विभिन्न उपस्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवनों के निर्माण कार्य हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) 02 लिफाफा एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा क्रमांक 2021_DHS_	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	उपस्वास्थ्य केन्द्र/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्य की संख्या	अनुमानित लागत राशि रु. लाख में
1.	2022_DHS_182591	जबलपुर	पनागर एवं सीहोरा	02	75.68
2.	2022_DHS_182596	सिवनी	गोपालगंज	01	37.83
3.	2022_DHS_182597	छिन्दवाड़ा	पांढूर्ना एवं परासिया	02	75.68
4.	2022_DHS_182598	बालाघाट	बैहर एवं खैरलांजी	02	75.68
5.	2022_DHS_182599	मण्डला	विछिया	01	37.83
6.	2022_DHS_182600	कटनी	बड़वारा एवं विजयराघौगढ़ एवं ढीमरखेड़ा	03	113.52
7.	2022_DHS_182601	कटनी	बड़वारा	01	164.92
8.	2022_DHS_182602	कटनी	ढीमरखेड़ा	01	164.92
9.	2022_DHS_182603	मण्डला	मण्डला	01	164.92
10.	2022_DHS_182604	सिवनी	धनौरा	01	164.92
11.	2022_DHS_182605	बालाघाट	परसवाड़ा	01	164.92
12.	2022_DHS_182606	छिन्दवाड़ा	हरई	01	164.92
13.	2022_DHS_182607	डिण्डोरी	मेहदवानी	01	164.92
14.	2022_DHS_182608	जबलपुर	जिला चिकित्सालय विक्टोरिया जबलपुर	01	104.95

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 07.02.2022 प्रातः 10:30 से 21.02.2022 समय 17:30 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-22436/46605/2022 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-जबलपुर

स्कूल शिक्षा विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (म.प्र.)
राज्य शिक्षा केन्द्र

पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95, फैक्स : 2552363, 2760561

पत्र क्रं./राशिके/NTSE/NMMSS/2022/445 भोपाल, दिनांक 04.02.2022

राष्ट्रीय मीन्स कम मैरिट छात्रवृत्ति योजना परीक्षा के आवेदन हेतु अंतिम तिथि 15.02.2022 तिथि संशोधन

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना परीक्षा संबंधी पूर्व विज्ञापन क्रमांक/राशिके/NTSE-NMMSS/2021/26 भोपाल दिनांक 05.01.2022 के विज्ञापन (जी-20996) में उल्लेखित "**आवेदन पत्र भरने हेतु अंतिम तिथि 05.02.2022 से आगे" बढ़ाकर 15.02.2022 की गई है। उक्त परीक्षा के संबंध में राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना परीक्षा की तिथि 20.03.2022 रहेगी।**

शेष अन्य जानकारियां पूर्ववत रहेंगी।

अपर मिशन संचालक

जी-22403/46597/2022 राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय कार्यपालन यंत्री, संभाग-इंदौर

माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू. क्र.-10/2021-22/1111 भोपाल, दिनांक : 01.02.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग- इंदौर के जिलों में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों निर्माण कार्य एवं 06 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के निर्माण/उन्नयन कार्य हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 02 एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र की संख्या	अनुमानित लागत राशि रु. लाख में	समय-सीमा (वर्षा ऋतु सहित)
2022_DHS_179444	इंदौर	मउ, इंदौर एवं मानपुर	3	240.61	12 माह
2022_DHS_179445	धार	बदनावर	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179446	धार	बाकानेर, बाग एवं मनावर	3	113.52	12 माह
2022_DHS_179447	खरगोन	खरगोन, महेश्वर एवं बड़वाह	3	113.52	12 माह
2022_DHS_179448	अलीराजपुर	कट्ठीवाड़ा	1	37.84	04 माह
2022_DHS_179449	अलीराजपुर	उदयगढ़	1	37.84	04 माह
2022_DHS_179450	बुरहानपुर	बुरहानपुर	1	37.84	04 माह
2022_DHS_179604	झाबुआ	मेघनगर एवं पेटलावद	2	75.68	04 माह

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 22.02.2022 समय 17:30 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-22435/46604/2022 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-इंदौर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कार्यालय कार्यपालन यंत्री, संभाग-इंदौर

माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू. क्र.-09/2021-22/1115 भोपाल, दिनांक : 01.02.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग- इंदौर के जिलों में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों मय सीएचओ आवास सहित निर्माण कार्य एवं 06 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के निर्माण/उन्नयन कार्य हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 02 एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र की संख्या	अनुमानित लागत राशि रु. लाख में	समय-सीमा (वर्षा ऋतु सहित)
2022_DHS_179434	इंदौर	हातोद (इंदौर)	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179435	खण्डवा	खण्डवा	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179436	धार	तिरला	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179437	झाबुआ	झाबुआ	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179438	अलीराजपुर	कट्ठीवाड़ा	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179439	खरगोन	भिकनगांव	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179440	बुरहानपुर	बुरहानपुर	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179441	बड़वानी	ठीकरी	1	164.93	12 माह
2022_DHS_179442	धार	धरमपुरी	1	43.88	06 माह
2022_DHS_179443	बुरहानपुर	खकनार	1	43.88	06 माह
2022_DHS_179601	इंदौर	सांवेर	1	43.88	06 माह
2022_DHS_179602	बड़वानी	पाटी एवं सेंधवा	2	87.76	09 माह
2022_DHS_179603	खण्डवा	पंधाना एवं छेगांवमाखन	2	87.76	09 माह

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.02.2022 समय 17:30 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री

जी-22434/46603/2022 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-इंदौर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED OFFICE

इंदिरा गांधी मार्ग, साऊथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन : 482001
फोन एवं फैक्स नं. : 0761-2622333, ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 16/व.ले.लि./2021-22 जबलपुर, दिनांक : 04.02.2022

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. - 16

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

स. क्र.	टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
01.	2022_PWDRB_182912	सिविल अस्पताल सिहोरा में पी.आई.सी.यू. हेतु अतिरिक्त वॉर्ड/उन्नयन के सिविल एवं विद्युतीकरण कार्य।	द्वितीय	150.44 लाख	151000/-	12500/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
02.	2022_PWDRB_182913	सिविल हॉस्पिटल शहपुरा में 12 बिस्तर आई.सी.यू./एच.डी.यू. का निर्माण/उन्नयन कार्य।	द्वितीय	44.77 लाख	45000/-	5000/-	02 माह (वर्षा ऋतु सहित)
03.	2022_PWDRB_182914	सिविल हॉस्पिटल सिहोरा में 12 बिस्तर आई.सी.यू./एच.डी.यू. का निर्माण/उन्नयन कार्य।	द्वितीय	44.77 लाख	45000/-	5000/-	02 माह (वर्षा ऋतु सहित)
04.	2022_PWDRB_182915	सिविल हॉस्पिटल पाटन में 12 बिस्तर आई.सी.यू./एच.डी.यू. का निर्माण/उन्नयन कार्य।	द्वितीय	44.77 लाख	45000/-	5000/-	02 माह (वर्षा ऋतु सहित)

टीप : (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा ऑनलाइन अपलोड करने की **तिथि दिनांक 09.02.2022 समय 10:30 से दिनांक 16.02.2022 समय 17:30 बजे तक** है। इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जावेंगे। (2) अन्य विस्तृत विवरण एवं संशोधन ऑनलाइन पोर्टल पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-22423/46602/2022 लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर

Shri Gujarati Samaj, Indore
1, Nasia Road, Indore Ph. 0731-2706468, 2703447

Shri Gujarati Samaj B.Ed. College
(Affiliated to DAVV & Recognized by NCTE)
1, Nasia Road, INDORE Ph.: 0731-2702691, 78281-55170
E-mail: gujarati_bed_college@yahoo.co.in

REQUIRED

Professor /Associate Professor / Assistant Professor
Perspectives in Education and Pedagogy subjects
M.A/ M.Sc./ M.Com + M.Ed. + Ph.D/ NET

Health & Physical Education
M.P.Ed.

Qualifications : As per NCTE, UGC & DAVV Norms.
Salary : As per Shri Gujarati Samaj norms.
Appointment will be made under College Code-28

Application completed in all respect along with all the necessary documents and with two passport size photographs should reach to Shri Gujarati Samaj Office / College Office within 10 days from the date of publication of this advertisement, in Newspaper between 11:00 am to 2:00 pm. Incomplete application will not be considered.

Shri Pankajbhai Sanghvi — Hon. General Secretary
Shri Amitbhai Dave — Chairman - Education Board
Shri Deepakbhai R.Soni — Chairman - Governing Body
Dr. (Mrs.) Kiran Dammani — Principal

VIGILANCE

R-46615/2022

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.
Block-IInd 5th Floor, Paryavas Bhawan Bhopal (M.P.) - 462 011

NOTICE INVITING BIDs FOR DPR PREPARATION
(E-Procurement Notice)

No./2241 /22/D-12/DPR-Cons./PMGSY-III/MPRRDA/22
Bhopal, Date : 09.02.2022

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR of rural roads/ Bridge under PMGSY-III as per details given below;

- **District – 1 Narsinghpur**
  Total - Length-18.00 km.

1. Last date for Bid Submission is **23.02.2022 upto 17:30 hrs.**
2. Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT, Tender Document for preparation of DPR of Roads/Bridges under PMGSY-III Sep. 2019 amended upto date available on E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/103609/46623/2022 **(Tender)**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/73 /पयं/भोपाल-02/तशा/2022 भोपाल, दि. : 10.02.2022

प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्दपुरा जिला भोपाल में 100 बिस्तर नवीन अस्पताल का निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-11/2021-22 ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No-2022_MPPHC_184152_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 04.03.2022 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103627/46624/2022 **परियोजना यंत्री**

VIKRANT GROUP OF INSTITUTIONS, INDORE
Behind Veterinary College, A.B. Road Borakhedi, Mhow (Indore)
Call: **9131089055, 8889995933**, Mail : info@vitmindore.com

APPOINTMENTS
RECRUITMENT FOR FACULTY POSITION
DIRECTOR, PRINCIPAL, PROFESSOR, LIBRARIAN ASSOCIATE PROFESSOR, ASSISTANT PROFESSOR

for the Department of Engineering and Management are required immediately in the department of **CS/ CE/ ME/ EC/ EX/ FT/ MATHS and BBA / BCA/ B.Com/ MBA / PGDM**

Interested candidates may send their applications on the above address. A soft copy on mail will be acceptable. Last date of receipt of application is ***20th February, 2022.***

The recruitment will be as per provisions of para 21(1) of statue no college **CODE 30** as per RGPV and College **CODE 28** as per DAVV

-Principal

ELIGIBILITY AS per ACITE/ UGC NORMS

R-46616/2022

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड
26, किसान भवन अरेरा हिल्स जेल रोड, भोपाल
क्र./म.बो./प्रोजेक्ट सेल/2021-22/245 भोपाल, दिनांक : 08.02.2022

परामर्शदाता/यंग प्रोफेशनल हेतु अवसर

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड में परामर्शदाताओं/यंग प्रोफेशनलों का नियोजन किया जाना है।

आवेदन का प्रारूप पात्रता का मापदण्ड, नियम एवं शर्तों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.mpmandiboard.gov.in** का अवलोकन करें। इस विज्ञापन से संबंधित सभी सूचनाएं, संशोधन, शुद्धिपत्र आदि यदि कोई होगी तो केवल मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड की वेबसाइट पर प्रकाशित होगी। वेबसाइट का नियमित अवलोकन करें।

परामर्शदाताओं/यंग प्रोफेशनलों के आवेदन वेबसाइट में दी गई योग्यता के आधार पर ही मान्य किए जावेंगे। आवेदन दिनांक 11.03.2022 समय 5:30 बजे शाम तक अनिवार्य रूप से ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हो जाने चाहिए। भौतिक रूप से आवेदन यथासंभव उपरोक्त दिनांक तक प्राप्त हो जाने चाहिए। परंतु भौतिक रूप से आवेदन प्राप्त न होने को आवेदन के निरस्ती का कारण नहीं माना जावेगा। ई-मेल के माध्यम से आवेदन समय पर प्राप्त नहीं होने पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपर्क सूत्र
दिव्या सिंह, कनिष्ठ अंकेक्षक, 0755 2556210, 0755 2553429
ईमेल : adfmpsamb@gmail.com

म.प्र. माध्यम/103607/46621/2022 **प्रबंध संचालक**

एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड (AIF)
कार्यालय : 26, किसान भवन, अरेरा हिल्स, जेल रोड, भोपाल
क्र./म.बो./AIF सेल/21-22/68 भोपाल, दिनांक : 10.02.2022

परामर्शदाता (कंसलटेंट)-एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड कार्यालय (AIF) हेतु अवसर

एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फण्ड (AIF) कार्यालय मध्यप्रदेश में परामर्शदाता (कंसलटेंट) का नियोजन किया जाना है। आवेदन का प्रारूप पात्रता का मापदण्ड नियम एवं शर्तों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.mpmandiboard.gov.in** का अवलोकन करें। इस विज्ञापन से संबंधित सभी सूचनाएं, संशोधन, शुद्धिपत्र आदि यदि कोई होगी तो केवल मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड की वेबसाइट पर प्रकाशित होगी। वेबसाइट का नियमित अवलोकन करें।

परामर्शदाताओं/यंग प्रोफेशनलों के आवेदन वेबसाइट में दी गई योग्यता के आधार पर ही मान्य किए जावेंगे। आवेदन **दिनांक 11.03.2022 समय 5:30 बजे शाम तक** अनिवार्य रूप से ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हो जाने चाहिए। भौतिक रूप से आवेदन यथा संभव उपरोक्त दिनांक तक प्राप्त हो जाने चाहिए। परंतु भौतिक रूप से आवेदन प्राप्त न होने को आवेदन के निरस्ती का कारण नहीं माना जावेगा। ई-मेल के माध्यम से आवेदन समय पर प्राप्त नहीं होने पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपर्क अधिकारी : गोविन्द प्रसाद शर्मा, असिस्टेंट डायरेक्टर-AIF
कॉन्टेक्ट नंबर : 9098039381
ईमेल : mpagriaif@gmail.com

प्रबंध संचालक
मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड

म.प्र. माध्यम/103637/46625/2022 **राज्य नोडल अधिकारी-AIF**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 174/MTN/2022
(Flood Damage)

No./2234/22/D-12/NIT-Maint./2022 **Bhopal, Dated : 09.02.2022**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

1. Table No. 1 :- Name of Work : Repair/Maintenance of the Rural Roads Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna & other schemes.

- **Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	2	6994000.00
2.	Datia	1	1390000.00
3.	Guna	3	5848000.00
4	Gwalior	3	11034000.00
5.	Sheopur	5	31484000.00
6.	Shivpuri	1	22111000.00
7.	Vidisha	10	12847000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.02.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/103608/46622/2022 **(Tender)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011

SQC CONSULTANCY OF BRIDGES
(E-Procurement Notice)

No 2392/22/D-12/SQC-Brg./2021-22 **Bhopal, Dated : 10. 02.2022**

Online Bids are invited through e-procurement portal http://mptenders.gov.in from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Bridge works being constructed on Rural Roads for the following packages.

- **No. of Packages - 06**
- **No. of Bridges - 259**

Total Estimated Construction Cost (in Rs.) – Rs. 3080443000.00

- **Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.**

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in from 17:30 hrs on 14.02.2022 .**
2. Last date of Submission of bid is date **28.02.2020 upto 17.30 hrs.**

Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Bridge works November, 2016 on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/103641/46626/2022 **(Tender)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Ddevelopment Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 975

No./2129/22/D-12/MPRRDA/2022 **Bhopal, Dated : 07.02.2022**

Online Percentage Rate Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

S. No.	Name of District	Package No.	Name of Work	PAC (In Rs.)
1.	Guna	MP13DTC01	Construction of building including water supply, Sanitary, Electric works, approach road compound wall and other associated works (i.e. interiors, land scaping and allied works etc.) for District Training Centre Myana in Distt. Guna (M.P.)	115664000/-

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **11.02.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal.

M.P. Madhyam/103584/46618/2022 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, 101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452007 (M.P.), Phone : (O) 2970611, 2971311, 2974363
Fax No. : 0731-2972629 E-mail : ed.roind@mpidc.co.in Website : www.invest.mp.gov.in
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850
No. MPIDC/R.O./IND/2022/17274 **Date : 08.02.2022**

NOTICE INVITING TENDER (Second Call)

Tender for the following work have been proceeded on the e-procurement system - **http://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** as mention below -

S. No.	Name of work	PAC (Rs. in Lacs)	Cost of tender form	EMD	Last date of submission
1.	Strengthening and up gradation of road, paver block, chamber cover, concertina coil fencing wire, boundary wall & Entrance gate at I/A Electronic complex, Distt. Indore.	Rs. 339.30 Lacs	Rs. 17700/- i/c GST	Rs. 339302/-	26.02.2022
2.	Strengthening and up gradation of road, paver block, chamber cover, concertina coil fencing wire, retaining wall & Entrance gate at I/A Readymade Garment complex, Distt. Indore.	Rs. 321.70 Lacs	Rs. 17700/- i/c GST	Rs. 321707/-	26.02.2022

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
M.P. Madhyam/103594/46620/2022 **MANAGER (Account)**

सिकल सेल नियंत्रण के प्रयास में सबका साथ सबका प्रयास जरूरी

भोपाल, सिकल सेल एनीमिया रोग के उपचार और प्रबंधन में सबका साथ और सबका प्रयास ज़रूरी है। सरकार द्वारा ठोस प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समाज का सहयोग भी आवश्यक है। रोग सर्वेक्षण का कार्य तीव्र गति से हो, इसके लिए सरकारी और गैरसरकारी सभी स्तरों से प्रयास किया जाना चाहिए। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल में सिकल सेल एनीमिया रोग उपचार और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर राजभवन में चर्चा करते हुये कहीं।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रदेश में जनजातीय जनसंख्या का एक बड़ा भाग सिकल सेल एनीमिया अनुवांशिक रोग से प्रभावित होने के संकेत मिले हैं। यह एक अत्यंत पीड़ादायक और जानलेवा रोग है। रोग की जानकारी जितनी कम आयु में होगी, उतना बेहतर उपचार प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका के चिकित्सकों ने गर्भावस्था में सिकल सेल का पता चलने पर उपचार की संभावनाओं को तलाशा है। यदि जन्म के 78 घंटों में रोग की जानकारी हो जाए तो अंग विकृतिकरण को भी रोकने की संभावनाएं बताई हैं। इसलिए जरूरी है कि रोग सर्वेक्षण का कार्य तेज गति और व्यापकता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि रोग के संबंध में व्यापक जन जागरूकता के प्रयास जरूरी है।

इस कार्य में प्रदेश के विश्वविद्यालयों को भी सहयोग के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि रोग सर्वेक्षण कार्य में आंगनवाड़ी केंद्रों को भी जोड़ा जाना चाहिए। केंद्र की कार्यकर्ता को आवश्यक प्रशिक्षण देकर गर्भवती महिलाओं की जांच कार्य में सहयोग लिया जाए। श्री पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोगी 30 वर्षीय युवक के साथ चर्चा का जिक्र करते हुए बताया कि उचित जीवनशैली, आहार और नियमित औषधि के द्वारा स्वस्थ और बेहतर जीवन जिया जा सकता है। जरूरत सिकल सेल एनीमिया के बारे में उचित काउंसलिंग की है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में रोग को जड़ मूल से समाप्त करने की क्षमता है। सिकल सेल रोग के उपचार में आयुर्वेद और होम्योपैथी जैसी अन्य चिकित्सा पद्धतियों द्वारा शोध और उपचार की संभावनाओं पर शोध किया जाना चाहिए।

राज्यपाल को बताया गया कि होम्योपैथी महाविद्यालय द्वारा शहडोल, मंडला, डिण्डोरी और छिंदवाड़ा जिलों में विगत एक वर्ष से शोध का कार्य किया जा रहा है। कुल 21 हजार 5 सौ व्यक्तियों की जांच में सिकल सेल वाले 1271 का उपचार होम्योपैथी में किया जा रहा है। उपचाराधीन रोगियों में एनीमिया, दर्द और सूजन में कमी आई है। रक्तदान की आवश्यकता भी कम पड़ी है। उन्होंने बताया कि इन परिणामों का आगामी एक वर्ष में परीक्षण कर अध्ययन के परिणाम प्राप्त किए जाएंगे। आयुष विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश के सभी सात शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालयों में सिकल सेल रोग के अनुसंधान की परियोजना तैयार की गई है।

बैंक स्तर पर शीघ्र मिले प्रकरणों की मंजूरी - मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश में आगामी 25 फरवरी को मनाएंगे रोज़गार दिवस

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राज्य स्तरीय बैंकर समिति की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में 117 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त हुई है। राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा 94 प्रतिशत से अधिक प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं। प्रदेश के 27 हजार 360 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त की राशि स्वीकृत कर मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। यह जानकारी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में हुई राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में दी गई। मध्यप्रदेश में भारत सरकार द्वारा योजना के लक्ष्य 4 लाख 5 हजार हितग्राहियों को लाभान्वित करने के मुकाबले प्रदेश में 4 लाख 75 हजार प्रकरण मंजूर किए गए हैं, इनमें से 4 लाख 38 हजार हितग्राही राशि प्राप्त कर लाभान्वित हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोज़गार देने वाली योजनाओं के प्रकरणों की मंजूरी में समय न लगे, इसके लिए बैंकों के स्तर पर कार्य गति बढ़ाने की आवश्यकता है। परिवारों की आर्थिक दशा में सुधार लाने के प्रयासों को विभिन्न ऋण योजनाओं के माध्यम से फलीभूत किया जा सकता है। इसलिए ऐसे प्रकरणों की नियमित समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं में प्रकरणों की स्वीकृति और ऋण वितरण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। श्री चौहान ने प्रमुख रूप से मुद्रा योजना, शहरी आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन में ऋण आवेदनों की मंजूरी की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

श्री चौहान ने कहा कि बैंक सभी योजनाओं में लक्ष्य पूर्ति के प्रयास करें। उन्होंने बैंकवार प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि वित्त वर्ष के निर्धारित लक्ष्य को मार्च 2022 तक पूर्ण किया जाना है। शेष दो माह में सभी बैंक प्रकरण स्वीकृत करने का निर्धारित लक्ष्य पूरा करें, जिससे हितग्राही लाभान्वित हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि बैंकों की तरफ से प्रगति संतोषजनक नहीं है तो वे इस तथ्य से वित्त मंत्रालय और भारत सरकार को भी अवगत करवाएंगे। श्री चौहान ने कहा कि आवश्यक यह है कि बैंक स्तर पर मासिक लक्ष्य तय कर कार्य किया जाए। आगामी वित्त वर्ष से योजना ऐसी हो कि लोगों को रोज़गार से जोड़ने के कार्यों में और भी तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक ने मुद्रा योजना में 110 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है, अन्य बैंक भी ऐसे प्रयास करें। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक वर्तमान वित्त वर्ष में 700 करोड़ रुपये से अधिक राशि वितरित कर चुका है। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की अच्छी प्रगति के लिए मुख्यमंत्री ने बधाई दी। अन्य बैंकों में प्रकरणों के निराकरण का प्रतिशत 45 से 65 प्रतिशत के मध्य है। मुख्यमंत्री ने इन प्रकरणों को तेजी से निपटाने और आगामी दो माह में बैंकों को लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिये।

प्रदेश में 25 फरवरी को रोज़गार दिवस मनाया जाएगा

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में रोज़गार के अवसर निरंतर बढ़ाए जा रहे हैं। आगामी 25 फरवरी को रोज़गार दिवस मनाया जाएगा। ऐसा ही दिवस मार्च में भी मनाया जाएगा। मध्यप्रदेश मुद्रा योजना के क्रियान्वयन में देश में 9वें स्थान पर है। इस क्षेत्र में प्रदेश आगे बढ़ सकता है। उद्यम क्रांति योजना भी नए स्वरूप में शीघ्र ही लागू हो रही है। निजी बैंक भी शासकीय योजनाओं में सार्थक योगदान दे सकते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड के कार्य में भी प्रगति की संभावनाएं हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़ा वर्ग के आवेदकों के ऋण प्रकरण के निराकरण के साथ ही इन वर्गों के लिए जागरूकता अभियान भी संचालित किया जाएगा।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में मध्यप्रदेश सबसे आगे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी और ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण के लिए अच्छा कार्य हो रहा है।

उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती मध्यप्रदेश के क्षेत्रों में रहेगा मद्यनिषेध

भोपाल, उत्तरप्रदेश राज्य में होने वाले विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 में मतदान के समाप्त होने के निर्धारित समय से 48 घंटे पूर्व तथा मतगणना तिथि को उत्तरप्रदेश राज्य के सीमावर्ती मध्यप्रदेश के क्षेत्रों में मद्यनिषेध के आदेश वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा संबंधित कलेक्टर्स को जारी किये गये हैं।

निर्देशों में कहा गया है कि उत्तरप्रदेश राज्य के सीमावर्ती जिलों से समन्वय कर सीमा से 3 किलोमीटर की दूरी तक के क्षेत्रों में उक्त अवधि में क्षेत्र की सभी शराब दुकानें बंद रखी जायें तथा शराब की बिक्री पर सख्ती से प्रतिबंध लागू हो।

सीमावर्ती जिलों में शराब की बिक्री पर नजर रखी जाये। मदिरा की दुकानें, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब, अन्य बिक्री स्थल आदि में शराब की बिक्री/सेवा न हो। गैर-मालिकाना क्लब, होटल, रेस्टोरेंट, जिनके पास मदिरा का लायसेंस हो, उन्हें भी उक्त अवधि में शराब बिक्री/सेवा की अनुमति नहीं होगी।

प्रतिवर्ष मनाया जायेगा नर्मदापुरम गौरव दिवस - मुख्यमंत्री

नर्मदापुरम, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नागरिकों से अपील की है कि वे जहां रहते हैं उस गांव और शहर का गौरव दिवस जरूर मनायें। गौरव दिवस किस तिथि को मनाना है यह सर्व सम्मति से तय किया जाए। आज उनका वर्षों पुराना संकल्प पूरा हुआ है और सभी नागरिकों का सपना साकर हुआ है। अब होशंगाबाद संभाग के साथ जिला तथा शहर का नाम भी नर्मदापुरम हो गया है। मुख्यमंत्री ने इसे अपने चौथे कार्यकाल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने जिले के बावई का नामकरण माखन नगर करने की भी घोषणा की। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सेठानी घाट नर्मदापुरम जिले के पर माघ शुक्ल सप्तमी नर्मदा जयंती के अवसर पर मां नर्मदा का अभिषेक पूजन एवं आरती करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नर्मदापुरम जिले के सेठानी घाट पर मां नर्मदा का पूजन करते हुये।

प्रकृतिक खेती व पौधरोपण कर मां नर्मदा का कर्ज चुकायें

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां नर्मदा का प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद अर्थात जी.डी.पी. में 20 प्रतिशत योगदान है। मां नर्मदा से प्रदेश के बहुत से जिलों में पेयजल तथा सिंचाई का जल मिल रहा है, वहीं प्रदेश में विद्युत उत्पादन में भी मां नर्मदा का महत्वपूर्ण योगदान है। हम नर्मदा तट वासियों का भी कर्तव्य है कि प्रकृतिक खेती करें। खेतों में रसायनिक उर्वरकों के प्रयोग से नर्मदा प्रदूषित हो रही है। किसान अपने पूरे खेत में नहीं तो कम से कम एक चौथाई खेत में प्राकृतिक खेती अवश्य करें।

'नर्मदा एक्सप्रेस-वे' से विकास के नए द्वार खुलेंगे

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में नर्मदा के उद्गम अमरकंटक से लेकर गुजरात तट तक 'नर्मदा एक्सप्रेस-वे' बनाया जा रहा है। इस मार्ग के दोनों ओर उद्योग स्थापित किये जायेंगे। इससे विकास के नए द्वार खुलेंगे

विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने हमारे क्षेत्र के लिए बहुत कुछ दिया है। शहर का नाम नर्मदापुरम नाम किया है। हम उनके प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने 750 करोड़ रुपये दिए, जिससे सेठानी घाट की खोह भरवाई है। अब यह 100 वर्ष के लिए सुरक्षित हो गया है। रसूलिया का ओवर ब्रिज बनकर तैयार हो गया। सीएम राइज स्कूल दिया है। दशहरा मैदान का भी डीपीआर बन चुका है। इटारसी में बस स्टैंड और सब्जी मंडी भी तैयार हो रही है।

नर्मदा जयंती महोत्सव उमंग, उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। नर्मदापुरम वासियों ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्थागत विकास योजना शिक्षा का विजन डॉक्यूमेंट है - यूजीसी सचिव

भोपाल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव श्री रजनीश जैन ने कहा है कि संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) शैक्षणिक गुणवत्ता और उत्कृष्टता के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण और आवश्यक है। यह आईडीपी शिक्षा का विजन डाक्यूमेंट है। श्री जैन भोपाल में मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग में आयोजित इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान फॉर हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन पर एक दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यशाला का आयोजन मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग एवं विद्याभारती उच्च शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

श्री जैन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) की रूपरेखा तैयार की है। इससे शिक्षण संस्थान अपने लक्ष्यों और बुनियादी ढांचे को बेहतर बना सकते हैं। आईडीपी उच्च शिक्षा की सकल नामांकन दर को बढ़ाने में भी मददगार साबित होगी। संस्थागत विकास योजना का मूल उद्देश्य शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाकर विद्यार्थियों को एक सफल नागरिक बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान को संस्थागत विकास योजना तैयार करना अनिवार्य होगा।

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर कैलाश चन्द्र शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थाओं के लिए संस्थागत विकास योजना पर देश में पहली बार इस तरह की कार्यशाला आयोजित हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय की यह जिम्मेदारी है कि अकादमिक दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय के स्तर का मानक तैयार करें। किसी भी संस्थान को अपनी कमजोरी और ताकत की जानकारी होना चाहिए। विश्वविद्यालयों के कुलपति और महाविद्यालयों के प्राचार्य एक समयबद्ध रणनीति तैयार करें। अपने विश्वविद्यालय का विजन क्या है, इसकी जानकारी होना आवश्यक है। अपने संस्थान के लिए टाइमलाइन तय करें। नियमित अंतराल में पाठ्यक्रम में बदलाव होना चाहिए और उन विषयों का समावेश होना चाहिए।

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर भरत शरण सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थान यदि एक उचित प्रणाली के तहत चेक लिस्ट अपडेट करें, तो स्वाभाविक रूप से संस्थागत विकास योजना सफल होगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राष्ट्र सेवा का जज्बा बढ़ाने के साथ बेहतर मनुष्य बनाता है एनसीसी संगठन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में एनसीसी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुये।

भोपाल, एनसीसी संगठन छात्र-छात्राओं में राष्ट्र सेवा का ज़ज्बा बढ़ाता है, उन्हें बेहतर मनुष्य बनाता है। इस संगठन से जुड़कर विद्यार्थी सन्मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा सहित उच्च आदर्शों की स्थापना करते हैं। एनसीसी कैडेट्स कठिन परिश्रम, प्रशिक्षण से देश की सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ते हैं। राष्ट्रीय कैडिट कोर अर्थात एनसीसी का अर्थ देश भक्ति, अनुशासन, चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व का विकास, समाज और देश के लिए जीवन समर्पित करना है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के एनसीसी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कार्यक्रम में नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह 2022 के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनसीसी का विस्तार जरूरी है। इसलिए हमने सीएम राइज स्कूलों में इसे शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश में 360 सीएम राइज स्कूल हम इस साल खोलने वाले हैं, इन स्कूलों में एनसीसी होगी।

श्री चौहान ने कहा कि एनसीसी के प्रति मेरा विश्वास इतना दृढ़ है कि कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में सबसे पहले इसका नाम ध्यान में आया। कोरोना संक्रमण से लोगों का जीवन बचाने में एनसीसी कैडेट्स ने समर्पित भाव से सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। एनसीसी की उपलब्धियों पर प्रदेश को गर्व है। उन्होंने युवाओं को प्रशिक्षित करने वाले अधिकारियों को साधुवाद दिया।

प्रारंभ में एनसीसी निदेशालय के प्रभारी अपर महानिदेशक श्री राजीव गौतम ने एनसीसी संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली के गणतंत्र दिवस समारोह में कुल 57 विद्यार्थियों की भागीदारी और प्रदर्शन सराहनीय था।

विद्यार्थियों का मूल्यांकन वर्ष भर की गतिविधियों पर आधारित होगा

भोपाल, मध्यप्रदेश के विद्यालयों में विद्यार्थियों का मूल्यांकन आदर्श पद्धति से वर्षभर की गतिविधियों पर आधारित होगा। इसके लिए पृथक से नीति बनाई जा रही है। इसमे कंप्यूटर आधारित शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ये बातें स्कूल शिक्षा और सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने भोपाल स्थित मंत्रालय में ईएफए शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट में कंप्यूटर लैब का वर्चुअली उद्घाटन करते हुये कहीं। श्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहां ईएफए विद्यालयों में कक्षा आठवीं और नौवीं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कुल 240 घंटों की क्लास के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। कम्प्यूटर लैब की उपलब्धता से इस विषय की पढ़ाई में छात्राओं को सुगमता होगी।

श्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश पूरे देश में ऐसा राज्य बनने की ओर अग्रसर है जो भाषा के आधार पर सभी राज्यों को जोड़ेगा। दक्षिण भारत के राज्यों की भाषाएं प्रदेश के विद्यार्थियों को सिखाई जाएगी। जब हमारे राज्य के विद्यार्थी दूसरे राज्य में जाकर उनकी भाषा मे बात करेंगे तब वहां के निवासी हिंदी सीखने के लिए आकर्षित होंगे।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के निदेशक श्री प्रभात राज तिवारी ने बताया कि प्रदेश के सभी ईएफए स्कूलों में 30-30 कम्प्यूटरों की लैब की सुविधा प्रदान की जा रही है। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट में 100 कम्प्यूटर वाली एक लैब विकसित की गयी है, क्योंकि इस विद्यालय में स्टेनो टाइपिंग की परीक्षा भी आयोजित की जाती है।

'खेलो एम.पी.' से शालाओं में तैयार होंगे उत्कृष्ट खिलाड़ी

भोपाल, स्कूल शिक्षा और सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि खेलो इंडिया की तर्ज पर मध्यप्रदेश के शासकीय विद्यालयों में भी 'खेलो एम.पी.' योजना का संचालन किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यालय में खेल गतिविधियों को अनिवार्य रूप से सम्मिलित करने के लिए 'खेलो एम.पी.' कार्य-योजना तैयार की गई है। इसमें विद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी रुचि के अनुसार खेल के अवसर प्रदान किये जाने का प्रयास किया जायेगा। इस तरह 'खेलो एम.पी.' से प्रदेश की शालाओं में उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार होंगे।

संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस ने बताया कि विद्यालयों में खेल गतिविधियों के संचालन के लिए विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों में से ही किसी एक शिक्षक को खेलकूद प्रभारी बनाया जा रहा है। प्रभारी शिक्षकों को खेलकूद संबंधी प्रारंभिक प्रशिक्षण और उन्मुखीकरण के लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के संबंध में अनुमोदन प्रदान किया गया। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण के संबंध में मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 53 तथा मध्यप्रदेश रेत (खनन, परिवहन, भंडारण तथा व्यापार) नियम, 2019 के नियम 20 को इन नियमों से निरसित किया गया है। मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2006 को पूर्णतः निरसित करते हुए नवीन प्रस्तावित मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2021 को अनुमोदित किया गया। इस नियम में गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण के संबंध में एकजाई प्रावधान किये गये हैं। इसमें मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2006 में प्रचलित खनिज व्यापारी अनुज्ञप्ति एवं उक्त में प्रस्तुत की जाने वाली विवरणियों, वाहनों का पंजीयन, मुख्य खनिज के परिवहन हेतु अभिवहन पार-पत्र जारी किया जाना यथावत रखे जाकर, इस व्यवस्था को नवीन प्रस्तावित मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2021 में ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से किये जाने हेतु अनुमति प्रदान की गई। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं -

- खनिजों के अवैध उत्खनन एवं भंडारण में रॉयल्टी का 15 गुना तथा इसके समतुल्य राशि पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में लिया जाना तथा प्रकरण में अधिरोपित कुल दण्ड जमा नहीं किये जाने पर जप्त वाहन एवं मशीनरी आदि को राजसात करने के साथ-साथ अधिरोपित कुल दण्ड की दुगनी राशि का दण्ड अधिरोपित किये जाने का प्रावधान किया गया।
- अवैध परिवहन के प्रकरण में जप्त खनिज की रायल्टी का 15 गुना तथा वाहन क्षमता अनुसार पर्यावरण क्षति की राशि अर्थदण्ड के रूप में अधिरोपित किया जाना तथा प्रकरण में अधिरोपित कुल दण्ड पर प्रशमन न किये जाने पर कुल दण्ड की राशि का दोगुना तथा वाहन राजसात किये जाने का प्रावधान किया गया है। इसमें अभिवहन पार पत्र में दर्ज मात्रा से अधिक का परिवहन पाये जाने पर अधिक मात्रा के खनिज की रॉयल्टी का 15 गुना तथा वाहन क्षमता के अनुपातिक रूप में पर्यावरण क्षति दण्ड के रूप में लिये जाने का प्रावधान किया गया है। यदि इस राशि का प्रशमन नहीं होता, तब इसकी दोगुनी राशि दण्ड के रूप में अधिरोपित किये जाने का प्रावधान किया गया है।
- खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन में वाहन के सुपुर्दगी के लिये राशि जमा कर वाहन मालिक को दिये जाने का प्रावधान किया गया है। इसके लिये नियमों में पृथक से अनुसूची तैयार की गई है। इस अनुसूची में वाहन के बाजार मूल्य का लगभग 10 प्रतिशत राशि लिये जाने की गणना की गई है। पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर इस पर कार्यवाही के लिये सूचना अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को दिये जाने का प्रावधान किया गया है। अधिरोपित अर्थदण्ड की राशि जमा न होने पर मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 के प्रावधानों के तहत राशि वसूली तथा कुर्की किये जाने का प्रावधान किया गया है।
- नियमों में कलेक्टर द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध संभागायुक्त को अपील प्रस्तुत करने का प्रावधान पूर्ववत है। संभागायुक्त द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण राजस्व मंडल को प्रस्तुत किये जाने का प्रावधान किया गया है।
- इसके अतिरिक्त मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2021 में अन्य तकनीकी सुधार किये गये हैं। इन सुधारों से प्रदेश में अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण हो सकेगा तथा उपरोक्त नियमों में एकजाई प्रावधान होने से प्रकरणों के निराकरण में पारदर्शिता एवं सुगमता हो सकेगी।
- मंत्रिपरिषद द्वारा अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0) योजना के अंतर्गत प्रदेश के समस्त 412 (407 नगरीय निकायों और 5 छावनी परिषद) नगरीय निकायों को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश के नगरीय निकायों में जल प्रदाय, सीवरेज, फीकल स्लज प्रबंधन, जल संरचनाओं के नवीकरण, हरित क्षेत्र एवं पार्क विकास की योजनाओं को मिशन कार्यकाल (वर्ष 2021-22 से 2025-26) केंद्रांश 4176.44 करोड़ रुपये, राज्यांश 6268.86 करोड़ रुपये एवं निकाय अंशदान राशि 1234. 75 करोड़ रुपये है। तदनुसार योजना का पांच वर्षों के लिये बजट प्रावधान राशि 10445.30 करोड़ रुपये (निकाय अंश को छोड़कर) है। इस प्रकार कुल योजना राशि 11680.05 करोड़ रुपये है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा, केंद्रीय सड़क अधोसंरचना निधि योजना अन्तर्गत ग्वालियर शहर में ट्रिपल आई. टी. एम. कॉलेज से (राष्ट्रीय राजमार्ग-92 भिण्ड-इटावा) महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक स्वर्ण रेखा नाले के ऊपर फोरलेन एलीवेटेड कॉरीडोर (फ्लॉई ओवर) के निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस कॉरीडोर (फ्लॉई ओवर) की कुल लंबाई 6.54 किलोमीटर एवं निर्माण की अनुमानित लागत राशि रुपये 446.92 करोड़ रुपये है। इसमें सीआरआईएफ योजना अंतर्गत केंद्र सरकार से 406.35 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हैं। यूटिलिटी शिफ्टिंग, विस्थापन एवं पुनर्वास के लिये रुपये 40.57 करोड़ रुपये का व्यय राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा।
- मंत्रिपरिषद ने ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की 108 फुट ऊंची बहुधातु प्रतिमा, शंकर संग्रहालय एवं आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान की अधोसंरचना के निर्माण की परियोजना लागत राशि रुपये 2141.85 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदाय की।
- मंत्रिपरिषद ने लोक सेवा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत संचालित लोक सेवा केंद्रों को भुगतान किये जाने वाले वीजीएफ के संबंध में निर्णय लिया कि कोरोना महामारी के कारण कोरोना कर्फ्यू अवधि (01 अप्रैल, 2021 से 31 मई, 2021) में लोक सेवा केंद्रों के बंद रहने के कारण प्रदेश के समस्त लोक सेवा केंद्रों के वीजीएफ की पात्रता को शून्य किया गया है। लोक सेवा केंद्र संचालकों एवं जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी के मध्य निष्पादित अनुबंध की समयावधि में तीन माह की वृद्धि की गई है।
- मंत्रिपरिषद की बैठक में बांध सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन परियोजना चरण-2 के लिए राशि 551.20 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के 27 बांधों का सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन का कार्य किया जाएगा। परियोजना का वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा विश्व बैंक की सहायता से ड्रिप-2 के लिये 70:30 के अनुपात में किया जाएगा।
- मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में दो नवीन औद्योगिक पार्क भोपाल (बगरौदा गोकलाकुंडी) एवं सीहोर (बढ़ियाखेड़ी) में 59 करोड़ 89 लाख रुपये की लागत से विकसित किये जाने का निर्णय लिया। औद्योगिक क्षेत्र विकास योजनाओं के क्रियान्वयन से नवीन उद्योगों की स्थापना के लिये प्रदेश में लगभग राशि 1650 करोड़ रुपये का निवेश होना संभावित है एवं 1950 व्यक्तियों को रोज़गार उपलब्ध हो सकेगा।
- मंत्रिपरिषद द्वारा समन्वय में मुख्यमंत्री के आदेश के अनुपालन में एनएचडीसी लिमिटेड के शेयर हस्तांतरण के लिये नर्मदा बेसिन कंपनी लिमिटेड को जारी की गई कुल राशि 1500 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर मध्यप्रदेश शासन को जारी करने एवं राशि 1497,58,21,711 रुपये (एक हजार चार सौ संतानवे करोड़ अट्ठावन लाख इक्कीस हजार सात सौ ग्यारह) मध्यप्रदेश शासन के मद में भुगतान कर शेयर हस्तांतरण की स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुसमर्थन किया गया।
- मंत्रिपरिषद ने चार नवीन निजी विश्वविद्यालयों प्रेस्टीज विश्वविद्यालय इंदौर, टाइम्स विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉ. प्रीति ग्लोबल विश्वविद्यालय शिवपुरी एवं एल.एन.सी.टी. विद्यापीठ विश्व-विद्यालय इंदौर की स्थापना प्रस्तावित अध्यादेश के माध्यम से किये जाने के संबंध में प्रस्तुत संशोधन अध्यादेश 2022 को प्रभावशील करने के विभागीय प्रस्ताव को अनुमोदित किया। अध्यादेश जारी करने के लिए आनुषांगिक विधिक कार्यवाही करने हेतु उच्च शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया।
- मंत्रिपरिषद द्वारा सहकारिता विभाग के सहकारी सोयाबीन प्र-संस्करण संयंत्र, नागझिरी उज्जैन स्थित परिसम्पत्ति पर स्थापित प्लांट एवं मशीनरी को स्क्रेप के रूप में निवर्तन किए जाने हेतु H-1 निविदाकार निविदा राशि 10,94,80,000 रुपये (दस करोड़ चौरानवे लाख अस्सी हजार) का अनुमोदन एवं H-1 निविदाकार द्वारा निविदा बोली मूल्य का 100 प्रतिशत जमा करने के उपरांत विक्रय अनुबंध की कार्यवाही मध्यप्रदेश राज्य तिलहन उत्पादक सहकारी संघ के परिसमापक, संयुक्त आयुक्त सहकारिता द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद द्वारा 23वीं एवं 25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल परिसर में 50 बेड का सर्वसुविधायुक्त पुलिस चिकित्सालय बनाये जाने हेतु परियोजना प्रस्ताव पर सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की गयी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

चिकित्सा मंत्री ने वैक्सीनेशन वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने काटजू चिकित्सालय से पांच वैक्सीनेशन वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने चिकित्सालय में स्क्रीनिंग और ओरियंटेशन प्रोग्राम की शुरुआत की।

श्री सारंग ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार लगातार नवाचार कर रही है। केयर संस्था और इण्डसइंड बैंक के सहयोग से 5 वैक्सीनेशन वैन की शुरुआत भोपाल में की गई। यह वैन 50 से अधिक हितग्राही को एक स्थान पर वैक्सीन लगाकर दूसरे स्थान के लिए आगे बढ़ेगी। भोपाल के साथ इस तरह की वैन बड़वानी, विदिशा और ग्वालियर में भी शुरू की गई है।

श्री सारंग ने बताया कि काटजू अस्पताल में वैक्सीनेशन सेंटर पर स्क्रीनिंग और ओरियंटेशन प्रोग्राम की शुरुआत भी की गई है। इसमें वैक्सीन लगवाने के बाद आधा घंटा रेस्ट टाइम का उपयोग कर लोगों का ओरियंटेशन किया जाएगा। वैक्सीन लगवाने वाले हितग्राही को ब्लड प्रेशर, शुगर और बीएमआई की जांच के साथ ही महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर और ओरल कैंसर की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस ओरियंटेशन प्रोग्राम से बीमारियों की रोकथाम की जानकारी मिलेगी। यहां मरीजों को नियमित दिनचर्या अपनाकर किस प्रकार रोगों से दूर रहा जा सकता है, इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए हेल्थ फेसिलिटेशन कार्ड और स्वस्थ जीवन का उपयोगी संदेश उपलब्ध करवाया जा रहा है। केयर इंडिया संस्था अगस्त 2021 से कोविड टीकाकरण में मध्यप्रदेश सरकार को प्रदेश के 9 जिलों में सहयोग दे रही है। इस गतिविधि में अभी तक संस्था द्वारा संचालित 7 केंद्रों और 43 टीकाकरण वैन द्वारा चार लाख से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। टीकाकरण के बाद सभी हितग्राहियों को केंद्र पर 30 मिनट बैठाया जाता है, जिससे कोई भी जटिलता होने पर तुरंत उपचार हो सके।

श्री सारंग ने कहा कि वर्तमान में हमारी व्यस्त जीवन शैली की वजह से कई गैरसंचारी रोग उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दिल की बीमारी और कैंसर इत्यादि हो रहे हैं। कम उम्र के व्यक्ति भी इन रोगों का शिकार हो रहे हैं। इनसे बचाव के लिए जल्द और समय पर जांच करवाना आवश्यक है।

बैंक के सहयोग और ज़िला प्रशासन के समन्वय से नवाचार की शुरुआत की गई है, इसमें 30 वर्ष से अधिक आयु के महिला-पुरुष जब टीकाकरण के बाद केंद्र में 30 मिनट के लिए रेस्ट करते हैं, तो इस समय का सदुपयोग करते हुए उनके स्वास्थ्य की निःशुल्क प्रारंभिक जांच की जाती है। भोपाल जिले में 5 मोबाइल वैक्सीन वैन के माध्यम से यह गतिविधि ग्रामीण क्षेत्रों में भी संचालित हो रहीं हैं।

राज्य शासन द्वारा 4 नई नगर परिषद गठित

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि स्थानीय लोगों की मांग पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा 4 नई नगर परिषद का गठन किया गया है। अनूपपुर जिले में नगर परिषद बरगवां (अमलाई), सिंगरौली जिले में सरई और बरगवां तथा सागर जिले में कर्रापुर नगर परिषद का गठन किया गया है।

सागर जिले की नगर पालिका परिषद गढ़ाकोटा की सीमा में वृद्धि की गई है। इसमें ग्राम पंचायम मगरधा के अनगरीय क्षेत्र मगरधा एवं ग्राम मगरधा, ग्राम पंचायत बेलई के ग्राम भौरदहार, मझगुवां, ग्राम पंचायत संजरा के ग्राम रनगुवां, ग्राम पंचायत बसारी के ग्राम बसारी और ग्राम पंचायत बरखेरा गौतम के ग्राम हिनौता को शामिल किया गया है।

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में
खंडवा, धार, खरगौन,
बुरहानपुर, झाबुआ, बड़वानी
तथा अलीराजपुर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

संपर्क करें
9425625746, 9424442725

प्रमुख आकर्षण
- कैरियर की खबरें
- सम-सामायिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

स्थानीय जन की समितियों की होगी सरकारी कामों में भागीदारी - मुख्यमंत्री

मिल-बैठकर बनायें शहर और गांव के विकास का प्लान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सीहोर जिले के ग्राम जैत में आयोजित एक कार्यक्रम में युवाओं सम्मानित करते हुये।

सीहोर, ग्राम जैत के ग्रामीणों ने संकल्प लिया है कि जैत को देश के सबसे अच्छे गांवों में से एक बनाया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले के ग्राम जैत से प्रदेश के सभी गांव और शहरों का जन्म-दिन गौरव दिवस के रूप में वर्ष में एक दिन मनाने का शुभारंभ करते हुये कही।

मुख्यमंत्री ने गांव और शहर का जन्म-दिन गौरव दिवस के रूप में मनाने की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार की योजनाएं स्थानीय जन की सहभागिता के बिना पूरी होना सम्भव नहीं है। इसलिए अब तय किया गया है कि स्थानीय जन की समितियां बनाकर सभी सरकारी कामों में सबकी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जो अन्य व्यवसाय के कारण गांव और शहर से अन्यत्र चले गए हैं, वे भी एक दिन आयें और मिल-बैठकर अपने शहर तथा गांव के विकास का प्लान बनायें। उन्होंने कहा कि अनेक काम में स्थानीय जन भी सहयोग कर सकते हैं।

श्री चौहान की पहल पर गांव के नर्मदा घाट पर ग्रामसभा ने ग्रामीणों की सहमति से जीवन से जुड़े लगभग एक दर्जन से अधिक कामों को आगामी एक वर्ष में पूर्ण करने के प्रस्ताव पारित किया।

अब पोषण मटका से आंगनवाड़ी होंगी पोषित

मुख्यमंत्री ने ग्रामसभा में प्रस्ताव रखा कि जैत में जन्म लेने वाला कोई भी बच्चा अब कुपोषित नहीं होगा। ग्रामीणों की सहमति से तय किया गया कि गांव में पोषण मटका रखा जाएगा और ग्रामीण यथा-शक्ति अनाज देकर बच्चों के पौष्टिक भोजन का इंतजाम करेंगे।

जैत के होनहार बच्चे अब उच्च शिक्षा से वंचित नहीं रहेंगे

मुख्यमंत्री के सुझाव पर ग्रामसभा ने तय किया कि अब सभी बच्चों की काउंसलिंग के माध्यम से बुद्धि की परीक्षा की जाएगी। होनहार बच्चों की उच्च और उत्कृष्ट शिक्षा में कोई कमी नहीं आएगी।

अब जमीन की कमी से नही रुकेंगे विकास कार्य

मुख्यमंत्री के समक्ष ग्रामसभा में प्रस्ताव रखा गया कि स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक भवन, धर्मशाला, स्कूल भवन आदि का निर्माण भी किया जाये। भवन निर्माण के लिए शासकीय भूमि नहीं होने की समस्या बताई गई। मुख्यमंत्री के आह्वान पर गांव के ही श्री ताहर सिंह ने अपनी जमीन शासकीय भवन निर्माण के लिए देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि किसी की जमीन जबरन नहीं ली जाएगी। शासकीय और निजी जमीन की अदला-बदली भी की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अपनी जमीन भी बदले में देने के लिए तैयार हैं।

नर्मदा और पठार पट्टी की सड़क स्वीकृत

मुख्यमंत्री ने बताया कि भारकच्छ से जैत होते हुए शाहगंज की नर्मदा पट्टी और बकतरा से शाहगंज की दर्जन भर गांव को जोड़ने वाली पठार पट्टी सड़क स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि पठार पट्टी की सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग जैसा विकसित किया जाएगा।

समला मोहल्ले में बनेगा सामुदायिक भवन

राशि स्वीकृत होने के बाद भी जमीन नहीं होने के कारण सामुदायिक भवन नहीं बन पाने का मुद्दा भी ग्रामसभा में आया। जैत के केवट बहुल समला के ग्रामीणों ने कहा कि उनके क्षेत्र में जमीन उपलब्ध है और सभी की सहमति से तय किया गया कि अब सामुदायिक भवन समला में बनेगा।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने ग्रामसभा में प्रस्ताव रखा कि महिला सशक्तिकरण जैत की पहचान बने। सभी ग्रामीणों की सहमति से तय किया कि स्थानीय कामों, सरकारी गणवेश से लेकर पोषण-आहार के निर्माण के लिए गांव की महिलाओं के स्व-सहायता समूह बनाकर उन्हें आजीविका मिशन से जोड़ा जाएगा। इन महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाने की जिम्मेदारी पंचायत विभाग की होगी।

173 ग्रामीणों के लिए आवास का अनुमोदन

ग्रामसभा में मुख्यमंत्री के प्रस्ताव पर आबादी प्लस सर्वे में जिन 173 ग्रामीण को पात्रता आती है, उनके आवास बनाने का काम चरणबद्ध तरीके से करने पर सहमति बनी। ग्राम सभा ने तय किया कि आवासों का निर्माण एक जैसा ही होगा। भवन निर्माण सामग्री एक साथ खरीदी जाए, जिससे सामग्री सस्ती मिलेगी और अच्छे घर बन पाएंगे। यह भी तय हुआ कि इन घरों का रंग-रोगन एक जैसा होगा।

मीराई प्रोजेक्ट

जावद विकासखंड के 60 विद्यार्थी सीखेंगे जापानी भाषा

शिक्षा के साथ ही मिलेगा रोज़गार का अवसर

नीमच, जावद विकासखंड के 20 हायर सेकेण्डरी शालाओं के 60 विद्यार्थियों का चयन प्रोजेक्ट मीराई में जापानी भाषा सीखने के लिये हुआ है। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने प्रोजेक्ट मीराई का वर्चुअल शुभारंभ किया।

श्री सखलेचा ने विद्यार्थियों को जापानी भाषा सीखने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के युग में रोज़गार के अवसर प्राप्त करने के लिये हमे सदैव नवीन प्रयत्न करना होंगे। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करना भी आवश्यक है। श्री सखलेचा ने अंग्रेजी भाषा सीखने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त भाषा सीखने से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं कौशल का विकास होता है और आज के दौर में ऐसे प्रयासों से रोज़गार के वैकल्पिक अवसर भी प्राप्त होते हैं।

प्रोजेक्ट मीराई में जावद विकासखंड के 200 विद्यार्थियों का चयन किया गया था जिनका कौशल परीक्षण इन्फोसिस द्वारा ऑनलाइन किया गया। परीक्षण के बाद मेरिट के आधार पर 60 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिन्हें 7 फरवरी से जावद विकासखंड के दो कलस्टर में प्रतिदिन 2 घण्टे का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण देकर जापानी भाषा का कोर्स करवाया जाएगा। कोर्स के बाद विद्यार्थियों स्नातक के लिये जापान जाने का अवसर प्राप्त होगा। जहां यह विद्यार्थी स्नातक करने के साथ रोज़गार भी प्राप्त करेंगे। प्रोजेक्ट मीराई कार्यक्रम इन्फोसिस स्प्रिंग बोर्ड एवं निर्माण संगठन के सहयोग से जावद क्षेत्र में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है।

प्रोजेक्ट मीराई का उद्देश्य नीमच जिले के इच्छुक छात्रों को जापानी भाषा में प्रशिक्षण देकर और उन्हें जापान में स्नातक की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित कर इंडो-जापानी उद्यमियों का पोषण करना है।

इन्फोसिस स्प्रिंग बोर्ड की सुश्री मनीषा सब्यु ने कहा कि इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत बहुत कम विद्यार्थियों के साथ की गई है। इसकी सफलता के बाद प्रोजेक्ट व्यापक पैमाने पर लागू किया जायेगा। विद्यार्थियों को स्कूल शिक्षा के साथ रोज़गार के नये अवसर प्राप्त होंगे। इन्फोसिस के श्री किशन चावड़िया ने चयनित विद्यार्थियों के परिणाम घोषित किये। जावद विकासखंड के शासकीय शालाओं के प्राचार्य, शिक्षक चयनित विद्यार्थी एवं उनके पालक उपस्थित रहे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

डॉक्टर वी. अनंत नागेश्वरन

नये मुख्य आर्थिक सलाहकार

केन्द्र सरकार ने डॉक्टर वी. अनंत नागेश्वरन को नया मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाने की घोषणा कर दी है। नागेश्वरन ने भारत और सिंगापुर में कई बिजनेस स्कूलों तथा प्रबंधन संस्थानों में अध्यापन का कार्य किया है। उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। नागेश्वरन 2019 से 2021 तक भारत के प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अंशकालिक सदस्य भी थे। उन्होंने भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद से प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की है।

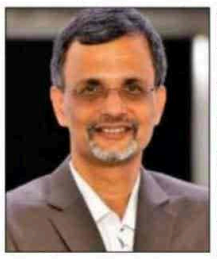

डार्क मैटर

आईआईटी के वैज्ञानिकों ने रहस्य को खोजा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने डार्क मैटर और ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर मात्रा में कणों में से एक न्यूट्रिनो की प्रकृति के बीच विशिष्ट समानताओं का पता लगाया है। टीम के निष्कर्ष प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका फिजिकल रिव्यू लेटर्स में प्रकाशित किये गये हैं। आईआईटी गुवाहाटी के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर अरुणांसु ने कहा है कि कई खगोलीय शोधों से पुष्ट संकेत मिलता है, लेकिन डार्क मैटर कणों के किसी भी प्रत्यक्ष प्रमाण का नहीं होना यही बताता है कि इसका सामान्य पदार्थ के साथ संबंध बहुत की कमजोर और क्षणिक है।

गद्दम मेघना

न्यूजीलैंड में यूथ पार्लियामेंट की सदस्य बनीं

आंध्रप्रदेश की 18 वर्षीय गद्दम मेघना न्यूजीलैंड की यूथ पार्लियामेंट में सदस्य चुनी गई हैं। मेघना को सेवा कार्यक्रम, युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्य के रूप में चुना गया है। मेघना न्यूजीलैंड के वाइकाटो क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगी। 21 वर्ष पूर्व मेघना के पिता गद्दम सविकुमार व्यापार के लिये अपनी पत्नी के साथ न्यूजीलैंड चले गये थे। वहां वह वाइकाटो में रियल एस्टेट बिजनेसमैन के रूप में बस गये। मेघना का जन्म न्यूजीलैंड में हुआ। बचपन से ही मेघना पढ़ाई में अव्वल रही हैं।

तेजस्वी प्रकाश

बिग बॉस - 15 की विजेता बनीं

टेलीविजन रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 15 की ट्रॉफी अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने अपने नाम कर ली है। चार महीने तक चलने वाले इस शो के फिनाले में तेजस्वी ने प्रतीक सहजपाल को थोड़े से वोटों के अंतर से हरा दिया। करण कुंद्रा तीसरे नंबर पर रहे। तेजस्वी को ट्रॉफी के साथ ही 40 लाख रुपये का कैश प्राइज भी मिला।

अंटोनियो कोस्टा

भारतवंशी पुर्तगाल के प्रधानमंत्री बने

पुर्तगाल में समय से पहले कराये गये चुनाव में

प्रधानमंत्री श्री अंटोनियो कोस्टा को सोशलिस्ट पार्टी ने पूर्ण बहुमत से जीत दर्ज की है। भारतीय मूल के कोस्टा 2015 से सत्ता में हैं। इससे पहले वह दो बार धुर वामपंथी पार्टियों के साथ गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर चुके हैं। एंटोनियो के पिताजी का जन्म मोजांबिक में हुआ था और उनका गोवा से संबंध रहा। एंटोनियो एक पुर्तगाली और राजनीतिज्ञ है। वह मजबूत जनादेश के बाद प्रधानमंत्री चुने गये हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल जीएवी रेड्डी

रक्षा खुफिया एजेंसी के चीफ बने

लेफ्टिनेंट जनरल जीएवी रेड्डी को रक्षा खुफिया एजेंसी के नये प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। वे लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों का स्थान लेंगे, ढिल्लों 39 वर्षों की सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त हुये हैं। इसके साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल सीपी मोहंती उप सेना प्रमुख के रूप में सेवानिवृत्त हो गये हैं। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने लेफ्टिनेंट रेड्डी को डीआईए का प्रभार सौंप दिया है।

अफगानिस्तान रेडियो

पांच माह बाद पुनः खुला

अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्व में बदख्शां प्रांत में अफगान रेडियो स्टेशन हरीम जान पिछले साल तालिबान के डर से बंद होने के पांच महीने बाद फिर से शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार उस समय प्रबंधन द्वारा बंद करने का आधिकारिक कारण वित्तीय परेशानी थी, लेकिन वास्तविक कारण तालिबान का डर था, क्योंकि रेडियो स्टेशन में 11 महिला कर्मचारी थीं, हालांकि नई प्रांतीय सरकार ने रेडियो पर महिलाओं की आवाज पर प्रतिबंध नहीं लगाया था, तालिबान ने कंधार प्रांत में टेलीविजन और रेडियो स्टेशनों पर संगीत रचनाओं और महिलाओं की आवाजों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे

उपसेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने उपसेना प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया है। लेफ्टिनेंट जनरल सीपी मोहंती के स्थान पर भारतीय सेना के नये उप प्रमुख के रूप में उन्होंने कार्यभार संभाला। लेफ्टिनेंट जनरल पांडे नई भूमिका संभालने से पहले पूर्वी सैन्य कमांडर के रूप में कार्यरत थे। वे कोलकाता में पूर्वी कमान संभाल रहे थे। 1982 में लेफ्टिनेंट पांडे कमीशन हुये थे। उन्हें यह कमीशन बॉम्बे सैपर्स में मिला था। उन्होंने ब्रिटेन के स्टॉफ कॉलेज से ग्रेजुएशन किया है। 39 साल के सैन्य कॅरियर में उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां भी संभाली हैं।

सऊदी अरब

अपने राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज को बदलेगा

सऊदी अरब अपने राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज में बदलाव करने की योजना बना रहा है। इसके लिए राज्य की गैर-निर्वाचित सलाहकार शूरा परिषद ने राष्ट्रगान और ध्वज में बदलाव के पक्ष में मतदान किया है। हालांकि परिषद के फैसलों का मौजूदा कानूनों या संरचनाओं पर कोई असर नहीं पड़ता है, लेकिन इसका फैसला इसलिये महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसके सदस्य सऊदी अरब के शाह (किंग) द्वारा नियुक्त किये जाते हैं।

कोच्चि में

मछली की नई किस्म की पहचान हुई

कोच्चि में सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएमएफआरआई) द्वारा भारत की समुद्री जैव - विविधता में एक नई मछली जोड़ी गई है। जिसकी पहचान एक नई कैरंगिड (वट्टा) किस्म के रूप में की गई

है। नई वर्णित मछली 'क्वीन फिश' समूह से संबंधित है। स्थानीय भाषा में मछली को पोला वट्टा कहा जाता है। सीएमएफआरआई ने विस्तृत वर्गीकरण और अनुवांशिक विश्लेषण के बाद एक नई प्रजाति के रूप में इसकी पुष्टि की है। नई मछली गहरे अंडाकार शरीर अवतल पृष्ठीय सिर प्रोफाइल और पहले गिल आर्च पर निकट से संबंधित प्रजातियों की तुलना में मोटा और कम असंख्य गिल रेकर से अलग हैं।

रिकार्डा लांग

जर्मनी में ग्रीन पार्टी का नेतृत्व करेंगी

जर्मनी की ग्रीन पार्टी का नेतृत्व 28 वर्ष की युवा सांसद रिकार्डा लांग करेंगी। रिकार्डा अपने संसदीय सहयोगी और विदेश नीति के विशेषज्ञ ओमीद नूरीपूर के साथ पार्टी का नेतृत्व करेंगी। ये दोनों अनालेना बेयरबॉक और रॉबर्ट हाबेक की जगह लेंगे, जो 2018 से ग्रीन पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे और अब जर्मनी की संघीय सरकार के मंत्री बन गये हैं। रिकार्डा ने करीब दशक भर पार्टी का सदस्य रहने के बाद प्रगति कर शीर्ष पर जगह बनाई है। उन्होंने यूथ विंग का नेतृत्व किया है।

महेन्द्र सिंह धोनी

साइंस फिक्शन वेब सीरीज में नजर आयेंगे

आई.पी.एल. के सबसे चर्चित कप्तानों में से एक महेन्द्र सिंह धोनी साइंस फिक्शन वेब सीरीज 'अथर्व' में नजर आयेंगे। माइथोलॉजी पर आधारित इस सीरिज का पहला पोस्टर 'अथर्व - द ओरिजिन' जारी हो गया है। इसमें धोनी एक अलग लुक में नजर आ रहे हैं। धोनी पोस्टर में सुपरहीरो और योद्धा नेता के रूप में दिख रहे हैं। मोशन पोस्टर ने अपने आधिकारिक फेसबुक हैंडल पर यह पोस्टर डाला है। ज्ञात रहे कि इस ग्राफिक उपन्यास में 150 से ज्यादा चित्रण हैं और टीम कई वर्षों से इस पर काम कर रही थी।

अमेरिका ने

खुफिया उपग्रह का प्रक्षेपण किया

अमेरिका के राष्ट्रीय टोही कार्यालय के लिए एक विशेष उपग्रह को कैलिफोर्निया से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया। एनआरओएल-87 उपग्रह को स्पेस एक्स फाल्कन 9 रॉकेट के जरिये वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से प्रक्षेपित किया गया। प्रक्षेपण का 'वेबकास्ट' तब तक किया गया, जब तक कि पहले चरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। फाल्कन के पहले चरण का हिस्सा लॉस एंजिलिस के उत्तर-पश्चिम में समुद्र तट पर वापस आ गया है।

तालिबान ने

अफगानिस्तान के दो प्रांतों में महिलाओं के लिये विश्वविद्यालय पुनः खोले

तालिबान ने अफगानिस्तान के 34 में से दो प्रांतों में छात्राओं के लिए सरकारी विश्वविद्यालय पुनः खोल दिये। तालिबान द्वारा संचालित सांस्कृतिक और सूचना मंत्रालय ने कहा कि नांगरहार और कंधार में महिलाओं के लिए सरकारी विश्वविद्यालय खोल दिये गये हैं। मंत्रालय ने कहा कि धीरे-धीरे पुरुष और महिलाएं विश्वविद्यालय लौट सकें इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार इन दोनों प्रांतों में गर्मी का मौसम होता है, इसलिए इन्हें दोबारा खोला गया है।

कैथरीन रसेल

यूनिसेफ प्रमुख बनीं

अमेरिका की कैथरीन रसेल संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की नई कार्यकारी निदेशक बनीं हैं। वह संगठन का नेतृत्व करने वाली चौथी महिला बन गई हैं। रसेल अमेरिका की हेनरीटा फोर का स्थान लेंगी, जिन्होंने जुलाई 2021 में पारिवारिक समस्या के कारण इस्तीफा दे दिया था। रसेल अमेरिका सरकार में राष्ट्रपति के सहायक के रूप में और राष्ट्रपति जो बाइडेन के अधीन राष्ट्रपति कार्मिक के व्हाइट हाउस कार्यालय के निदेशक के रूप में कार्य कर चुकीं हैं।

ओमान में

तस्वीर को 3 करोड़ का इनाम

ओमान के फोटोग्राफर तुर्की बिन इब्राहिम अल जुनैबी ने इस तस्वीर के लिए हमदान इंटरनेशनल फोटोग्राफी अवॉर्ड जीता है। 'आईज' थीम पर हुई फोटोग्राफी स्पर्धा में दुनियाभर के कई फोटोग्राफरों ने हिस्सा लिया था। जिनमें 1000 से अधिक फोटो को शामिल किया गया। इब्राहिम अल जुनैबी को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अवॉर्ड स्वरूप उन्हें करीब 3 करोड़ रुपये नगद और प्रशस्ति-पत्र मिला।

स्मृति शेष

मराठी लेखक डॉक्टर अनिल अवचट का निधन

प्रख्यात मराठी लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता डॉक्टर अनिल अवचट का 78 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। पुणे के ओतुर में जन्में अवचट ने बी.जे. मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। अवचट को 'माणसं', 'स्वतः विषयी', 'गर्द', 'कार्यरत', 'कार्यमग्न' और 'कुतूहलापोटी' सहित कई पुस्तकों के लेखन के लिए जाना जाता है।

सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री इकबाल सिंह का निधन

पद्मश्री से सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता बाबा इकबाल सिंह का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये कहा कि युवाओं के बीच शिक्षा के प्रसार के उनके प्रयासों के लिए उन्हें याद किया जायेगा। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर ट्वीट कर कहा कि सामाजिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने की दिशा में उन्होंने अथक प्रयास किया।

मराठी-हिंदी फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता रमेश देव का निधन

मराठी और हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज के दिग्गज अभिनेता रमेश देव का 93 वर्ष की उम्र में हृदयाघात से निधन हो गया है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में जन्में रमेश ने अभिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिंहा जैसे सितारों के साथ अपने अभिनय का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उनकी पहली 'आरती' राजश्री प्रोडक्शन के तहत बनीं थी। उनके कॅरियर में सोने पर सुहागा, आजाद देश के गुलाम, इल्जाम, कर्मयुद्ध, आखिरी दांव, प्रेमनगर, कोरा कागज उत्कृष्ट अभिनय के लिए जानी जाती हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 02, Email - mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 26/2021-22 में त्रुटिवश उक्त कार्य सम्मिलित हो गया है अतः कार्य की निविदा पुनः निविदा क्रमांक 27/2021-22 कोतवाली परिसर (डबल स्टोरी) के ब्लाक क्र.-01 से 06 के आवास क्र. ए-01 से एफ-04 में मरम्मत का कार्य जिला-शहडोल (ऑनलाइन निविदा क्र. 2022_MPPHC_183262) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 15.02.2022 तक** खरीद कर सायं 18:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/103587/46619/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक-03, गोरखपुर थाने के पीछे, 1558, ऋषि कॉटेज, रतन कालोनी, जबलपुर (म.प्र.), पिनकोड-482003
फोन : 0761-4927003, Email : mpphcjabalpur3@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र. -03 के अंतर्गत जिला - छिंदवाड़ा में क्रीड़ा परिसर तामियां में पूर्व स्थित छात्रावास भवन के सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-12/2021-22 (Online Tender No.-2022_MPPHC_184515_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.02.2022 समय सायं 17.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सबमिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किए जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/103665/46631/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा, सचिन तेन्दुलकर रोड, सिटी सेंटर, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना- 24/2021-22

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र-2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 24/2021-22 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_184365_1 हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 21.02.2022 तक खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/103663/46630/2022

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.), Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in
फोन नं. : 0734-2527715, मोबा. : 9406808103
क्र. 175/पयं/मप्रपुहाइडेकालि/22/उज्जैन दिनांक 11.2.2022

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 27/2021-22

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 27/2021-22 दिनांक 11.02.2022 के अंतर्गत जिला चिकित्सालय देवास का 400 से 500 बिस्तर पर उन्नयन कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2022_MPPHC_184346 आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 11.02.2022 17.00 बजे से क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/103653/46628/2022 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स भोपाल

ISO:9001:2008
e-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

पत्र/प्रशि/न.स-36/2022/585 **भोपाल, दिनांक 04.02.2022**

(विज्ञप्ति)

म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 में उत्तीर्ण एवं साक्षात्कार हेतु अर्हता रखने वाले म.प्र. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की तैयारी हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय राजस्व सेवा, न्यायिक सेवा के अधिकारियों तथा प्राध्यापक एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु तैयार किया जावेगा। साथ ही विशिष्ट अतिथियों की पैनल बनाकर मॉक साक्षात्कार (मॉक इन्टरव्यू) आयोजित किए जावेंगे।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में यह प्रशिक्षण दिनांक 24.02.2022 से प्रारंभ किया जावेगा जो दिनांक 28.02.2022 तक जारी रहेगा। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी संलग्न आवेदन पत्र में अपनी जानकारी संस्थान में आकर कार्यालयीन दिवस व कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं, अथवा केन्द्र के ईमेल आई डी **E-mail : petcsc.bpl@gmail.com** पर भेज सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए केन्द्र के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 या प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के मोबाइल क्रमांक 9303104557 पर कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर सकते हैं। आवेदन भोजने की **अंतिम तिथि दिनांक 22.02.2022** रखी गई है।

प्राचार्य अपर संचालक
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल

कार्यालय प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स, भोपाल
ISO:9001:200
E-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615
राज्य सेवा परीक्षा 2019 के मॉक इंटरव्यू हेतु आवदेन पत्र

1. अभ्यर्थी का नाम - .....शिक्षा - .....
2. पिता का नाम - .....
3. शिक्षा - .....आय - .....
4. माता का नाम - .....
5. शिक्षा - .....आय - .....
6. स्वयं की वार्षिक आय (यदि हो तो) .....
   परिवार की वार्षिक आय - .....
7. निवास का वर्तमान पता - .....
8. जाति - .....उपजाति - .....
9. जाति प्रमाण पत्र क्रं - .....
10. मोबाइल नं. - .....
11. ई-मेल आई.डी. - .....
12. राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 का अनुक्रमांक - .....
13. पूर्व के किसी वर्ष में राज्य सेवा मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो तो उसका विवरण - .....
    - मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष .....
    - मुख्य परीक्षा के प्राप्तांक .....
    - इंटरव्यू के प्राप्तांक .....
    - उस वर्ष का कट ऑफ .....
14. अभ्यार्थी यदि शा. सेवा में है तो उसका विवरण ..... पदनाम .....
    कार्यालय का नाम व पता .....
15. अभिरुचि - .....
16. यदि कोई विषय व्याख्यान हेतु चाहते हो तो कृपया उसका उल्लेख करें। .....

अभ्यर्थी के हस्ता. - .....
नाम - .....
पता - .....

जी-22363/46600/2022

स्वीट कॉर्न विलेज के नाम से मशहूर हो रहा है बीजकवाड़ा

छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश के छिन्दवाड़ा जिले का गांव बीजकवाड़ा देश में स्वीट कॉर्न ग्राम के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। यहां 160 हेक्टेयर क्षेत्र में 36 किसान स्वीट कॉर्न की फसल ले रहे हैं, जिसकी मार्केटिंग प्रदेश में ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी हो रही है। इस साल इन किसानों ने लगभग 2400 मीट्रिक टन स्वीट कॉर्न का उत्पादन किया, जिससे उन्हें 3 करोड़ 60 लाख रुपये की आय हुई है।

कार्यालय मुख्य अभियंता (राजधानी परिक्षेत्र), लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल : cepwdcapitalmp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 03/सा/01/विविध/रा.प./2019 (वर्ष 2022) **भोपाल, दिनांक 02.02.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता हे।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	2022_PWDRB_182736_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	प्लान	राला से तिलाड़िया मार्ग का मजबूतीकरण कार्य। लं. - 9.20 कि.मी.।	द्वितीय	1218.41	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
2.	2022_PWDRB_182737_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	प्लान	कोठरा पिपल्या से रतनपुर मार्ग का निर्माण कार्य। लं. - 5.00 कि.मी.।	द्वितीय	611.02	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
2.	2022_PWDRB_182738_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	प्लान	ग्राम चकल्दी में 22 फीट चौड़ा बायपास मार्ग का निर्माण कार्य। लं. - 4.20 कि.मी.।	द्वितीय	765.52	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
				योग		**2594.95**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 15.02.2022 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-22354/46601/2022 **मुख्य अभियंता (राज. परि.), लोक निर्माण विभाग, भोपाल**

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. ओल्ड पलासिया इंदौर (म.प्र.)

ई-मेल - apdpiuindore@gmail.com

क्र.एफ-1/2022/सामान्य/ए.पी.डी./एनआईटी-04ए/420 **इंदौर, दिनांक : 10.02.2022**

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 04ए/2022

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. म.प्र. द्वारा दिनांक 01.12.2020 से प्रभावशील एसओआर एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित, निर्धारित तिथि (key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में) वर्षाकाल सहित
1.	2022_PWPIU_183625_1	मेडिकल कॉलेज नीचम में डिजाइन एवं पीएमसी सर्विसेस का कार्य।	नीमच	439.08	4,39,080	15,000	24
2.	2022_PWPIU_183613_1	मेडिकल कॉलेज मंदसौर में डिजाइन एवं पीएमसी सर्विसेस का कार्य।	मंदसौर	462.66	4,62,660	15,000	24

निविदा संबंधित तिथियां (key-Date) :-

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 09.02.2022
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 10.02.2022
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - **17.02.2022**
4. बिड खोलने की तिथि - 18.02.2022

जी-22574/46629/2022 **अतिरिक्त परियोजना संचालक, लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., इंदौर**

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए प्रदेश के छः अधिकरियों को राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में हुये पुरस्कृत

नई दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) नई दिल्ली द्वारा शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए मध्यप्रदेश के शिक्षा विभाग के छः अधिकारियों को पुरस्कृत किया है। राष्ट्रीय अवॉर्ड कार्यक्रम 10 फरवरी 2022 को दोपहर में ऑनलाइन आयोजित किया गया। नीपा ने इस सम्मान के लिए मध्यप्रदेश से सर्व शिक्षा अभियान के तात्कालीन डीपीसी जिला सिवनी श्री गोपाल सिंह बघेल, तात्कालीन डीपीसी जिला हरदा श्री आर.एस. तिवारी, तात्कालीन डीपीसी राजगढ़ श्री कमल कुमार नागर, श्री शोएब खान बीआरसीसी जिला मंदसौर, श्री रामानुज शर्मा बीईओ/बीआरसीसी जिला अलीराजपुर और श्री प्रवीण चन्द्र उपाध्याय बीआरसीसी जिला मण्डला का चयन किया है। ये सभी अधिकारी नई दिल्ली से आयोजित वर्चुअल सम्मान समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष सरकार ने सभी सम्मानित अधिकारियों को डिजिटल प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए प्रदेश के छः अधिकारियों के चयन पर स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शमी एवं प्रभारी आयुक्त लोकशिक्षण तथा संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस. ने सभी सम्मानित अधिकारियों को बधाई तथा शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर वर्तमान में राज्य शिक्षा केंद्र में पदस्थ श्री आर.एस. तिवारी तात्कालीन डीपीसी जिला हरदा को श्री धनराजू एस. ने सम्मानित भी किया।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान – खेल

1. हाल ही में इनमें से किस खिलाड़ी को पद्म भूषण पुरस्कार मिला है?
(अ) नीरज चोपड़ा
(ब) देवेन्द्र झांझड़िया
(स) सुनील छेत्री
(द) पीआर श्रीजेश

2. इटली ने इनमें से किस वर्ष फीफा वर्ल्डकप का खिताब नहीं जीता है?
(अ) वर्ष 1934 (ब) वर्ष 1982
(स) वर्ष 2006 (द) वर्ष 2014

3. अमेरिका के कोबी ब्रायंट किस खेल के दिग्गज खिलाड़ी थे?
(अ) टेनिस
(ब) एथेलेटिक्स
(स) बास्केटबॉल
(द) गोल्फ

4. वर्ष 2023 में आईसीसी वूमेन टी-20 वर्ल्डकप किस देश में आयोजित किया जायेगा?
(अ) दक्षिण अफ्रीका
(ब) आयरलैंड
(स) मलेशिया
(द) वेस्टइंडीज

5. वर्ष 2021 में बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में महिला एकल वर्ग की विजेता बनीं है।
(अ) ताई जू यिंग
(ब) पी.वी. सिंधु
(स) नोजोमी ओकुहारा
(द) अकाने यामागुची

6. इनमें से किस बल्लेबाज के नाम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड है?
(अ) पॉल स्टर्लिंग
(ब) डेविड वॉर्नर
(स) रोहित शर्मा
(द) शोएब मलिक

7. मैग्नस कार्लसन शतरंज में कितने बार वर्ल्ड चैम्पियन बने है?
(अ) तीन बार
(ब) पांच बार
(स) छह बार
(द) इनमें से कोई नहीं

8. टोक्यो ओलिंपिक में किस देश ने निशानेबाजी में सबसे ज्यादा पदक जीते थे?
(अ) अमेरिका (ब) चीन
(स) भारत (द) ईरान

9. मार्टिना नवरातिलोवा ने कितने बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स सिंगल्स का खिताब जीता है?
(अ) पांच बार (ब) सात बार
(स) आठ बार
(द) इनमें से कोई नहीं

10. विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट के किस फॉर्मेट में खेली जाने वाली प्रतियोगिता है?
(अ) टेस्ट
(ब) वन-डे
(स) टी-20
(द) इनमें से कोई नहीं

11. लवलीना बोरगोहेन किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) कुश्ती (ब) कबड्डी
(स) मुक्केबाजी (द) तीरंदाजी

12. एफआईएच मेंस हॉकी रैंकिंग-2021 में भारत किस स्थान पर रहा था?
(अ) पहले (ब) दूसरे
(स) तीसरे (द) चौथे

13. इनमें से किस भारतीय बल्लेबाज ने अपने वन-डे डेब्यू मैच में शतक बनाया है?
(अ) के.एल. राहुल
(ब) विराट कोहली
(स) पृथ्वी शॉ
(द) सुरेश रैना

14. वर्ष 2006 में किस शहर में कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजित किए गए थे?
(अ) ग्लास्गो (ब) मेलबर्न
(स) वेंकुवर (द) ऑकलैंड

15. पूर्व टेनिस खिलाड़ी जॉन मैकनरो ने कितनी बार यूएस ओपन जीते हैं?
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) सात

16. भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के नवनियुक्त कोच है?
(अ) रमेश पवार
(ब) ऋषिकेश कानितकर
(स) साईराज बाहुतुले
(द) मोहम्मद कैफ

17. शिखर धवन ने किस देश के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक बनाया था?
(अ) ऑस्ट्रेलिया
(ब) न्यूजीलैंड
(स) श्रीलंका
(द) बांग्लादेश

18. वर्ष 2019 में इनमें से किस खिलाड़ी ने बार्सिलोना ओपन टूर्नामेंट जीता था।
(अ) राफेल नडाल
(ब) डेनिल मेदवेदेव
(स) केई निशिकोरी
(द) डोमिनिक थिएम

19. वॉलीबॉल खेल में एक टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?
(अ) चार (ब) पांच
(स) छः (द) आठ

20. स्नैच और जर्क टर्म किस खेल से संबंधित है?
(अ) वेट लिफ्टिंग
(ब) जिम्नास्टिक
(स) कुश्ती
(द) पोलो

21. वर्ष 2021 में किस खिलाड़ी को फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिला है?
(अ) लियोनल मेसी
(ब) रॉबर्ट लेवानडोवस्की
(स) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
(द) मोहम्मद सालाह

22. इनमें से कौन-सा देश आईसीसी वन-डे वर्ल्डकप-2027 का सह मेजबान नहीं है।
(अ) दक्षिण अफ्रीका
(ब) जिम्बाब्वे
(स) केन्या
(द) नामिबिया

23. टोक्यो पैरालिंपिक खेल-2020 में भारत ने कुल कितने पदक जीते हैं?
(अ) 12 (ब) 14
(स) 17 (द) 19

24. रीस जेम्स अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में किस देश के लिए खेलते हैं?
(अ) इंग्लैंड (ब) फ्रांस
(स) स्वीडन (द) पुर्तगाल

25. वर्ष 2019-20 में किस क्लब ने इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब जीता था।
(अ) मैनचेस्टर सिटी
(ब) मैनचेस्टर यूनाइटेड
(स) लिवरपूल
(द) चेल्सी

उत्तर

1. (ब), 2. (द), 3. (स), 4. (अ), 5. (द), 6. (अ), 7. (ब), 8. (ब), 9. (स), 10. (ब), 11 (स), 12. (स), 13. (अ), 14. (ब), 15. (स), 16. (ब), 17. (अ), 18. (द), 19. (स), 20. (अ), 21. (ब), 22. (स), 23. (द), 24. (अ), 25. (स)

पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

कृषि के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में सर्वोपरि

भोपाल, किसानों की अथक मेहनत से आज प्रदेश कृषि विकास के क्षेत्र में सर्वोपरि है। प्रदेश को कृषि उत्पादन तथा योजना संचालन क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सात कृषि कर्मण अवॉर्ड प्राप्त हुए हैं। प्रदेश आज दलहन-तिलहन के क्षेत्र और उत्पादन में देश में प्रथम है। सोयाबीन, उड़द के क्षेत्र एवं उत्पादन में प्रदेश, देश में प्रथम है। गेहूं, मसूर, मक्का एवं तिल फसल के क्षेत्र एवं उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। सम्पूर्ण खाद्यान्न फसलों के उत्पादन में प्रदेश का देश में तीसरा स्थान है।

मध्यप्रदेश ने देश में सबसे पहले कृषि को लाभदायी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाये थे। मुख्यतः पांच आधार विन्दु क्रमशः कृषि लागत में कमी, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, कृषि विविधीकरण, उत्पाद का बेहतर मूल्य और कृषि क्षेत्र में आपदा प्रबंधन पर संकल्पित होकर कार्य किया गया। वर्ष 2004-05 में प्रदेश का कुल कृषि उत्पादन मात्र 2 करोड़ 38 लाख मी.टन था जो वर्ष 2020-2021 में बढ़कर 6 करोड़ 69 मी. टन हो गया है।

जैविक/प्राकृतिक खेती

प्रदेश में जैविक खेती का कुल क्षेत्र लगभग 16 लाख 37 हजार हेक्टेयर है जो देश में सर्वाधिक है। जैविक उत्पाद का उत्पादन 14 लाख 2 हजार मी.टन रहा, जो क्षेत्रफल की भांति ही देश में सर्वाधिक है। जैविक खेती को प्रोत्साहन स्वरूप प्रदेश में कुल 17 लाख 31 हजार क्षेत्र हेक्टेयर जैविक प्रमाणिक है, जिसमें से 16 लाख 38 हजार एपीडा से और 93 हजार हेक्टेयर क्षेत्र, पी.जी.एस. से पंजीकृत है।

प्रदेश ने पिछले वित्त वर्ष में 2683 करोड़ रुपये के मूल्य के 5 लाख मी. टन से अधिक के जैविक उत्पाद निर्यात किये हैं। प्रदेश में जैविक वनोपज भी ली जा रही है। इस वर्ष प्रदेश में 99 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती का लक्ष्य है। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में जैविक/प्राकृतिक खेती को शामिल करने की योजना है। दोनों कृषि विश्वविद्यालय में कम से कम 25 हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती प्रदर्शन श्रेत्र में बदला जायेगा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

वर्ष 2016 से प्रारम्भ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए प्रदेश के वार्षिक बजट में 2200 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान है। प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में कुल वर्षवार 4 करोड़ 43 लाख 61 हजार 570 किसान खरीफ 2016 से रबी 2021-22 तक (पांच वर्षों में) पंजीकृत हुए। वर्तमान समय तक 73 लाख 69 हजार 614 किसानों को रबी 2019-20 तक की राशि 16 हजार 750 करोड़ 87 लाख रुपये का दावा राशि का वितरण किया गया है। यह प्रीमियम से दावा राशि का 93.41 प्रतिशत है।

फसल बीमा का एंड-टू-एंड कम्प्यूटराइजेशन प्रक्रियाधीन है। बीमा इकाई निर्धारण की प्रक्रिया भू-अभिलेख के साथ एकीकृत कर पूर्णतः ऑनलाइन है। औसत उपज उत्पादन के आकलन में रिमोर्ट सेंसिंग तकनीक के उपयोग की परियोजना प्रारंभ की गई है। पंजीयन की प्रक्रिया को आधार कार्ड से लिंक किया है, जिससे एक रकबे का एक ही बार बीमा हो सकेगा और दोहरीकरण की स्थिति निर्मित नहीं होगी।

प्रदेश देश में बीज प्रमाणीकरण में अग्रणी

प्रदेश देश में बीज प्रमाणीकरण में अग्रणी है। बीज की गुणवत्ता के लिये क्यू.आर. कोड के प्रयोग का नवाचार किया गया है। किसानों की भागीदारी से संकर बीजों का उत्पादन कर प्रदेश को हाइब्रीड बीज उत्पादन का हब बनाया जा रहा है। प्रत्येक संभाग में एक के मान से दस उर्वरक और बीज परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की जा रही है। उन्नत बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए रोलिंग प्लान को अद्यतन किया गया है। तीन हजार नये बीज ग्राम विकसित किये जा रहे हैं।

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. ग्वालियर (म.प्र.)

दूरभाष - 0751-4008851, Email : apdplugwalior@gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक : 03/2022/सा./एपीडी/ **ग्वालियर, दिनांक : 31.01.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. बैलेंस वर्क ग्राम जवासा जिला भिण्ड में हायर सेकेण्ड्री स्कूल का भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

ऑनलाइन निविदा क्रमांक	पी.आई.यू. का जिला	ठेके की अनुमानित लागत लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा फार्म का मूल्य रु.	कार्य पूर्ण करने के लिये समय	कार्यालय का नाम जहां भौतिक दस्तावेज जमा किये जा सकते हैं
2022_PWPIU_183102_1	भिण्ड	76.62 लाख	76620/-	10000/-	06 माह	कार्या. अति. परियोजना संचालक लो.नि.वि पीआईयू ग्वालियर

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. गुना में 300 पाइन्ट मेडीकल गैस पाइप सिस्टम की स्थापना कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_182398_1	गुना	70.18 लाख	70180/-	10000/-	08 माह	–तदैव–

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. बीनागंज जिला गुना के डिग्री कॉलेज में 100 सीटर क्षमता वाले 06 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_182402_1	गुना	267.66 लाख	267660/-	15000/-	18 माह	–तदैव–

क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. मारकीमहू जिला गुना के 06 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन का कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_182401_1	गुना	439.68 लाख	439680/-	15000/-	18 माह	–तदैव–

क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. राघौगढ़ जिला गुना के डिग्री कॉलेज में 100 सीटर क्षमता वाले 06 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_182403_1	गुना	305.97 लाख	305970/-	15000/-	18 माह	–तदैव–

क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. पीपरई जिला अशोकनगर में 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_182056_1	अशोकनगर	439.68 लाख	439680/-	15000/-	18 माह	–तदैव–

क्र. एवं कार्य का नाम :- 7. चीनौर जिला ग्वालियर में 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_181191_1	ग्वालियर	458.63 लाख	458630/-	15000/-	18 माह	–तदैव–

क्र. एवं कार्य का नाम :- 8. भगवतसहाय डिग्री कॉलेज जिला ग्वालियर में 100 सीटर क्षमता वाले 06 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_181178_1	ग्वालियर	305.97 लाख	305970/-	15000/-	15 माह	–तदैव–

क्र. एवं कार्य का नाम :- 9. अगरा तहसील जिला श्योपुर के 06 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन का कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_182140_1	श्योपुर	438.68 लाख	438680/-	15000/-	18 माह	–तदैव–

क्र. एवं कार्य का नाम :- 10. मुरैना में जिला जनसंपर्क कार्यालय हेतु भवन निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

2022_PWPIU_181389_1	मुरैना	80.82 लाख	80820/-	10000/-	09 माह	–तदैव–

(1) निविदा से संबंधित डॉक्यूमेंट **website https://mptenders./gov.in** पर देखे जा सकती हैं।
(2) निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन पोर्टल पर ऑनलाइन किये जावेंगे, समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
(3) ऑनलाइन निविदा सब्मिट करने की **अंतिम दिनांक 18.02.2022**
(4) तकनीकी बिड खोलने का दिनांक 21.02.2022

वरिष्ठ लेखा अधिकारी
कार्या. अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग पीआईयू, ग्वालियर

जी-22565/46627/2022

सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार

जब देश में कहीं भी कोई आपदा आती है तो उस आपदा के दौरान और उसके बाद कई संगठन और व्यक्ति संबंधित क्षेत्र में प्रभावितों की समस्याओं में सहायता करने के लिए चुपचाप लेकिन प्रभावी तरीके से काम करते हैं। देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में ऐसे ही व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के लिए भारत सरकार ने 23 जनवरी 2019 को एक वार्षिक पुरस्कार की स्थापना की थी, जिसे सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से जाना जाता है। यह पुरस्कार हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर घोषित किया जाता है। 23 जनवरी को 'पराक्रम दिवस' के नाम से भी जाना जाता है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष (2021 से) से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की है। वहीं उन्होंने एक और ऐतिहासिक पहल करते आजादी के अमृत महोत्सव में गणतंत्र दिवस की शुरुआत भी 23 जनवरी से की है। इस वर्ष 23 जनवरी का दिन एक नहीं बल्कि कई मायने में यादगार रहा क्योंकि इस बार नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती समारोह के हिस्से के रूप में इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा लगाने का निर्णय भी देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है। जब तक मूर्ति स्थापित नहीं होती तब तक होलोग्राम प्रतिमा के दर्शन होंगे जिसका अनावरण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 23 जनवरी, 2022 को इंडिया गेट पर कर दिया है। इस होलोग्राम प्रतिमा को 30,000 लुमेन 4के (4k) प्रोजेक्टर द्वारा संचालित किया जाएगा। एक अदृश्य, हाई गेन, 90 प्रतिशत पारदर्शी होलोग्राफिक स्क्रीन इस तरह से लगाई गई है कि यह आगंतुकों को नजर नहीं आ रही है। होलोग्राम का सटीक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए उस पर नेताजी की थ्रीडी तस्वीर लगाई जाएगी। होलोग्राम प्रतिमा 28 फीट ऊंची और 6 फीट चौड़ी है। इसके साथ ही इस बार वर्ष 2019, 2020, 2021 और 2022 के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार भी दिए गए।

संस्था को 51 लाख और व्यक्ति को 5 लाख का नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र

भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में देश में व्यक्तिगत स्तर पर तथा संगठनों के अमूल्य योगदान और निःस्वार्थ सेवा को पहचान देने और उन्हें सम्मानित करने के लिए 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार दिया जाता है। पुरस्कार को संस्था और व्यक्तिगत दो श्रेण में बांटा गया है। जहां संस्थान को 51 लाख रुपये नकद तथा एक प्रमाण पत्र दिया जाता है वहीं व्यक्तिगत स्तर पर 5 लाख रुपये नकद तथा एक प्रमाण पत्र प्रदान किये जाते हैं। पुरस्कार के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता है। आमतौर पर जुलाई-अगस्त में इस पुरस्कार के लिए नामांकन मंगवाएं जाते हैं। लेकिन पुरस्कार के बारे में सटीक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट किया जाना चाहिए।

पुरस्कार के लिए मानदंड

इस पुरस्कार के लिए आवेदन www.dmawards.ndma.gov.in पर ऑनलाइन दर्ज किए जाते हैं। कोई भी भारतीय नागरिक या संस्थान इस पुरस्कार के लिए किसी उम्मीदवार को नामांकित कर सकता है। उम्मीदवार स्वयं भी अपना नामांकन कर सकते हैं। संस्थागत पुरस्कारों के लिए, स्वैच्छिक संगठन, निजी औद्योगिक संस्थाएं, शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थान, मोचक बल/वर्दीधारी बल या कोई भी अन्य संस्थान पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक ने भारत में रोकथाम, प्रशमन, तैयारी, बचाव, मोचन, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान, नवाचार या अग्रिम चेतावनी से संबंधित कार्य जैसे आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य किया हो। आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए और इन क्षेत्रों में से किसी एक या अधिक में उपलब्धियों का प्रदर्शन करना चाहिए :

- मानव जीवन को बचाना।
- जीवन, पशुधन, आजीविका, संपत्ति, समाज, अर्थव्यवस्था या पर्यावरण पर आपदाओं के प्रभाव में कमी।
- आपदाओं के दौरान प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए संसाधनों का प्रावधान और उनकी सुनियोजित तैनाती।
- आपदा प्रभावित क्षेत्रों और समुदायों में तत्काल राहत कार्य।
- आपदा प्रबंधन के किसी भी क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का प्रभावी और अभिनव प्रयोग।
- खतरे प्रवण क्षेत्रों में न्यूनीकरण के कार्य।
- प्रतिक्रिया और जोखिम में कमी के लिए समुदायों की क्षमता निर्माण।
- त्वरित आधार पर लोगों को आपदा जोखिम की पूर्व चेतावनी और उसका प्रसार।
- आपदा प्रबंधन के किसी भी क्षेत्र में वैज्ञानिक/तकनीकी अनुसंधान और नवाचार।
- आपदा के बाद राहत और पुनर्वास।
- आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण संरचना और बुनियादी सेवाओं का निरंतर कार्य करना।
- तैयारी और जोखिम न्यूनीकरण के लिए लोगों के बीच जागरुकता पैदा करना।
- आपदा जोखिम प्रबंधन से संबंधित कोई अन्य क्षेत्र।

अब तक के पुरस्कार विजेता

वर्ष 2019 के लिए, गाजियाबाद स्थित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 8वीं बटालियन को आपदा प्रबंधन में अपने सराहनीय कार्य के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए चुना गया था। वर्ष 2020 के लिए, आपदा शमन और प्रबंधन केंद्र, उत्तराखंड (संस्था श्रेणी में) और श्री कुमार मुन्नन सिंह (व्यक्तिगत श्रेणी) को आपदा प्रबंधन में उनके सराहनीय कार्य के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। वर्ष 2021 के लिए, सस्टेनेबल एनवायरमेंट एंड इकोलॉजिकल डेवलपमेंट सोसायटी (संस्थागत श्रेणी में) और डॉ. राजेंद्र कुमार भंडारी (व्यक्तिगत श्रेणी में) को आपदा प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार के लिए चुना गया था। इस वर्ष की बात करें तो 2022 के लिए, गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (संस्थान श्रेणी) और प्रोफेसर विनोद शर्मा (व्यक्तिगत श्रेणी) को आपदा प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए चुना गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के दौरान 23 जनवरी 2022 एक अलंकरण समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2019, 2020, 2021 और 2022 के पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया।

महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर एवं तथ्य

1. राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन पुरस्कार कब शुरू किया गया?

उत्तर : 23 जनवरी, 2019 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार की घोषणा की गई थी।

2. सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार किस मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है?

उत्तर : गृह मंत्रालय।

3. पराक्रम दिवस किस महापुरुष की जयंती को कहा जाता है?

उत्तर : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी को।

4. आजादी के अमृत महोत्सव में गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत कब से हुई है?

उत्तर : 23 जनवरी, 2022 (सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती कार्यक्रम से)

5. हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इंडिया में प्रतिमा का अनावरण किया गया है, वह प्रतिमा किसकी और कैसे तैयार की गई है?

उत्तर : इंडिया गेट में जहां कभी जॉर्ज पंचम की प्रतिमा लगी थी वहां अब भारत की आजादी में अहम योगदान निभाने वाले महापुरुष नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित होगी। जब तक प्रतिमा तैयार होगी तब तक होलोग्राम तकनीक से बोस की प्रतिमा के दर्शन होंगे।

6. 2001 में भुज, गुजरात में आये विनाशक भूकंप के समय गुजरात के मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात आपदा प्राधिकरण की नींव रखी, जो आपदा प्रबंधन की दिशा में पहली व्यापक शुरुआत थी। इसके बाद श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया गया था। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया और श्री शरद पवार जी को उसका अध्यक्ष बनाया गया। बाद में 2005 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) का गठन हुआ। वहीं 2007 में एनडीएमए ने प्रधानमंत्री से अलग से आपदा बल की अवश्यकता की बात कही तब 2008 में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) यानी एनडीआरएफ का गठन हुआ।

7. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) का स्थापना दिवस प्रति वर्ष 21 जनवरी को मनाया जाता है हाल ही में इस बल ने अपना 17वां स्थापना दिवस मनाया है।

8. एनडीआरएफ ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक लगभग 7,600 अभियानों के दौरान 1,40,000 से ज्यादा लोगों को बचाया और आपदा में फंसे करीब 7.13 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

आरक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न : सामान्य ज्ञान

1. किस आंदोलन का संबंध महात्मा गांधी से नहीं है?
(A) असहयोग आंदोलन
(B) भारत छोड़ो आंदोलन
(C) स्वदेशी आंदोलन
(D) सविनय अवज्ञा आंदोलन
उत्तर -(C) स्वदेशी आंदोलन
व्याख्या- स्वदेशी आंदोलन बंगाल विभाजन के बाद होने वाली प्रमुख गतिविधि है इसमें बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, चिदंबरम पिल्लै, सैय्यद हैदर रजा, अरविदं घोष ने प्रमुख भूमिका निभाई तथा बंगाल विभाजन रद्द करने की मांग की।

2. 'अस्पृश्ता का अंत' संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लिखित है?
(A) अनु. 14 (B) अनु. 18
(C) अनु. 16 (D) अनु. 17
उत्तर -(D) अनु. 17
व्याख्या- संविधान के अनु. 17 के अंतर्गत अस्पृश्यता की पूर्णतः समाप्ति की गई है तथा अस्पृश्यता का किसी भी रूप में आचरण करना दण्डनीय अपराध है वहीं अनु. 14 में विधि के समक्ष समता तथा विधि का समान संरक्षण अनु. 18 में उपाधियों का अंत, अनु. 16 में लोक नियोजन में अवसर की समता का प्रावधान है।

3. राष्ट्रपति (भारत के) का कार्यकाल होता है?
(A) 6 वर्ष (B) 5 वर्ष
(C) 8 वर्ष (D) 4 वर्ष
उत्तर -(B) 5 वर्ष
व्याख्या- संविधान के अनुच्छेद 56 के अंतर्गत राष्ट्रपति पद ग्रहण तिथि से 5 वर्ष तक अपने पद को धारण करता है।

4. हल्दी घाटी का युद्ध कब हुआ था?
(A) 1576 ई. (B) 1517 ई.
(C) 1582 ई. (D) 1727 ई.
उत्तर -(A) 1576 ई.
व्याख्या- 18 जून, 1576 ई. को महाराणा प्रताप तथा मुगल सेना के बीच हल्दी घाटी का युद्ध हुआ जिसमें महाराणा प्रताप पराजित हुए वहीं 1517 में खतौली का युद्ध, 1582 में दीन ए इलाही की स्थापना तथा 1527 में खानवा का युद्ध हुआ।

5. प्लासी का युद्ध कब हुआ था?
(A) 1756 ई. (B) 1757 ई.
(C) 1758 ई. (D) 1759 ई.
उत्तर -(B) 1757 ई.
व्याख्या- 23 जून, 1757 ई. को बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला तथा ब्रिटिश कंपनी की सेना के बीच युद्ध हुआ जिसमें सिराजुद्दौला पराजित हुआ।

6. सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है?
(A) शुक्र (B) बुध
(C) पृथ्वी (D) अरुण
उत्तर -(B) बुध

7. शौर्य स्मारक किस जिले में स्थित है?
(A) जबलपुर (B) भोपाल
(C) इन्दौर (D) ग्वालियर
उत्तर -(B) भोपाल
व्याख्या- शौर्य स्मारक भोपाल में स्थित है यह भारत के अमर शहीदों की युद्ध तथा शौर्य गाथाओं से आम जनता को रूबरू कराने के उद्देश्य से 2016 में स्थापित किया गया।

8. भारत का वित्तमंत्री वर्तमान में कौन है?
(A) नितिन गड़कारी
(B) रवि शंकर प्रसाद
(C) निर्मला सीतारमन
(D) नरेन्द्र सिंह तोमर
उत्तर -(C) निर्मला सीतारमन
व्याख्या- 2019 से वर्तमान तक श्रीमती निर्मला सीतारमन भारत की वित्तयमंत्री हैं नितिन गड़कारी परविहन मंत्री, रविशंकर प्रसाद कानून मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर कृषि मंत्री हैं।

9. 'बाघ की गुफायें' मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थित है?
(A) इन्दौर (B) विदिशा
(C) धार (D) ग्वालियर
उत्तर -(C) धार
व्याख्या- बाघ की गुफायें धार जिले के बाघ नदी तट पर स्थित है ये बौद्ध धर्म से संबंधित है, इनकी तुलना अजंता की गुफाओं से की जाती है।

10. हुमायूं का मकबरा स्थित है?
(A) सिकंदरा (B) लाहौर
(C) आगरा (D) दिल्ली
उत्तर -(D) दिल्ली

11. भारत की प्रथम महिला लोकसभा अध्यक्ष बनी?
(A) सुमित्रा महाजन
(B) मीरा कुमार
(C) किरण बेदी
(D) वी.एस. रमादेवी
उत्तर -(B) मीरा कुमार

12. प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन स्थल है?
(A) राजगृह (B) वैशाली
(C) पाटलिपुत्र (D) कुण्डलवन
उत्तर -(A) राजगृह
व्याख्या- प्रथम बौद्ध संगीति 483 ई. पू. में सप्तपर्णिगुफा (राजगृह) में अजातशत्रु के शासनकाल में हुई अध्यक्ष महाकस्सप ने की, इस दौरान सुन्तपिटक, विनयपिटक का संकलन हुआ।

13. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है?
(A) राज्यपाल (B) प्रधानमंत्री
(C) राष्ट्रपति (D) उपराष्ट्रपति
उत्तर -(C) राष्ट्रपति
व्याख्या- संविधान के अनु. 217(1) के अनुसार राष्ट्रपति उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश तथा अन्य न्यायधीशों की नियुक्ति करता है।

14. दूध में पाया जाता है?
(A) एसीटिक अम्ल
(B) लैक्टिक अम्ल
(C) साइट्रिक अम्ल
(D) ऑक्जेलिक अम्ल
उत्तर -(B) लैक्टिक अम्ल
व्याख्या- लैक्टिक अम्ल एक मोनो हाइट्रॉक्सी अम्ल है यह खट्टे दूध में उपस्थित होता है।

15. माण्डू में निम्न में से कौनसा स्थल नहीं है?
(A) जहाज महल
(B) रानी रूपमती महल
(C) हिंडोला महल
(D) खूनी भण्डारा
उत्तर -(D) खूनी भण्डारा
व्याख्या- खूनी भण्डारा बुरहानपुर जिले में है जो अब्दुल रहीम खानखाना द्वारा निर्मित है।

16. भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान कौनसा है?
(A) काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान
(B) हैली राष्ट्रीय उद्यान
(C) सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान
(D) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
उत्तर -(B) हैली राष्ट्रीय उद्यान
व्याख्या- भारत के पहले उद्यान हैली नेशनल पार्क की स्थापना 1936 ई. में हुई जो वर्तमान में जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान के नाम से जाना जाता है यह उत्तराखंड में है।

17. बिहू नृत्य संबंध किस राज्य से है?
(A) मध्यप्रदेश
(B) असम
(C) केरल
(D) झारखण्ड
उत्तर -(B) असम
व्याख्या- बिहू नृत्य असम का लोकनृत्य है यह खुशी का नृत्य है जो स्त्री पुरुष दोनों के द्वारा किया जाता है।

18. टी-20 विश्वकप 2021 की विजेता टीम है?
(A) न्यूजीलैंड
(B) ऑस्ट्रेलिया
(C) पाकिस्तान
(D) दक्षिण अफ्रीका
उत्तर -(B) ऑस्ट्रेलिया

- अखिलेश प्रजापति
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए

आर्थिक समीक्षा 2021-22 पर आधारित प्रश्न

1. अर्थिक समीक्षा 21-22 के अनुसार 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास की दर कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है -
(अ) 7.0 से 7.5 प्रतिशत
(ब) 8.0 से 8.5 प्रतिशत
(स) 9.0 से 9.5 प्रतिशत
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।
उत्तर - (ब)

2. भारत 2021-24 के मध्य विश्व की प्रमुख तीव्रतम अर्थव्यवस्था रहेगी। यह अनुमान किसके द्वारा लगाये गये है -
(अ) विश्व बैंक
(ब) एशियाई विकास बैंक
(स) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(द) उपरोक्त सभी।
उत्तर - (द)

3. आर्थिक समीक्षा 21-22 के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में 2021-22 में वास्तविक वृद्धि दर कितने प्रतिशत रही -
(अ) 8.2 प्रतिशत
(ब) 9.2 प्रतिशत
(स) 10.2 प्रतिशत
(द) ज्ञात नहीं।
उत्तर - (ब)

4. इस वर्ष की आर्थिक समीक्षा का मूल विषय है -
(अ) त्वरित विकास
(ब) त्वरित भुगतान
(स) त्वरित दृष्टिकोण
(द) क्रमिक विकास
उत्तर - (स)
व्याख्या - इस वर्ष की आर्थिक समीक्षा का मूल विषय त्वरित दृष्टिकोण है, जिसे कोविड-19 महामारी की स्थिति में भारत के आर्थिक क्रियाकलाप के माध्यम से कार्यान्वित किया गया है।

5. 1950-51 में की गई प्रथम समीक्षा से लेकर आर्थिक समीक्षाओं के व्यापक क्रमिक विकास पर संक्षिप्त विवरण किस अध्याय में प्रस्तुत किया गया है। यह किस अध्याय के नाम से सम्मिलित है -
(अ) प्रस्तावना
(ब) उपसंहार
(स) समीक्षा
(द) क्रमिक विकास
उत्तर - (अ)

6. अर्थिक समीक्षा के अनुसार जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनवरी 22 तक कितने लाख विद्यालयों को नल से जल की आपूर्ति की गई -
(अ) 8 लाख से अधिक
(ब) 8 लाख से कम
(स) 5 से 8 लाख
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।
उत्तर - (अ) 8,39,443 विद्यालय

7. 2020-21 की तुलना में वर्ष 2021-22 में सामाजिक सेवा क्षेत्र के व्यय आवंटन में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है -
(अ) 8.5 प्रतिशत
(ब) 9.8 प्रतिशत
(स) 9.5 प्रतिशत
(द) 10.5 प्रतिशत
उत्तर - (ब)

8. आर्थिक समीक्षा के अनुसार देश के कितने जिलों ने 100 प्रतिशत नल-जल आपूर्ति वाले घरों की स्थिति प्राप्त कर ली है -
(अ) 120
(ब) 83
(स) 90
(द) 80
उत्तर - (ब)

9. अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन के प्रारंभ होने के बाद कितने करोड़ घरों को नल से जल आपूर्ति उपलब्ध करवाई गई -
(अ) 8.9
(ब) 5.9
(स) 5.5
(द) 6.8
उत्तर - (स)
व्याख्या - जल जीवन मिशन 2024 तक ग्रामीण भारत में घरों में व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवायेगा।

10. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 के अनुसार उन्नत स्वच्छता सुविधा का उपयोग करने वाले घरों की जनसंख्या 2019-21 में कितने प्रतिशत हो गई है -
(अ) 70.2 प्रतिशत
(ब) 48.5 प्रतिशत
(स) 58.9 प्रतिशत
(द) 80.8 प्रतिशत
उत्तर - (अ)
व्याख्या - 2015-16 में यह प्रतिशत 48.5 थी।

11. कितने राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों ने नलजल आपूर्ति के साथ 100 प्रतिशत घरों की प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त की है -
(अ) 10
(ब) 6
(स) 8
(द) 9
उत्तर - (ब)
व्याख्या - गोवा, तेलंगाना, अंडमान-निकोबार, पुद्दुचेरी, दादर नगर हवेली और दमन दीव तथा हरियाणा।

12. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत दिसम्बर 2011 तक ग्रामीण भारत में शौचालयों का निर्माण किया गया -
(अ) 10.86 करोड़
(ब) 5.85 करोड़
(स) 8.86 करोड़
(द) 10.10 करोड़
उत्तर - (अ)
व्याख्या - स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की स्थापना 2 अक्टूबर 2014 को की गई थी। इसके दूसरे चरण के तहत खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस वर्ष 2020-21 से वर्ष 2024-25 तक सभी गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाने का लक्ष्य है। वर्ष 2021-22 तक 2194 ग्रामों को ओडीएफ प्लस घोषित किया गया है।

13. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुमान के अनुसार वर्ष 2021-22 और 22-23 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर रहेगी -
(अ) 7.2 प्रतिशत
(ब) 8 प्रतिशत
(स) 9 प्रतिशत
(द) 10 प्रतिशत
उत्तर - (स)
व्याख्या - इस संस्था ने वर्ष 2023-24 के लिये 7.1 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

14. विश्व बैंक द्वारा वर्ष 2022-23 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर अनुमानित की गई है -
(अ) 8.7 प्रतिशत
(ब) 9 प्रतिशत
(स) 10 प्रतिशत
(द) 8 प्रतिशत
उत्तर - (अ)
व्याख्या - एशियाई विकास बैंक द्वारा यह 7.5 प्रतिशत अनुमानित की गई है।

15. वर्ष 21-22 में कृषि में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है -
(अ) 3.6 प्रतिशत
(ब) 3.3 प्रतिशत
(स) 3.9 प्रतिशत
(द) 3.8 प्रतिशत
उत्तर - (स)
व्याख्या - इस वर्ष वृद्धि दर 3.9 प्रतिशत है, जबकि पिछले वर्ष यह 3.6 प्रतिशत थी।

16. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2020-21 में खाद्यान्न उत्पादन रहा -
(अ) 285.2 मिलियन टन
(ब) 308.6 मिलियन टन
(स) 297.5 मिलियन टन
(द) 325 मिलियन टन
उत्तर - (ब)
व्याख्या - यह चौथे संशोधित अनुमान पर आधारित है। खाद्यान्न उत्पादन में चावल, गेहूं, मोटा अनाज व दालें सम्मिलित हैं। वर्ष 2019-20 में खाद्यान्न उत्पादन 297.5 मिलियन टन रहा था।

17. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 2021-22 में कुल उपभोग में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है -
(अ) 7 प्रतिशत
(ब) 8 प्रतिशत
(स) 9 प्रतिशत
(द) 10 प्रतिशत
उत्तर - (अ)
व्याख्या - यह अनुमानित है। कुल उपभोग में सरकारी उपभोग का सबसे अधिक प्रतिशत है। अनुमान है कि सरकारी उपभोग 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा।

18. वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद में निवेश का अनुपात है -
(अ) 25 प्रतिशत
(ब) 26 प्रतिशत
(स) 29.6 प्रतिशत
(द) 30 प्रतिशत
उत्तर - (स)
व्याख्या - यह पिछले सात वर्षों में सर्वोच्च है।

19. वर्ष 2021-22 में कुल निर्यात में कितने प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है -
(अ) 16.5 प्रतिशत
(ब) 15 प्रतिशत
(स) 18 प्रतिशत
(द) 20 प्रतिशत
उत्तर - (अ)

20. वर्ष 2021-22 में देश के आयातों में कितने प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है -
(अ) 16.5 प्रतिशत
(ब) 29.4 प्रतिशत
(स) 30 प्रतिशत
(द) 35 प्रतिशत
उत्तर - (ब)

21. दिसम्बर 2021 के आंकड़ों के अनुसार भारत का विदेशी भंडार कितने बिलियन अमेरिकी डॉलर था -
(अ) 411.9
(ब) 577
(स) 634
(द) 477
उत्तर - (स)
व्याख्या - यह आयात के 13.2 महीनों के समतुल्य तथा देश के बाह्य ऋण से अधिक है।

22. आर्थिक समीक्षा के अनुसार वर्ष 2020-21 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का कितने प्रतिशत रहा है -
(अ) 9.2 प्रतिशत
(ब) 6.8 प्रतिशत
(स) 8.2 प्रतिशत
(द) 4.6 प्रतिशत
उत्तर - (अ)

23. आर्थिक समीक्षा के अनुसार वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है -
(अ) 9.2 प्रतिशत
(ब) 6.8 प्रतिशत
(स) 8.2 प्रतिशत
(द) 4.6 प्रतिशत
उत्तर - (ब)

24. संक्रमणों की लहरों, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें और हाल ही में वैश्विक मुद्रा स्फीति ने नीति निर्धारण के कार्य को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिये भारत सरकार ने जो रणनीति अपनाई है, उसका नाम है -
(अ) प्रक्रियागत सुधार
(ब) बार्बेल रणनीति
(स) व्यापक आर्थिक रणनीति
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर - (ब)

25. 31 दिसम्बर 2021 तक बैंक ऋण में कितने प्रतिशत की वृद्धि आंकलित की गई है -
(अ) 9.2
(ब) 6.8
(स) 8.2
(द) 4.6
उत्तर - (अ)

26. वर्ष 2020-21 में प्रतिदिन सड़क निर्माण कितने किलोमीटर हुआ -
(अ) 30
(ब) 36.5
(स) 40
(द) 42
उत्तर - (ब)

27. वर्ष 2021-22 में उद्योग में विकास की दर का अनुमान है -
(अ) 9.2 प्रतिशत
(ब) 11.8 प्रतिशत
(स) 10 प्रतिशत
(द) 15 प्रतिशत
उत्तर - (अ)

28. वर्ष 2021-22 में सेवा क्षेत्र में विकास की दर कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है -
(अ) 8.2 प्रतिशत
(ब) 11.8 प्रतिशत
(स) 10 प्रतिशत
(द) 15 प्रतिशत
उत्तर - (अ)

29. वर्ष 2021-22 में सकल स्थायी पूंजी निर्माण में कितने प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है -
(अ) 8.2 प्रतिशत
(ब) 15 प्रतिशत
(स) 10 प्रतिशत
(द) 12 प्रतिशत
उत्तर - (ब)

30. आर्थिक समीक्षा के अनुसार वर्ष 2021-22 में रेपो दर कितने प्रतिशत थी -
(अ) 4 प्रतिशत
(ब) 6 प्रतिशत
(स) 5 प्रतिशत
(द) 7 प्रतिशत
उत्तर - (अ)

31. आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार भारत विश्व में वनक्षेत्र में किस स्थान पर है -
(अ) प्रथम
(ब) द्वितीय
(स) पांचवां
(द) दसवां
उत्तर - (द)

32. 2010 से 2020 के दौरान वनक्षेत्र वृद्धि के मामले में 2020 में भारत का विश्व में कौन सा स्थान रहा -
(अ) प्रथम
(ब) द्वितीय
(स) तृतीय
(द) चतुर्थ
उत्तर - (स)

33. नीति आयोग एसडीजी इंडिया सूचकांक तथा डैशबोर्ड पर भारत का समग्र स्कोर 2020-21 में कितना था -
(अ) 60
(ब) 57
(स) 66
(द) 68
उत्तर - (स)
व्याख्या - वर्ष 2019-20 में यह 60 तथा 2018-19 में 57 था।

34. वर्तमान में यूनिकॉर्न स्टार्ट अप की संख्या है -
(अ) 44
(ब) 83
(स) 85
(द) 100
उत्तर - (ब)
व्याख्या - यह आंकड़ा आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार है। अधिकतर स्टॉर्ट अप सेवाक्षेत्र के हैं।

35. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार 2019-21 में कुल प्रजनन दर थी -
(अ) 2.2
(ब) 2
(स) 1.8
(द) 1.5
उत्तर - (ब)
व्याख्या - 2015-16 में यह 2.2 थी।

36. वर्ष 2021-22 में नए स्टार्ट अप के साथ भारत का विश्व में कौन सा स्थान हो गया -
(अ) प्रथम
(ब) द्वितीय
(स) तृतीय
(द) चतुर्थ
उत्तर - (स)
व्याख्या - भारत में 14 हजार से अधिक स्टार्ट अप हो गए हैं। अमेरिका और चीन के बाद भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम बना।

37. वर्ष 2020-21 में सरकार का स्वास्थ्य क्षेत्र पर बजटीय व्यय जीडीपी का कितने प्रतिशत रहा -
(अ) 2.1 प्रतिशत
(ब) 2.2 प्रतिशत
(स) 2 प्रतिशत
(द) 2.8 प्रतिशत
उत्तर - (अ)

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं)

स्मृति शेष

सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का निधन एक युग का अवसान है

सुर साम्राज्ञी भारत रत्न लता मंगेशकर का महाप्रयाण स्वर माधुर्य के एक ऐसे युग का अवसान है जिसके मोह में करोड़ों प्रशंसक मुग्धता के चरम में बंधे थे। किसी ने कितना सही लिखा है कि उनके देहावसान के एक दिन पहले देश में वीणावादिनी माँ सरस्वती की सर्वत्र पूजा-आराधना हुई थी और जब माँ विदा हुई तो इस बार वे अपनी सबसे प्रिय पुत्री और परम आराधिका को अपने साथ ले गईं जैसे इस बार वे उन्हें ले जाने के लिए ही स्वयं आई थीं। मृत्यु सदैव शोक का विषय नहीं होती। मृत्यु जीवन की पूर्णता को भी दिखाती है और देह के नश्वर होने की अनुभूति भी करवाती है। लताजी का जीवन सुरों का प्रवाह था तो उनकी मृत्यु सुरों का पूर्ण विराम थी।

पाँच पीढ़ियों ने उन्हें मंत्रमुग्ध होकर सुना

तिरानवे वर्ष का इतना सार्थक और दिव्यता से परिपूर्ण जीवन विरलों को ही प्राप्त होता है। लगभग पाँच पीढ़ियों ने उन्हें मंत्रमुग्ध होकर सुना है और हृदय से सम्मान दिया है। उनके पारिवारिक जीवन को देखें तो उनके पिता ने जब अपने अंतिम समय में घर की बागडोर उनके हाथों में थमाई थी, तब वह तेरह वर्ष की थीं, नन्ही जान के कंधे पर छोटे-छोटे चार बहन-भाइयों के पालन की जिम्मेदारी थी। लता जी ने अपना समस्त जीवन उन चारों को ही समर्पित कर दिया। और जब वे गयी हैं तो उनका परिवार भारत के सबसे सम्मानित प्रतिष्ठित परिवारों में से एक है। किसी भी व्यक्ति का जीवन इससे अधिक सफल क्या होगा? भारत पिछले दशकों से लता जी के गीतों के साथ जी रहा है। हर्ष में, विषाद में, ईश्वर भक्ति में, राष्ट्र भक्ति में, प्रेम में, परिहास में हर भाव में लता जी का स्वर हमारा स्वर बना है। लता जी गाना गाते समय चप्पल नहीं पहनती थीं। गाना उनके लिए ईश्वर की पूजा करने जैसा ही था। कोई उनके घर जाता तो उसे अपने माता-पिता की तस्वीर और घर में बना अपने आराध्य का मन्दिर दिखाती थीं। बस इन्ही तीन चीजों को विश्व को दिखाने लायक समझा था उन्होंने। सोच कर देखिये, कैसा दार्शनिक भाव है यह... इन तीन के अतिरिक्त सचमुच और कुछ महत्वपूर्ण नहीं होता संसार में। सब आते-जाते रहने वाली चीजें हैं।

भजन से आरम्भ सुरयात्रा भजन पर ही थमी

कितना अद्भुत संयोग है कि अपने लगभग सत्तर वर्ष के गायन कॅरियर में लगभग 36 भाषाओं में हर रस और भाव के पचास हजार से भी अधिक गीत गाने वाली लता जी ने अपना पहले और अंतिम हिन्दी फिल्मी गीत के रूप में भगवान का भजन ही गाया है। "ज्योति कलश छलके" से "दाता सुन ले.." तक कि यात्रा का सौंदर्य यही है कि लताजी न कभी अपने कर्तव्य से डिगीं न अपने धर्म से! इस महान यात्रा के पूर्ण होने पर हम सब का रोम-रोम आपको प्रणाम करता है लता जी। लता मंगेशकर भारत की सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय पार्श्वगायिका थीं जिन्होंने कई फिल्मी और गैर फिल्मी यादगार गीत गाए हैं। लता मंगेशकर ने एक हजार से ज्यादा हिन्दी फिल्मों में गीत गाए हैं। मुख्यतः उन्होंने हिंदी, मराठी और बंगाली में गाने गाए हैं। वे छत्तीस से ज्यादा भाषाओं में हज़ारों गीत गा चुकी हैं जो अपने आप में एक कीर्तिमान है।

मध्यप्रदेश के इन्दौर में जन्मीं लता परिवार में सबसे बड़ी थीं

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितम्बर 1929 को इन्दौर (मध्यप्रदेश) में हुआ था। लता पण्डित दीनानाथ मंगेशकर और शेवंतीदेवी की बड़ी बेटी थीं। लता के पिता पण्डित दीनानाथ मंगेशकर एक मराठी संगीतकार, शास्त्रीय गायक और थिएटर एक्टर थे जबकि माँ गुजराती थीं। पण्डित दीनानाथजी का सरनेम हार्डीकर था जिसे बदल कर उन्होंने मंगेशकर कर दिया। वे गोवा में मंगेशी के रहने वाले थे और इसके आधार पर उन्होंने अपना नया सरनेम चुना। लता के जन्म के समय उनका नाम हेमा रखा गया था जिसे बदल कर लता कर दिया गया। यह नाम दीनानाथ को अपने नाटक 'भावबंधन' के एक महिला किरदार लतिका के नाम से सूझा। लता के बाद मीना, आशा, उषा और हृदयनाथ का जन्म हुआ। बचपन से ही लता को घर में गीत-संगीत और कला का माहौल मिला और वे उसी ओर आकर्षित हुईं। पाँच वर्ष की उम्र से ही लता को उनके पिता संगीत का पाठ पढ़ाने लगे। उनके पिता के नाटकों में लता अभिनय भी करने लगीं। लता को स्कूल भी भेजा गया, लेकिन पहले ही दिन उनकी टीचर से अनबन हो गई। लता अपने साथ अपनी छोटी बहन आशा को भी स्कूल ले गईं। टीचर ने आशा को कक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी इससे लता को गुस्सा आ गया और वे फिर कभी स्कूल नहीं गईं। उनके पिता की जब मृत्यु हुई तब लता मात्र तेरह वर्ष की थीं। लता पर परिवार का बोझ आ गया। नवयुग चित्रपट मूवी कंपनी के मालिक मास्टर विनायक और मंगेशकर परिवार के नजदीकी लोगों ने लता का कॅरियर गायिका और अभिनेत्री के रूप में सँवारने के लिए मदद की।

लता को अभिनय पसंद नहीं था, लेकिन पैसों की तंगी के कारण उन्होंने कुछ हिंदी और मराठी फिल्मों में अभिनय किया। मंगला गौर (1942), माझे बाल (1943), गजभाऊ (1944), बड़ी माँ (1945), जीवन यात्रा (1946) जैसी फिल्मों में लता ने छोटी-मोटी भूमिकाएं अदा कीं।

मराठी फिल्मों से मिला हिन्दी फिल्मों में पार्श्वगायन का अवसर

लता को सदाशिवराव नेवरेकर ने एक मराठी फिल्म में गाने का अवसर वर्ष 1942 में दिया। लता ने गाना रिकॉर्ड भी किया, लेकिन फिल्म के फाइनल कट से वो गाना हटा दिया गया। लेकिन वर्ष 1942 में ही रिलीज हुई मंगला गौर में लता की आवाज सुनने को मिली। इस गाने की धुन दादा चांदेकर ने बनाई थी। वर्ष 1943 में प्रदर्शित मराठी फिल्म 'गजभाऊ' में लता ने हिंदी गाना "माता एक सपूत की दुनिया बदल दे तू" गाया। फिर वर्ष 1945 में लता मंगेशकर मुंबई आ गईं और इसके बाद उनका कॅरियर आकार लेने लगा। वहाँ पर उन्होंने भिंडी बाजार घराना के उस्ताद अमन अली खान से भारतीय शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया। फिल्म बड़ी मां (1945) में गाए भजन "माता तेरे चरणों में" और 1946 में रिलीज हुई "आपकी सेवा में" लता द्वारा गाए गीत "पा लागूं कर जोरी" ने लोगों का ध्यान लता की ओर खींचा। वसन्त देसाई और गुलाम हैदर जैसे संगीतकारों के सम्पर्क में लता आईं और उनका कॅरियर निखरने लगा। गुलाम हैदर लता के मेंटर (मार्गदर्शक) बन गए। वे लता को दिग्गज फिल्म निर्माता शशिधर मुखर्जी के पास ले गए जो उस समय "शहीद" (1948) नामक फिल्म बना रहे थे। हैदर ने लता को लेने की सिफारिश मुखर्जी से की। लता को सुनने के बाद मुखर्जी ने यह कहते हुए लता को लेने से इंकार कर दिया कि लता की आवाज बहुत पतली है। इससे हैदर भड़क गए। वे लता की प्रतिभा को पहचान चुके थे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लता छा जाएगी और ये सारे निर्माता-निर्देशक लता के चरणों में गिर कर लता से अपनी फिल्मों में गाने की मिन्नत करेंगे। गुलाम हैदर ने लता से 'मजबूर' (1948) में एक गीत "दिल मेरा तोड़ा, मुझे कहीं का ना छोड़ा" गवाया। यह गीत लता का पहला हिट माना जा सकता है। गुलाम हैदर ने लता में जो प्रतिभा देखी थी इसका जिक्र अक्सर लता करती रही हैं। लता के अनुसार गुलाम हैदर उनके सही मायनों में गॉडफादर थे और उन्हें लता की प्रतिभा में पूरा विश्वास था।

पार्श्वगायन में पैर जमाने के लिए विकसित की विशिष्ट शैली

लता जब पार्श्वगायन के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना रही थीं तब नूरजहाँ, शमशाद बेगम जैसी गायिकाओं का बोलबाला था। लता पर भी इन गायिकाओं का प्रभाव था और वे उसी शैली में गाती थीं। लता समझ गईं कि यदि उन्हें आगे बढ़ना है तो अपनी शैली विकसित करनी होगी और तब उन्होंने यही किया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के उच्चारण सीखे। वर्ष 1949 में एक फिल्म रिलीज हुई "महल" इसमें खेमचंद प्रकाश ने लता से "आएगा आने वाला"...गीत गवाया जिसे मधुवाला पर फिल्माया गया था। यह गीत सुपरहिट रहा। इस गीत ने एक तरह से ऐलान कर दिया कि आएगा आने वाला आ चुका है। यह गीत लता के बेहतरीन गीतों में से एक माना जाता है और आज भी सुना जाता है। इस गीत की कामयाबी के बाद लता ने फिर पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

पचास से सत्तर के दौर में आये लता के एक से बढ़कर एक गीत

वर्ष 1950 से 1970 का दौर भारतीय फिल्म संगीत के लिए बेहतरीन समय माना जाता है। जब एक से बढ़कर एक गायक, संगीतकार, गीतकार और फिल्मकार थे। सबने मिल कर बेहतरीन फिल्में और संगीत रचा और लता मंगेशकर के स्वरों में ढल कर एक से बढ़कर एक गीत सुनने को मिले। अनिल बिस्वास, शंकर जयकिशन, सचिनदेव बर्मन, नौशाद, हुस्नलाल भगतराम, सी. रामचंद्र, सलिल चौधरी, सज्जाद-हुसैन, वसन्त देसाई, मदन मोहन, खय्याम, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकान्त-प्यारेलाल, राहुल देव बर्मन जैसे नामी संगीतकार मधुर धुनों का निर्माण कर रहे थे और लता मंगेशकर सभी की पहली पसंद थीं। इन संगीतकारों के साथ लता ने अनेक यादगार गीत गाए जिनकी लोकप्रियता की कोई सीमा नहीं रही। लता की आवाज का माधुर्य आम जन के सिर चढ़ कर बोला और लता मंगेशकर देखते ही देखते चोटी की गायिका बन गईं। महिला गायिकाओं में उनके इर्द-गिर्द कोई भी नजर नहीं आता था।

गायन की विशिष्ट शैली ने ही लता मंगेशकर को विशेष बनाया

हर गाने को लता अपनी विशिष्ट गायन शैली से विशेष बना देती थीं। चाहे वो रोमांटिक गाना हो, राग आधारित हो, भजन हो या देशभक्ति से ओतप्रोत गाना हो। दीदार, बैजू बावरा, उड़न खटोला, मदर इंडिया, बरसात, आह, श्री 420, चोरी चोरी, सज़ा, हाउस नं 44, देवदास, मधुमति, आज़ाद, आशा, अमरदीप, बागी, रेलवे प्लेटफॉर्म, देख कबीरा रोया, चाचा जिंदाबाद, मुगल-ए-आजम, दिल अपना और प्रीत पराई, बीस साल बाद, अनपढ़, मेरा साया, वो कौन थी, आए दिन बहार के, मिलन, अनिता, शागिर्द, मेरे हमदम मेरे दोस्त, दो रास्ते, जीने की राह जैसी सैकड़ों फिल्मों में लता ने मधुर नगमे गाए। संगीतकार लता के पास कठिन से कठिन गीत लाते थे और लता बड़ी आसानी से उन्हें गा देती थी। राजकपूर, विमल रॉय, गुरुदत्त, मेहबूब खान, कमाल अमरोही जैसे दिग्गज फिल्मकार की पहली पसंद लता ही रहीं। लगभग सात दशक से भारतीय फिल्में लता के गीतों से आपूरित रहीं। मधुवाला से लेकर माधुरी दीक्षित तक तमाम हीरोइनों को उन्होंने अपनी आवाज दी। लता की आवाज कभी भी किसी भी अभिनेत्री पर मिसफिट नहीं लगी। शाहरुख खान ने तो एक बार लता के सामने कहा भी था कि काश उन पर भी कोई लता की आवाज में गीत फिल्माया जाता। लता मंगेशकर हमेशा अपने सौम्य स्वभाव के लिए जानी गईं। तमाम फिल्म निर्माता, निर्देशक, संगीतकार, गायक, हीरो, हीरोइनों से उनके पारिवारिक रिश्ते रहे। दिलीप कुमार, राजकपूर, देव आनंद, अमिताभ बच्चन, यश चोपड़ा, राहुलदेव बर्मन, मुकेश, किशोर कुमार से उनके घनिष्ठ संबंध रहे। पीढ़ी दर पीढ़ी उनके संबंध मधुर रहे। लता को हर किसी ने अपने परिवार का ही हिस्सा माना।

अपने गायन की गुणवत्ता को लताजी ने हमेशा बनाये रखा

वर्ष 1970 से फिल्म संगीत के स्तर में गिरावट आना शुरू हो गई थी, लेकिन लता ने अपने आपको इससे बचाए रखा। उनके गाने क्वालिटी लिए होते थे और वे सफलता के शीर्ष पर बनी रहीं। इस दौर में भी उन्होंने पाकीज़ा, प्रेम पुजारी, अभिमान, हंसते जख्म, हीर रांझा, अमर प्रेम, कटी पतंग, आंधी, मौसम, लैला मजनूं, दिल की राहें, सत्यम शिवम सुंदरम जैसी कई फिल्मों में यादगार गीत गाए। अस्सी के दशक में कई नए संगीतकार उभर कर आये। अनु मलिक, शिव हरि, आनन्द-मिलिन्द, राम-लक्ष्मण ने भी लता से गीत गवाना पसंद किया। सिलसिला, फासले, विजय, चांदनी, कर्ज, एक दूजे के लिए, आसपास, अर्पण, नसीब, क्रांति, संजोग, मेरी जंग, राम लखन, रॉकी, फिर वही रात, अगर तुम न होते, बड़े दिल वाला, मासूम, सागर, मैंने प्यार किया, बेताब, लव स्टोरी, राम तेरी गंगा मैली जैसी सैकड़ों फिल्म में लता के गाए गीत गली-गली गूंजते रहे। यद्यपि 90 के दशक में लता ने गाना कम कर दिया। इस दौर में भी डर, लम्हें, दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे, दिल तो पागल है, मोहब्बतें, दिल से, पुकार, ज़ुबैदा, रंग दे बसंती, 1942 ए लव स्टोरी जैसी फिल्मों में लता को सुनने को मिला। हालांकि वे समय-समय पर कहती भी रहीं कि आज के दौर के संगीतकार उनके पास अच्छे गीत का प्रस्ताव लाते हैं तो उन्हें गीत गाने में कोई समस्या नहीं है।

लता मंगेशकर के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार उनका श्रोतावर्ग था

लता मंगेशकर को ढेरों पुरस्कार और सम्मान मिले। जितने मिले उससे ज्यादा के लिए उन्होंने मना भी किया। वर्ष 1970 के बाद उन्होंने फिल्म फेयर को कह दिया कि वे सर्वश्रेष्ठ गायिका का पुरस्कार नहीं लेंगी और उनकी बजाय नए गायकों को अब यह दिया जाना चाहिए। लता को मिले प्रमुख सम्मान और पुरस्कार में भारत रत्न तो सर्वोपरि है ही क्योंकि यह देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। लता मंगेशकर को फिल्म फेयर पुरस्कार 1959, 1963, 1966, 1970, 1994, 1995 में दिये गये। आपको श्रेष्ठ पार्श्वगायन के लिए तीन राष्ट्रीय पुरस्कार वर्ष 1972, 1974, और 1990 में प्रदान किए गये। आपको महाराष्ट्र सरकार फिल्म पुरस्कार वर्ष 1966, 1977, 1997 और 2001 में दिया गया। वर्ष 1974 में सबसे अधिक गीत गाने का गिनीज़ बुक रिकॉर्ड, वर्ष 1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार, वर्ष 1993 में फिल्म फेयर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, वर्ष 1996 में स्क्रीन का लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, वर्ष 1999 में एन.टी.आर. पुरस्कार सहित अनेक सम्मान प्राप्त हुए थे।

- राजा दुबे
(लेखक, जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कृषि के क्षेत्र में कॅरियर के बेहतर मौके

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

जिस तरह से सरकार कृषि क्षेत्र को लगातार तेजी से प्रोत्साहन दे रही है, उससे कृषि सेक्टर में कॅरियर के मौके लगातार तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। 10वीं के बाद एग्रीकल्चर के अलावा फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ्स या फिजिक्स केमेस्ट्री और बायोलॉजी विषय समूह रखने वाले छात्र भी कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कॅरियर बना सकते हैं। कृषि के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 12वीं के बाद राज्य स्तर पर प्रवेश परीक्षाओं के अलावा केंद्रीय स्तर पर अखिल भारतीय कृषि प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है।

कृषि सेक्टर की जीडीपी बढ़ने से बढ़ रहे हैं कृषि क्षेत्र में कॅरियर

देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र के मजबूत योगदान के कारण

इस क्षेत्र में कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं। इन दिनों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के कृषि विकास से संबंधित रिपोर्टों में यह तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि पिछले 6-7 वर्षों में सरकार के द्वारा कृषि विकास के लिए एक के बाद एक जो रणनीतिक कदम उठाए गए, उनसे जहां एक ओर भारत में कृषि क्षेत्र अधिक प्रतिस्पर्धी एवं लाभदायक बन रहा है, वहीं दूसरी ओर छोटे किसान अधिक लाभांवित हो रहे हैं। इससे जीडीपी में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती जा रही है। यह हिस्सेदारी पिछले 17 साल में पहली बार वर्ष 2020-21 में 20 फीसदी की ऊंचाई पर पहुंच गई है। चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली और दूसरी तिमाही के बीच भी कृषि में 4.5 फीसदी विकास दर रही है, जोकि कोविड पूर्व स्तर की तुलना में सबसे ज्यादा है।

इस समय देश के कृषि क्षेत्र में लगातार जीडीपी बढ़ने के लिए कृषि क्षेत्र की कई अनुकूलताएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रही हैं। कृषि उत्पादन को तेजी से बढ़ाने के नये प्रोत्साहन, किसानों को उनकी फसलों के अच्छे मूल्य, छोटे किसानों की मजबूती की योजनाएं, किसानों को सरल ऋण सुविधा आदि इनमें प्रमुख हैं। देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन एवं खाद्यान्न निर्यात के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। वर्ष 2020-21 में खाद्यान्न उत्पादन करीब 30.86 करोड़ टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर दिखाई दे रहा है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.11 करोड़ टन अधिक है। वर्ष 2020-21 के दौरान देश में कुल तिलहन उत्पादन रिकॉर्ड 36.10 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2019-20 के उत्पादन की तुलना में 2.88 मिलियन टन अधिक है। इसी तरह वर्ष 2020-21 में दालों का उत्पादन 2 करोड़ 57 लाख टन रह सकता है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 36 लाख टन ज्यादा है।

किसानों के सशक्तिकरण के साथ कृषि में बढ़े रोज़गार के मौके

उल्लेखनीय है कि रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित विभिन्न आर्थिक संगठनों की नई रिपोर्टों के

मुताबिक भारत के लिए कृषि एवं ग्रामीण विकास की अहमियत बढ़ गई है। देश में फसलों के लिए किसानों को लाभप्रद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिए जा रहे हैं। सरकार के द्वारा किसानों को दी गई पीएम किसान सम्मान निधि, जनधन खातों में ट्रांसफर किए जाने जैसे कदमों से एक जनवरी 2022 तक 11 करोड़ से अधिक किसानों की मुट्ठियों में करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये बड़ी धनराशि पहुंच चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में उर्वरक, बीज, कृषि रसायन, ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण जैसी कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई वस्तुओं के साथ-साथ उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में भी तेजी से वृद्धि दिखाई दे रही है। 1 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 10वीं किस्त के तहत 10 करोड़ 9 लाख लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में 20946 करोड़ रुपए ट्रांसफर करके किसानों को बड़ा तोहफा दिया है।

कृषि एवं ग्रामीण विकास के बुनियादी ढांचे में कॅरियर के मौके

निःसंदेह वर्ष 2020 और 2021 में देश में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत जिस तरह कृषि एवं ग्रामीण विकास के बुनियादी ढांचे और कृषि सुधारों के जो प्रयास किए गए हैं, उनसे रोज़गार के मौके बढ़े हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए जिस एक लाख करोड़ रुपये की वित्त पोषण सुविधा को लॉन्च किया है। कृषि ऋण समितियों, किसान समूहों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि-उद्यमियों, स्टार्टअप्स और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्योग लगाने के लिए 2 करोड़ रुपये तक की क्रेडिट गारंटी सरकार लेती है और ब्याज में रियायत दी जाती है। इस समय ग्रामीण भारत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजूबत बनाने के लिए कई बातों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। किसानों को कृषि उत्पादन के लिए जरूरी सामान खरीदने के लिए पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के छोटे और कुटीर उद्योगों को सरल ऋण मिलना भी सुनिश्चित किया जा रहा है। खराब होने वाले कृषि उत्पादों जैसे फलों और सब्जियों के लिए लॉजिस्टिक्स सुदृढ़ किया जा रहा है। जिससे किसानों को बेहतर मुनाफा दिया जा सकेगा। खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए अतिरिक्त कार्यशील पूंजी ऋण मुहैया कराई जा रही है, जिससे वे कच्चे माल की खरीद कर सकें।

यह भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2021 में किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए किसानों को करीब 16 लाख करोड़ रुपये का आसान ऋण उपलब्ध कराया गया है। किसानों की जमीनों को सुरक्षा देने के लिए उन्हें 22 करोड़ सॉयल हेल्थ कार्ड दिए गए हैं। देश में 86 प्रतिशत छोटे किसान हैं, जिनकी ताकत बढ़ाने के लिए 6,850 करोड़ रुपये के खर्च से 10 हजार एफपीओ बनाना प्रारंभ किया गया है, वहीं किसानों को वाजिब दाम दिलाने व उनकी माली हालत सुधारने तथा सभी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध कराने के लिए कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। देश में कृषि क्षेत्र की प्रगति में कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और वैज्ञानिकों की भूमिका और महत्वपूर्ण बनाई जा रही है, फसलों में विविधीकरण और उन्नत बीजों के अविष्कार में इनकी प्रभावी भूमिका रही है। इन सबके कारण किसानों की क्रय शक्ति बढ़ी हैं और ग्रामीण बाजारों में रोज़गार के मौके बढ़े हैं।

कृषि निर्यात में कॅरियर के मौके

कोविड-19 की आपदाओं के बीच जहां भारत ने वैश्विक स्तर पर दुनिया के

जरूरतमंद देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है, वहीं दुनियाभर में कृषि उत्पादों के निर्यात बढ़ाने का अवसर भी मुट्ठियों में लिया है। उससे भी कृषि निर्यात के विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार के मौके बढ़े हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कई खाद्य निर्यातक देश वर्ष 2020 और 2021 में कोविड-19 के व्यवधानों के कारण चावल, गेहूं, मक्का और अन्य कृषि पदार्थों का निर्यात करने में पिछड़ गए, ऐसे में भारत ने इस अवसर का दोहन करके कृषि निर्यात तेजी से बढ़ा दिए। भारत से अनाज, गैर-बासमती चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। भारत के कृषि उत्पादों के बड़े बाजारों में अमेरिका, चीन, बांग्लादेश, वियतनाम, इंडोनेशिया, नेपाल, ईरान और मलेशिया शामिल हैं। कई छोटे देशों के बाजार भी मुट्ठियों में आए हैं।

उल्लेखनीय है कि विश्व बाजार में पिछले दो वर्षों 2020 और 2021 में भारत के मसालों की खुशबू की धमक बहुत अधिक बढ़ी है। कोरोना काल के दौरान मसालों की मांग स्वास्थ्य के पूरक के रूप में होने से इनकी निर्यात मांग में जबर्दस्त वृद्धि दर्ज की गई है। मिर्च, अदरक, हल्दी और जीरे वाली फसलों का निर्यात शानदार रहा है। चूंकि देश में मसाले की खेती में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा गया, अतएव इसका असर वैश्विक बाजार में मसालों के निर्यात पर पड़ा है। वर्ष 2014-15 में जहां 67.64 लाख टन मसालों का उत्पादन किया गया था, वहीं यह वर्ष 2020-21 में बढ़कर 1.07 करोड़ टन हो गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि मसाला निर्यात से वर्ष 2020-21 में कुल 29,535 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई। जबकि वर्ष 2014-15 में मसाले के निर्यात से मात्र 14,899 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा मिली थी।

स्थिति यह है कि अरब-ब्राजील चैंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट 2021 के मुताबिक पहली बार 22 अरब राष्ट्रों के लिए ब्राजील व अन्य देशों को पीछे करते हुए भारत सबसे बड़ा कृषि निर्यातक देश बन गया है। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रुझान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है। देश के कुल निर्यात में कृषि की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत से अधिक हो गयी।

कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक सरकार ने नई कृषि निर्यात नीति के तहत ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया है। निर्यात किए जाने वाले कृषि जिंसों के उत्पादन व घरेलू दाम में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए रणनीतिक कदम उठाए हैं। पिछले वर्ष 2020 से शुरू हुई किसान ट्रेनों ने भी कृषि निर्यात बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। चालू वित्त वर्ष 2021-22 में कृषि निर्यात के अधिक रणनीतिक प्रयासों के कारण निर्यात बढ़कर 43 अरब डॉलर के स्तर को भी पार करते हुए दिखाई दे सकता है। तेजी से बढ़ते कृषि निर्यात के विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार मौके तेजी से बढ़ रहे हैं।

प्राकृतिक खेती में रोज़गार के मौके

वर्ष 2022 से देश में प्राकृतिक खेती को विशेष प्राथमिकता दिए जाने से प्राकृतिक खेती रोज़गार का अच्छा माध्यम बनते हुए दिखाई दे रही है। 16 दिसबर 2021 को गुजरात के आणंद में प्राकृतिक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी खेती को कैमिस्ट्री की लैब से निकालकर प्रकृति की प्रयोगशाला से जोड़ना होगा। प्राकृतिक खेती से सबसे अधिक फायदा देश के 80 फीसदी ऐसे छोटे किसानों को होगा, जिनके पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि है। इनमें से अधिकांश किसानों का काफी खर्च केमिकल फर्टिलाइजर पर होता है। अगर वो प्राकृतिक खेती की तरफ मुड़ेंगे तो उनकी स्थिति और बेहतर होगी। वस्तुतः केमिकल फर्टिलाइजर के प्रयोग से उत्पादित कृषि वस्तुएं भी विषैली होने से अछूती नहीं रही हैं। इतना ही नहीं बीज, खाद, पानी की लागत बढ़ने और बाजार की उपेक्षा से किसान ऋण के जाल में फंसते गए हैं। मिट्टी की उर्वरता में गिरावट की वजह से कृषि के आधुनिक मॉडल को भारत में क्रियान्वित किया जाना हानिप्रद हो गया है। चूंकि औसत खेत का जो आकार 1970-71 में 2.28 हेक्टेयर था, वह लगातार कम होते हुए 2015-16 में 1.08 हेक्टेयर रह गया है। ऐसे में छोटे आकार के खेत मशीनीकरण के अनुकूल नहीं है और छोटे आकार के खेत कम उत्पादकता प्रदर्शित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चूंकि भारतीय कृषि में अधिकतर भूजल का उपयोग होता है और भारत की पहचान पानी की कमी वाले देश के रूप में की जाती है। ऐसे में भूमि उत्पादकता के स्थान पर जल संरक्षण उपायों के माध्यम से सिंचाई जल उत्पादकता पर ध्यान केंद्रित करके कम आकार के छोटे खेतों को लाभदायकता दी जा सकती है। ऐसे में प्राकृतिक खेती अधिक रोज़गार के मौके देते हुए दिखाई दे सकती है।

कृषि सेक्टर में कॅरियर के लिए शैक्षणिक जरूरतें और जरूरी स्किल्स

वस्तुतः कृषि के क्षेत्र में प्रोफेशनल डिग्रियों के बाद कॅरियर के बेहतर मौके बढ़ जाते हैं। ऐसे कॅरियर के लिए 10वीं के बाद एग्रीकल्चर के अलावा फिजिक्स केमेस्ट्री और मैथ्स या फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी विषय समूह चुने जाने पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। कृषि के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 12वीं के बाद राज्य स्तर पर प्रवेश परीक्षाओं के अलावा केंद्रीय स्तर पर अखिल भारतीय कृषि प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। कृषि के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के माध्यम से बहुत अच्छे कॅरियर की ओर आगे बढ़ा जा सकता है।

जैसे-जैसे खेतों और किसानों तक नई टेक्नोलॉजी पहुंच रही है, वैसे-वैसे एग्रीकल्चर सब्जेक्ट अच्छे कॅरियर का विकल्प बनता जा रहा है। कृषि क्षेत्र के विभिन्न कोर्स के बाद देश ही नहीं दुनिया में कॅरियर बनाया जा सकता है। अतएव यदि आपकी रुचि आधुनिक कृषि, फूड टेक्नोलॉजी, डेरी टेक्नोलॉजी, फूड इंजीनियरिंग, फिशरीज साइंस, फ्लोरीकल्चर, हार्टिकल्चर, वेटरनरी साइंस, एग्रीकल्चर रिसर्च जैसे विषयों में है तो कृषि सेक्टर में कॅरियर की तरफ कदम बढ़ाए जाने चाहिए।

कृषि सेक्टर से संबंधित प्रमुख पाठ्यक्रम

एग्रीकल्चर में कॅरियर बनाने के लिए बारहवीं उत्तीर्ण छात्रों हेतु कई प्रमुख पाठ्यक्रम

हैं। इनमें बीएससी इन एग्रोनॉमी, बीएससी इन एग्रीकल्चरल ईको एंड फार्म मैनेजमेंट, बीएससी इन एग्रीकल्चरल मीटिओरोलॉजी, बीएससी इन एग्रीकल्चरल बायो टेक्नोलॉजी, बीएससी इन एग्रीकल्चरल स्टेटिस्टिक्स, बीएससी इन एग्रोनॉमी, बीएससी इन एग्रीकल्चरल मार्केटिंग एंड बिजनेस मैनेजमेंट, बीएससी इन बायो केमेस्ट्री एंड एग्रीकल्चरल केमेस्ट्री, बीएससी इन क्रॉप फिजियोलॉजी, बीएससी इन एनटोमोलॉजी, बीएससी ऑनर्स इन एग्रीकल्चर। यदि आप कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नए मौकों को मुट्ठियों में लेना चाहते हैं, तो कृषि स्ट्रीम को चुनकर इस क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बनाने की डगर पर आगे बढ़ें।

मध्यप्रदेश एवं देश के विभिन्न कृषि से सम्बद्ध विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में कृषि के डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएशन के कोर्स उपलब्ध हैं। आप उपयुक्तता के अनुरूप अच्छे शैक्षणिक संस्थान का चयन करके कृषि के क्षेत्र में कॅरियर की राह पर आगे बढ़ें और कृषि क्षेत्र के विभिन्न कॅरियर में से अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप सबसे उपयुक्त कॅरियर को अपनी मुट्ठियों में लें।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

खेल चर्चा

चीन ने नौवीं बार जीता एएफसी महिला एशिया कप

मुंबई, चीन की महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में चीन ने दक्षिण कोरिया को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया। चीन ने सर्वाधिक नौवीं बार यह टूर्नामेंट जीता है। फाइनल मुकाबले में चीन की टीम एक समय 2-0 से पीछे थी। दक्षिण कोरिया की चोए यूरी ने मैच के 27वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद जी सो युन ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में पेनाल्टी पर गोल कर दक्षिण कोरिया की बढ़त दो गुना की। इसके बाद दूसरे हाफ में चीन ने जबरदस्त वापसी की। चीन के लिये 68वें मिनट में जियाली तांग, 72वें मिनट में लिनयान झांग और इंजरी टाइम (90+3) में जियाओ युयी ने गोल किये।

पॉल कोलिंगवुड बने इंग्लैंड के अंतरिम कोच

लंदन, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पूर्व कप्तान पॉल कोलिंगवुड को अपनी राष्ट्रीय टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। कोलिंगवुड वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम का मार्गदर्शन करेंगे। कोलिंगवुड को क्रिस सिल्वरवुड की जगह अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया है। ईसीबी ने एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से मिली 4-0 की करारी हार के बाद सिल्वरवुड ने इस्तीफा दे दिया था। कोलिंगवुड को जनवरी में वेस्टइंडीज दौरे पर वन-डे और ट्वेंटी-20 सीरीज खेलने गई इंग्लिश का अंतरिम कोच बनाया गया था। अब इंग्लैंड की टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने वेस्टइंडीज जायेगी। कोलिंगवुड ने इंग्लैंड के लिये 68 टेस्ट, 197 वन-डे और 36 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं।

गेंदबाज हसनैन अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिये निलंबित

लाहौर, पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद हसनैन को गलत गेंदबाजी एक्शन के कारण क्रिकेट से निलंबित किया गया है। ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग के दौरान अंपायर्स ने 21 वर्षीय हसनैन के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत की थी। इसके बाद 21 जनवरी को लाहौर में उनके गेंदबाजी एक्शन की जांच की गई। जांच में हसनैन का गेंदबाज एक्शन संदिग्ध पाया गया। जांच में पाया गया कि हसनैन गुडलेंथ, बाउंसर और फुल लेंथ बॉल फेंकते समय आईसीसी द्वारा निर्धारित 15 डिग्री नियमों का पालन नहीं करते हैं।

जस्टिन लैंगर ने ऑस्ट्रेलियाई टीम का कोच पद छोड़ा

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। लैंगर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ हुई लंबी बैठक के बाद यह अप्रत्याशित फैसला लिया। लैंगर पिछले चार वर्षों से ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य कोच थे। लैंगर के मार्गदर्शन में ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप तथा पिछले महीने एशेज सीरीज पर कब्जा किया था। लैंगर के इस्तीफे के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एंड्रयू मैक्डॉनल्ड को अंतरिम कोच नियुक्त किया है। मैक्डॉनल्ड इससे पहले टीम के सहायक कोच थे। माना जा रहा है कि लैंगर और ऑस्ट्रेलियाई टीम के सीनियर खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव की वजह से लैंगर ने इस्तीफा दिया है।

आईसीसी अंडर-19 विश्वकप

भारत ने पांचवीं बार किया खिताब पर कब्जा

- **भारत ने सर्वाधिक पांच बार जीता है आईसीसी अंडर-19 विश्वकप।**
- **भारतीय टीम वर्ष 2006, 2016 और 2020 में उपविजेता रही है।**
- **ऑस्ट्रेलिया ने तीन बार, पाकिस्तान ने दो बार तथा इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश एक-एक बार बने हैं चैंपियन।**
- **भारत ने वर्ष 2000 में मोहम्मद कैफ, वर्ष 2008 में विराट कोहली, वर्ष 2012 में उन्मुक्त चंद और वर्ष 2018 में पृथ्वी शॉ की कप्तानी में भी जीते हैं विश्वकप।**
- **यश दुल के नेतृत्व वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही, टीम ने अपने सभी 6 मैच जीते हैं।**

एंटीगा, भारत की युवा ब्रिगेड ने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुये खिताब अपने नाम किया है। भारत ने टूर्नामेंट के फाइनल में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया। भारत ने रिकॉर्ड पांचवीं बार यह खिताब अपने नाम किया है।

इंग्लैंड को बड़े लक्ष्य से रोका

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड का यह फैसला सही साबित नहीं हुआ। तेज गेंदबाज रवि कुमार ने इंग्लैंड के जैकब बेथेल और टॉम प्रेस्ट को आउट कर भारत को जल्द सफलता दिलाई। इसके बाद गेंदबाजी करने आये राज बावा ने भी बेहतरीन गेंदबाजी करते हुये इंग्लैंड की टीम को बैकफुट पर ला दिया। इंग्लैंड की आधी टीम 50 रन के भीतर पवेलियन लौट गई। 91 रन पर 7 विकेट गंवाने के बाद जेम्स रेव और जेम्स सेल्स ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने आठवें विकेट के लिये 93 रनों की साझेदारी की। रेव ने 95 रन बनाये, जबकि सेल्स ने 34 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की टीम 44.5 ओवरों में 189 रन बनाकर आल आउट हो गई। भारत के लिये रवि कुमार ने 4 तथा राज बावा ने 5 विकेट लिये।

बल्लेबाजों ने हासिल किया लक्ष्य

जीत के लिये मिले 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। भारत के सलामी बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी पारी की दूसरी गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद हरनूर सिंह (21) और शेख रशीद (50) ने पारी को संभाला। पारी के मध्य में भारतीय टीम थोड़ी लड़खड़ाई। 97 रन तक भारत के चार विकेट गिर गये। इसके बाद राज बावा ने निशांत सिंधु का साथ निभाया। बावा ने 35 रन बनाये। जबकि निशांत 50 रन बनाकर नाबाद लौटे।

भारतीय टीम के विकेट कीपर बल्लेबाज दिनेश बाना ने दो लगातार छक्के लगाकर भारत को 4 विकेट से यादगार जीत दिलाई। मैच में 5 विकेट और 35 रन बनाने वाले राज बावा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

लॉरियस स्पोर्ट्स अवॉर्ड के लिये नामित हुये नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को लॉरियस स्पोर्ट्स अवॉर्ड के लिये नामित किया गया है। नीरज को 6 अन्य खिलाड़ियों के साथ इस अवॉर्ड के लिये नामांकित किया गया है। नीरज को लॉरियस वर्ल्ड ब्रेक थ्रू ऑफ द ईयर कैटेगरी में नामांकन मिला है। इस अवॉर्ड के लिये नीरज की टक्कर एमा राडुकानू, डेनिल मेदवेदेव, यूलियार रोजास, एरियन टिटमस और पेट्री जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से होगी। इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड के लिये नामांकित होने वाले नीरज तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। नीरज से पहले क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और पहलवान विनेश फोगाट को भी इस अवॉर्ड के लिये नामांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि नीरज चोपड़ा ने पिछले वर्ष टोक्यो ओलिंपिक में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया था।

भारत ने हॉकी में फ्रांस को 5-0 से हराया

पोचेफस्ट्रूम, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपने पहले मैच में फ्रांस को 5-0 से हराया। भारत को इस मुकाबले में चार पेनाल्टी कॉर्नर मिले, जिसमें से दो पेनाल्टी कॉर्नर को भारतीय टीम ने गोल में तब्दील किया, वहीं फ्रांस को तीन पेनाल्टी कॉर्नर मिले। भारतीय रक्षापंक्ति ने तीनों पेनाल्टी कॉर्नर को बेअसर कर दिया। मैच में भारत के लिये हरमनप्रीत सिंह ने 21वें, वरुण कुमार ने 24वें, शमशेर सिंह 28वें, मनदीप सिंह ने 32वें और आकाशदीप सिंह ने 41वें मिनट में गोल किया।

राज्य शूटिंग अकादमी में बनेगा अत्याधुनिक इंडोर शूटिंग रेंज

भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अत्याधुनिक इंडोर फायनल शूटिंग रेंज का निर्माण किया जायेगा। इस रेंज के बन जाने पर मध्यप्रदेश में वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा सकेगा। मध्यप्रदेश ने शूटिंग वर्ल्ड कप की मेजबानी का प्रस्ताव भेजा है। यह जानकारी खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने भोपाल स्थित टी.टी. नगर स्टेडियम में मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी की राइफल विधा की एशियन गेम्स के लिये की जा रही तैयारियों की समीक्षा के दौरान दी।

श्रीमती सिंधिया ने कहा कि शूटिंग के लिये पूरे प्रदेश में दोबारा टैलेंट सर्च करें। सिर्फ भोपाल, इंदौर के बच्चों को ही नहीं, सुदूर इलाकों से भी नई प्रतिभाओं को खोजें और तैयार करें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के हाई परफार्मेंस प्रशिक्षकों की मदद से हम इतने सामर्थ्यवान हैं कि नई प्रतिभा को तराशकर ओलिंपिक में मैडल के लिये तैयार कर सकें। खेल मंत्री ने कहा कि प्रशिक्षक हर खिलाड़ी के खेल के सकारात्मक और कमजोर पक्ष की मॉनीटरिंग लगातार करें।

श्रीमती सिंधिया ने वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी की सलालम विधा की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ओलिंपिक की तर्ज पर भोपाल में ऑर्टिफिशियल सलालम कोर्स विकसित किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को 10 दिन में सम्पूर्ण जानकारी एकत्रित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। श्रीमती सिंधिया ने सलालम और केनोइंग के प्रशिक्षकों से कहा कि दृढ़ निश्चय के साथ प्रशिक्षण दें और इसी भावना को अपने खिलाड़ियों में भी पैदा करें।

बोपन्ना और रामनाथन की जोड़ी ने जीता टाटा ओपन युगल खिताब

पुणे, भारत के रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामानाथन की जोड़ी ने टाटा ओपन (महाराष्ट्र ओपन) का खिताब जीत लिया है। टाटा ओपन के फाइनल में रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामानाथन की जोड़ी ने ल्यूक सेविले और जॉन पैट्रिक स्मिथ की जोड़ी को हराया। यह इस जोड़ी का लगातार दूसरा एटीपी वर्ल्ड टूर का खिताब है।

बोपन्ना और रामकुमार ने एक घंटे 44 मिनट तक चले मैच में ल्यूक और स्मिथ की जोड़ी को 6-7, 6-3, 10-6 से हराया। बोपन्ना का यह 21वां एटीपी डबल्स का खिताब रहा। वहीं, रामकुमार का यह दूसरा खिताब है। इस जीत के साथ रामकुमार रामानाथन पहली बार डबल्स में 100वीं रैंकिंग के अंदर आ गये हैं।

इस जोड़ी को करीब 12 लाख रुपये की इनामी राशि मिली। वहीं, प्रत्येक खिलाड़ी

को 250 रैंकिंग प्वॉइंट भी दिया गया। बोपन्ना इससे पहले 2019 में दिविज शरण के साथ टाटा ओपन का खिताब जीत चुके हैं। पहले सेट में दोनों के बीच कड़ी टक्कर हुई और ऑस्ट्रेलियन जोड़ी यह सेट 7-6 से जीतने में कामयाब रही। इसके बाद दूसरे सेट में बोपन्ना-रामकुमार ने वापसी करते हुये आसानी से 6-3 से जीत लिया। तीसरे सेट को भी इन दोनों ने 10-6 से अपने नाम किया और ट्रॉफी जीत ली।

वेस्टइंडीज का भारत दौरा

भारत ने लगातार 11वीं बार वेस्टइंडीज को द्विपक्षीय सीरीज में दी मात

अहमदाबाद, मेजबान टीम इंडिया ने वनडे सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में वेस्टइंडीज को 96 रनों से मात दी। आखिरी मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय किया। लेकिन शीर्ष क्रम को जल्दी गंवाने के बाद एक और जीत दर्ज कर भारत ने वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का सूपड़ा साफ कर दिया। 42 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर ने भारतीय पारी को संभाला और फिर वाशिंगटन सुंदर और दीपक चाहर ने सातवीं विकेट के लिए 51 गेंदों पर 53 रन जोड़े। अतिरिक्त उछाल और दोहरी गति से वेस्टइंडीज के लंबे कद के गेंदबाजों को मदद मिली। अल्जारी जोसेफ और केमार रोच ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया, लेकिन टीम इंडिया ने जुझारु प्रदर्शन करते हुए 50 ओवर में 265 रन बनाए। वेस्टइंडीज को 266 रनों का लक्ष्य मिला, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज को सीरीज में फिर एक बार 200 से कम के स्कोर पर धराशाई कर दिया। अल्जारी जोसेफ और हेडन वॉल्श ने 47 रनों की साझेदारी की लेकिन वे हार को टाल नहीं सके। भारत की ओर से दीपक चाहर और मोहम्मद सिराज ने तीन-तीन शिकार किए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव को दो-दो सफलताएं मिलीं। बतौर भारतीय वनडे टीम के पूर्णकालिक कप्तान, रोहित शर्मा ने पहली सीरीज में 3-0 से जीत दर्ज की। लगातार तीसरी बार वेस्टइंडीज की टीम अपने पूरे 50 ओवर बल्लेबाज़ी नहीं कर पाई।

- **प्रसिद्ध कृष्णा को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।**
- **तीसरे वनडे में श्रेयस अय्यर को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।**

लॉस एंजेलिस ओलिंपिक से हो सकते तीन खेल बाहर

लॉस एंजेलिस, अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने वर्ष 2028 में अमेरिका के लॉस एंजेलिस में आयोजित होने वाले ओलिंपिक खेलों के लिये 28 खेलों की प्रारंभिक सूची जारी कर दी है। काफी समय से ओलिंपिक का हिस्सा रहे मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और मॉर्डन पेंटाथलॉन खेल को सूची में जगह नहीं मिली है, जबकि स्केट बोर्डिंग, सर्फिंग और स्पोर्ट क्लाइंबिंग जैसे खेल लॉस एंजेलिस ओलिंपिक में जगह बनाने में सफल हुये हैं। इसके अलावा प्रारंभिक सूची में क्रिकेट को भी जगह नहीं मिली है। आईसीसी ओलिंपिक-2028 में जगह बनाने के लिये प्रयासरत है। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और पेंटाथलॉन खेलों में नेतृत्व से जुड़े मसले, भ्रष्टाचार और डोपिंग जैसे मुद्दे चिंताजनक हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारत की सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का निधन

भारत की सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का निमोनिया के कारण 92 वर्ष की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। उन्हें कोविड की

पुष्टि के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके निधन पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित दुनियाभर के प्रशंसकों ने शोक व्यक्त किया। लताजी के निधन पर 2 दिन का राष्ट्रीय शोक रहा। इस दौरान देशभर में झंडा आधा झुका रहा। महाराष्ट्र सरकार ने उनके सम्मान में सार्वजनिक अवकाश और राजकीय शोक की घोषणा की थी। राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। 92 वर्षीय लताजी ने 36 भाषाओं में 50 हजार गाने गाए जो एक रिकॉर्ड है। 1960 से 2000 तक उनके गीत हर जुबान पर चढ़े रहे। उन्हें 2001 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। इससे पहले उन्हें पद्मविभूषण, पद्मभूषण और दादा साहेब फाल्के सम्मान भी मिल चुके हैं।

स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी

श्री रामानुजाचार्य की 216 फीट ऊंची प्रतिमा प्रधानमंत्री ने की राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद में 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' राष्ट्र को समर्पित की। 216 फीट ऊंची स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी 11वीं सदी के भक्ति संत श्री रामानुजाचार्य की स्मृति में स्थापित की गई है, जिन्होंने धार्मिक निष्ठा, जाति और पंथ सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में समानता के विचार को बढ़ावा दिया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जगद्गुरु श्री रामानुजाचार्य जी की इस भव्य विशाल मूर्ति के जरिए भारत मानवीय ऊर्जा और प्रेरणाओं को मूर्त रूप दे रहा है। रामानुजाचार्य जी की ये प्रतिमा उनके ज्ञान, वैराग्य और आदर्शों की प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे यहां अद्वैत भी है, द्वैत भी है। और इन द्वैत-अद्वैत को समाहित करते हुए श्रीरामानुजाचार्य जी का विशिष्टा-द्वैत भी है। उन्होंने कहा कि एक ओर रामानुजाचार्य जी के भाष्यों में ज्ञान की पराकाष्ठा है, तो दूसरी ओर वह भक्तिमार्ग के जनक भी हैं। एक ओर वह समृद्ध सन्यास परंपरा के संत भी हैं और दूसरी ओर गीता भाष्य में कर्म के महत्व को भी प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, आज दुनिया में, जब सामाजिक सुधारों की बात होती है, प्रगतिशीलता की बात होती है, तो माना जाता है कि सुधार जड़ों से दूर जाकर होगा। लेकिन, जब हम रामानुजाचार्य जी को देखते हैं, तो हमें अहसास होता है कि प्रगतिशीलता और

- **यह प्रतिमा पंचधातु से बनी है जिसमें सोना, चांदी, तांबा, पीतल और जस्ता शामिल है और यह दुनिया में बैठी अवस्था में सबसे ऊंची धातु की प्रतिमाओं में से एक है। यह 54 फीट ऊंचे आधार भवन पर स्थापित है, जिसका नाम मभद्र वेदी है।**
- **इस परिसर में एक वैदिक डिजिटल पुस्तकालय और अनुसंधान केंद्र, प्राचीन भारतीय ग्रंथ, एक थिएटर, एक शैक्षिक दीर्घा है, जो श्री रामानुजाचार्य जी के कार्यों की जानकारी देते हैं। प्रतिमा की परिकल्पना श्री रामानुजाचार्य आश्रम के श्री चिन्ना जीयर स्वामी ने की थी।**
- **स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी का उद्घाटन श्री रामानुजाचार्य की वर्तमान में चल रही 1000वीं जयंती समारोह के तहत 12 दिवसीय श्री रामानुज सहस्राब्दि समारोह का हिस्सा है।**

प्राचीनता में कोई विरोध नहीं है। ये जरूरी नहीं है कि सुधार के लिए अपनी जड़ों से दूर जाना पड़े बल्कि जरूरी ये है कि हम अपनी असली जड़ों से जुड़ें, अपनी वास्तविक शक्ति से परिचित हों। उन्होंने कहा कि आज श्री रामानुजाचार्य जी की विशाल मूर्ति 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' के रूप में हमें समानता का संदेश दे रही है। इसी संदेश को लेकर आज देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ अपने नए भविष्य की नींव रख रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत बिना भेदभाव के सभी के विकास और सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के स्वाधीनता संग्राम में समानता, मानवता और आध्यात्म की वह ऊर्जा भी लगी थी जो भारत को संतों से मिली थी। प्रधानमंत्री ने कहा, अगर सरदार साहब की 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' देश में एकता की शपथ दोहरा रही है, तो रामानुजाचार्य जी की 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' समानता का संदेश दे रही है। यह एक राष्ट्र के रूप में भारत की विशेषता है। प्रधानमंत्री ने इस बात का भी जिक्र किया कि कैसे तेलुगु संस्कृति ने भारत की विविधता को सशक्त किया है। उन्होंने कहा कि तेलुगु संस्कृति का विस्तार सदियों पुराना है, अनेक महान राजा और रानी इसके ध्वजवाहक रहे हैं।

सातवाहन हो, काकातिया हो या विजयनगर साम्राज्य, सभी ने तेलुगु संस्कृति की पताका को बुलंद किया है। पिछले साल तेलंगाना में स्थित 13वीं शताब्दी के काकातिया रूद्रेश्वर -रामाप्पा मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। विश्व पर्यटन संगठन ने पोचमपल्ली को भारत के सबसे बेहतरीन पर्यटन गांव का दर्जा दिया है।

स्पेन में

ऐतिहासिक श्रम सुधार बिल पास

स्पेन की संसद के निचले सदन में श्रम सुधार विधेयक पास करवाने के लिए सत्तारूढ़ समाजवादी सरकार के पास बहुमत नहीं था। विपक्षी सांसद की वोट से हुये फैसले की वजह से स्पेन की संसद में प्रस्तावित श्रम सुधार विधेयक पास हो गया। लेकिन इस विधेयक से ज्यादा चर्चा, इसके पास होने के तरीके की हो रही है। दरअसल, विधेयक के लिए हुए मतदान में सत्ता पक्ष एक वोट से आगे रहा। विपक्ष का दावा है कि उनके ही एक सांसद से गलती हुई और विधेयक के समर्थन में वोट चला गया। स्पेन की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ डेप्युटीज में 350 सीटें हैं। किसी भी विधेयक को पास करवाने के लिए न्यूनतम संख्या बल 175 होना चाहिए। सत्ताधारी सोशलिस्ट गठबंधन के पास सिर्फ 155 सीटें हैं। सोशलिस्ट पार्टी और उसके सहयोगियों ने नौ अन्य पार्टियों के साथ विधेयक पर

आम सहमति बनाई। इसके बावजूद वे बिल पास करवाने की स्थिति में नहीं लग रहे थे।

जब मतदान हुआ तो सत्ता पक्ष को एक मत विपक्षी सांसद की ओर से मिल गया। विधेयक के पक्ष में 175 और विपक्ष में 174 मत डाले गए और सिर्फ एक मत के अंतर से विधेयक पास हो गया। दूसरी तरफ विपक्ष इसे बेईमानी बता रहा है। पीपल्स पार्टी का कहना है कि उनके एक सांसद ने स्क्रीन पर 'ना' का बटन दबाया था, लेकिन मत 'हां' के पक्ष में चला गया। कंप्यूटर की गलती की वजह से ऐसा हुआ है।

रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो गैस पाइपलाइन बाधित कर दी जाएगी : बाइडेन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज से मुलाकात की और आगाह किया कि यदि

- **रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि केवल अमेरिका और उसके सहयोगी ही हमले की बातें कर रहे हैं।**

रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो अहम गैस पाइपलाइन 'नोर्ड स्ट्रीम 2' को बाधित कर दिया जाएगा।

इस बीच पुतिन और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने मॉस्को में पांच से अधिक घंटों तक मुलाकात की। बाइडेन और शोल्ज ने यूक्रेन के संकट से निपटने के प्रयासों के तहत व्हाइट हाउस में वार्ता की। रूस ने यूक्रेन की सीमा पर हजारों सैन्य बलों को तैनात किया है और वह लगभग रोजाना अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है।

बाइडेन ने कहा, "यदि रूस हमला करता है, यानी यदि टैंक और बल फिर से

यूक्रेन की सीमा पार करते हैं, तो (रूस से जर्मनी के बीच) नोर्ड स्ट्रीम 2 नहीं रहेगी। हम इसे रोक देंगे।"

इससे न केवल रूस को आर्थिक नुकसान होगा, बल्कि जर्मनी की भी मुश्किलें बढ़ेंगी। पाइपलाइन का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन इसे अभी चालू नहीं किया गया है। बाइडेन ने कहा, "हम सभी तैयार हैं, पूरा नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) तैयार है।"

बाइडेन ने दृढ़ता से दोहराया कि पाइपलाइन को बाधित किया जाएगा, जबकि शोल्ज ने संकट को कम करने के लिए रूस पर दबाव डालने की खातिर प्रतिबंधों को लेकर कुछ अस्पष्टता रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि रूस के सैन्य खतरे के बीच आवश्यक राजनयिकों को छोड़कर अन्य अमेरिकियों के लिए यूक्रेन छोड़ देना समझदारी होगी।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन में कार्यरत अपने गैर जरूरी कर्मियों को वहां से लौटाने के लिए अनुमति दे दी है और राजनयिकों के परिवार के सभी सदस्यों से भी वहां से लौट आने की अपील की है।

ज्ञात रहे कि यूक्रेन के पास लगभग एक लाख रूसी बलों की तैनाती ने पश्चिमी देशों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो इसे संभावित आक्रमण की शुरुआत के तौर पर देख रहे हैं। हालांकि, रूस ने अपने पड़ोसी देश पर हमले की किसी भी योजना से इनकार किया है।

उत्तर कोरिया ने

साइबर हमलों के जरिये करोड़ों डॉलर चुराए

उत्तर कोरिया वित्तीय संस्थानों, क्रिप्टोकरेंसी कंपनियों एवं विनिमय के जरिये करोड़ों डॉलर की चोरी कर रहा है।

- **अवैध तरीके से कमाया गया यह पैसा उसके परमाणु तथा मिसाइल कार्यक्रमों के लिए धन का एक अहम स्रोत है।**

साइबर विशेषज्ञों का हवाला देते हुए संयुक्त राष्ट्र की समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उत्तर कोरिया के साइबर क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों ने 2020 और मध्य 2021 के बीच उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में कम से कम तीन क्रिप्टोकरेंसी विनिमय से पांच करोड़ डॉलर से अधिक की चोरी की। यह संभवतः इसके साइबर अपराधों की विविधता को दर्शाता है।

'द एसोसिएटेड प्रेस' द्वारा प्राप्त की गई रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा कि एक साइबर सुरक्षा कंपनी ने बताया कि

2021 में उत्तर कोरिया के 'साइबर क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों ने क्रिप्टोकरेंसी विनिमय एवं निवेश कंपनियों में सात बार घुसपैठ कर कुल 40 करोड़ डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी चुरा ली। समिति ने बताया कि इन साइबर हमलों में फिशिंग, कोड दुरुपयोग, मैलवेयर और उन्नत सोशल इंजीनियरिंग का उपयोग किया गया। उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों की निगरानी करने वाले विशेषज्ञों की समिति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में कहा कि

- **संयुक्त राष्ट्र इस बात को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उठा कर उत्तर कोरिया पर प्रतिबंध लगाने के लिए सभी सदस्य देशों से संपर्क कर रहा है।**

उत्तर कोरिया के साइबर क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों द्वारा चुराए गए क्रिप्टोकरेंसी कोष को धन शोधन प्रक्रिया से गुजारने के बाद उसका इस्तेमाल किया जाता है।

समिति ने कहा कि उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों की धज्जियां उड़ाते हुए अपने परमाणु हथियारों तथा बैलिस्टिक मिसाइलों का आधुनिकीकरण किया। अपने कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिए साइबर हमले का इस्तेमाल किया और अपने शस्त्रागार के लिए ईरान सहित विदेशों में सामग्री एवं प्रौद्योगिकी हासिल करने की कोशिश की।

अर्जेंटीना का फॉकलैंड पर दावा

ब्रिटेन ने चीन के समर्थन को किया खारिज

ब्रिटेन ने चीन के उस बयान को दृढ़ता से खारिज कर दिया जिसमें फॉकलैंड द्वीप पर अर्जेंटीना के दावे के लिए बीजिंग ने

- **ब्रिटेन के विदेश सचिव ने कहा, फॉकलैंड्स ब्रिटिश परिवार का हिस्सा है और हम आत्म निर्धारण के उनके अधिकार की रक्षा करेंगे।**
- **चीन को फॉकलैंड्स की संप्रभुत्ता का सम्मान करना चाहिए।**

अपना समर्थन जताया था। इसी के साथ ब्रिटेन तथा चीन के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।

विदेश सचिव लिज ने ट्वीट किया कि ब्रिटेन 'फॉकलैंड्स की संप्रभुत्ता को लेकर किसी भी सवाल को पूरी तरह' खारिज करता है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग और अर्जेंटीना के उनके समकक्ष अल्बर्टो फर्नांडीज ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि चीन माल्विनास द्वीप पर संप्रभुत्ता

के पूर्ण अधिकार की अर्जेंटीना की मांग के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करता है।

अर्जेंटीना का मानना है कि उससे 1833 में गैरकानूनी रूप से फॉकलैंड्स को ले लिया गया था और ब्रिटिश कॉलोनी पर 1982 में आक्रमण किया गया था। ब्रिटेन ने सैनिकों को भेजा और अर्जेंटीना दो महीने तक चले युद्ध में हार गया था।

अर्जेंटीना अब भी द्वीप पर दावा जताता है जबकि लंदन का कहना है कि फॉकलैंड्स उसके संरक्षण में स्वशासित द्वीप है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : यूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।